वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
चित्रकूट, जिला–सतना, म0प्र0

हमारे बापू

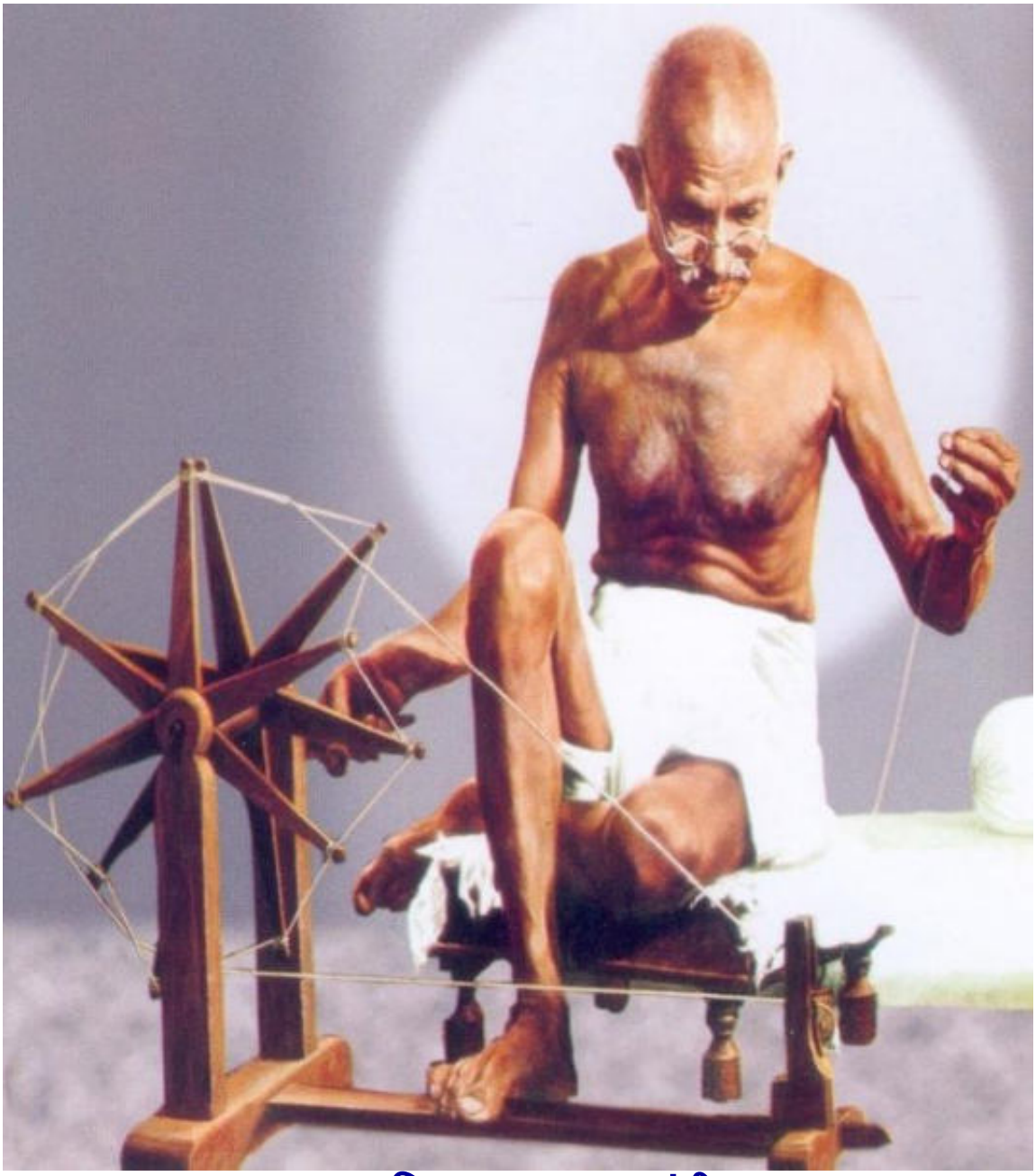

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

हमारे प्रेरणास्रोत

श्रीमती आनन्दी बेन जी पटेल
महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति
मध्यप्रदेश शासन

श्री कमलनाथ जी
माननीय मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश शासन

श्री जीतू जी पटवारी
माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा,खेल एवं युवा कल्याण, मध्यप्रदेश शासन

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya
Chitrakoot, Satna, Madhya Pradesh as
Accredited
with CGPA of 3.04 on four point scale
at A grade
valid up to September 13, 2020

Date : September 14, 2015

Director

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के द्वारा प्रदत्त 'ए' ग्रेड प्रमाण–पत्र

सम्पादक मण्डल

मुख्य संरक्षक
प्रो. नरेश चन्द्र गौतम
कुलपति

संरक्षक
डॉ. बी. भारती
कुलसचिव

प्रधान संपादक
डॉ. देव प्रभाकर राय
कुलपति के तकनीकी अधिकारी एवं समन्वयक IQAC

सदस्य
डॉ. रमेश चन्द्र त्रिपाठी (निदेशक, शोध निदेशालय)
डॉ. सी.पी. गूजर (विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रबंधन विभाग)
डॉ. कुसुम सिंह (उपकुलसचिव, अकादमी)

डिजाइनिंग एवं कम्पोजिंग
डॉ. जयप्रकाश तिवारी, बालेश्वर सिंह एवं प्रदीप कुमार पाठक

कुलपति की कलम से.....

विश्वविद्यालयीन वार्षिक प्रतिवेदन (2017–18) के प्रकाशित होने के अवसर पर मैं समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है विश्वविद्यालय युवाओं में कौशल शिक्षा की अभिवृद्धि के माध्यम से उच्च शिक्षा के बदलते इस वर्तमान परिदृष्य में सदैव की भॉति शैक्षणिक प्रतिमान स्थापित करने में निरन्तर सफल हो सकेगा। कृतसंकल्पिक एवं प्रतिबद्ध शिक्षकों, कर्मचारियों तथा अनुशासित छात्र–छात्राओं के अपेक्षित सहयोग से विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिशीलता की अक्षुणता को गत वर्षो की भॉति स्थापित रखने में सक्षम हो सकेगा। ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

पद्मविभूषण श्रद्धेय नानाजी की संकल्पना का मूर्तरूप यह विष्वविद्यालय अपनी शैली का प्रदेश का ही नहीं अपितु समूचे राष्ट्र का प्रथम ग्रामीण विश्वविद्यालय है जो कि समाज के निचले पायदान पर अवस्थित बहुल जन–जाति एवं आदिवासी समाज को शिक्षा के मुख्य धारा में लाकर उन्हें शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर, उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने की विधा के मार्ग को पिछले 28 वर्षो से प्रशस्त कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा आजीविका सृजन के विभिन्न अनुप्रयोगों तथा नेतृत्व क्षमता विकास के राज्य स्तरीय बहु–आयामी एवं अनोखी शैक्षणिक प्रणाली के माध्यय से निश्चित ही उत्कृष्ट कार्य कर अपनी शैक्षणिक प्रासंगिकता को स्थापित करने में पूर्ण सफलता प्राप्त की है।

राष्ट्र की भावना से अभिप्रेरित स्नातक, परास्नातक, व्यावसायिक तथा कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय ने अंगीकृत कर छात्रों में अध्ययन के साथ–साथ वैकल्पिक आजीविका–सृजन के विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार हेतु आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृत संकल्पित है।

विश्वविद्यालय अपने सीमित संसाधनों के बावजूद भी प्रभावकारी एवं उत्कृष्ट शिक्षा के लिए आवश्यक विपुल संसाधनों की अनिवार्यता में उत्पन्न हो रहे गतिरोध को संयमित प्रबंध शैली के माध्यम से राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है।

मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदया, मध्यप्रदेश शासन तथा अपने यशस्वी उच्चशिक्षा मंत्री, मान्नीय श्री जीतू पटवारी जी के तत्पर सहयोग से समस्त लंबित परियोजनाओं तथा शैक्षणिक नियुक्ति प्रक्रिया जो कि वर्तमान संदर्भों में एक अपरिहार्य आवश्यकता है; की प्रतिपूर्ति करने में सफल हो सकेगा।

अन्ततः, मैं विश्वविद्यालय एवं राज्य शासन के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त करता हूँ कि निश्चित ही महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय आने वाले कल में प्रदेश ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय स्तर का एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय बन सकेगा।

(नरेश चन्द्र गौतम)

सामुदायिक महाविद्यालय के केन्द्र में प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते मा. कुलपति महोदय

ग्रामोदय महोत्सव : कलात्मक प्रस्तुति

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट
जिला– सतना (मध्यप्रदेश) – 485 334

डॉ. बी. भारती
कुलसचिव

कुलसचिव कथ्य!

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा है। वार्षिक प्रतिवेदन विश्वविद्यालय का दर्पण होता है, जिसमें हम विश्वविद्यालय की वर्ष भर की समस्त शैक्षणिक, अकादमिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक, लेखा, क्रीड़ा, परीक्षा–गोपनीय आदि से संबंधित समस्त गतिविधियों का अवलोकन कर सकते हैं। इस प्रकार आज के आधुनिक, मशीनी व व्यस्तता के दौर में एक शैक्षणिक संस्था की वर्ष भर की महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ व सामान्य विवरण एक ही स्थान पर सुगमता से उपलब्ध हो जाता है। इस दृष्टि से वार्षिक प्रतिवेदन की प्रासंगिकता और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

भारत के हृदय मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक, धार्मिक, सांस्कृतिक व विन्ध्य की उन्नत पर्वतमालाओं के मध्य प्रकृति के सुरम्य आगोश में स्थित चित्रकूट में राष्ट्रऋषि, चिन्तक, विचारक, मनीषी, शिक्षाशास्त्री व गांधी के ग्राम्य स्वराज के पुरोधा, ग्राम–उन्नायक युगपुरुष नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित हमारा यह प्रथम ग्रामीण विश्वविद्यालय अपनी परम्परागत, दूरस्थ एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मध्यप्रदेश के कुलाधिपति महोदया व राज्य शासन के कुशल नेतृत्त्व व प्रो. नरेशचन्द्र गौतम माननीय कुलपति के सक्षम व समर्थ मार्गदर्शन में उच्चशिक्षा की गंगा के विस्तारण व उन्नयन की दिशा में निरन्तर गतिशील है। मैं आशा और विश्वास करता हूँ कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश के सुरम्य ग्रामीण अंचल से संचालित यह विश्वविद्यालय लोकहित में अपनी सक्रिय सहभागिता का निवर्हन करेगा।

मैं इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय, राज्य सरकार व प्रदेश के ऊर्जावान, युवा व यशस्वी माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री जीतू पटवारी जी को उनके कुशल मार्गदर्शन व सहयोग हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ तथा विश्वविद्यालय के सहज, सरल तथा बहुमुखी प्रतिभा व प्रभावी व्यक्तित्त्व के धनी माननीय कुलपति प्रो. नरेशचन्द्र गौतम के कुशल नेतृत्त्व में भविष्य में भी विश्वविद्यालय विकास यात्रा के पथ पर अग्रसर होता रहे, इस हेतु शुभाशीष की विनम्र अपेक्षा भी करता हूँ।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्याल, चित्रकूट ने विगत 28 वर्ष में विकास के कई सोपान तय किये हैं। इसमें विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल, विद्यापरिषद्, माननीय कुलपति जी, आचार्य, शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारीगण; छात्र–छात्राओं, विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों व मीडिया के विद्वान प्रतिनिधियों के असीम सहयोग व समर्पण को विस्मृत नहीं किया जा सकता।

प्रतिवेदन प्रकाशन पर इन सभी के प्रति हार्दिक आभार व धन्यवाद!

(डॉ. बी. भारती)

स्वच्छता सर्वेक्षण -2018
स्वच्छ भारत
चित्रकूट के ब्रांड एम्बेस्डर, मार्गदर्शक एवं म.गॉ.चि.ग्रा.वि.वि. के कुलपति
मा०प्रो० नरेश चन्द्र गौतम जी का
सार्वजनिक सम्मान समारोह
स्वच्छ चित्रकूट
सोमवार,०९ जुलाई २०१८
सुन्दर चित्रकूट
स्वच्छ सर्वेक्षण 2018
चित्रकूट प्रथम स्थान पर

अनुक्रमणिका

- ग्रामोदय विश्वविद्यालय..... 01
- विश्वविद्यालय के प्राधिकारी..... 04
  - प्रबंध मण्डल..... 04
  - विद्यापरिषद..... 05
- विश्वविद्यालय की प्रशासनिक संरचना..... 06
- विश्वविद्यालय : शैक्षणिक संवर्ग..... 07
- विश्वविद्यालयों में किये गये नवाचार 07
- पर्यावरण/जल संरक्षण/परिसर विकास..... 08
- उत्कृष्ट कार्य..... 08
- प्रवेश, परीक्षा और मूल्यांकन..... 09
- छात्रों के नामांकन में वृद्धि..... 09
- अधोसंरचनागत विकास..... 10
- केन्द्रीय सुविधाएँ और विश्वविद्यालयीन संसाधन..... 10
- विशिष्ट अनुप्रयोग एवं उपलब्धियां..... 11
- वृहद् अनुसंधान–आयाम 11
- नवोन्वेशित शैक्षणिक आयाम..... 12
- विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम..... 12
- महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ 13
- संकायवार जानकारी (नवप्रवेशित छात्रसंख्या 2017–18)..... 15
  - ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय..... 15
  - कला संकाय..... 16
  - विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय..... 16
  - कृषि संकाय..... 17
  - अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय..... 17
  - स्वर्ण पदक उपाधि धारक..... 18
  - प्रदत्त शोध उपाधि..... 18
- कृषि संकाय 25
- ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय 33
- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय 39
- विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय 41
- कला संकाय 49
- केन्द्रीय ग्रन्थालय 52
- शोध निदेशालय 55
- ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना..... 55
- मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम..... 75
- दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र..... 91
- वार्षिक आय–व्यय (2017–18)..... 100

बापू की ७०वी पुण्य तिथि के अवसर पर
मा० कुलपति एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों अधिकारियों एवं छात्र
छात्राओं ने दो मिनट का मौनधारण कर दी श्रद्धांजलि

गणतंत्र दिवस

ग्रामोदय : मीडिया की दृष्टि में

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ग्रामोदय महोत्सव का समापन

फ्रांस में सराही गई चित्रकूट की कला और संस्कृति

MPLine

The Hitavada

JABALPUR ■ Friday ■ December 21 ■ 2018

Agri scientists' meet at Gramoday Univ

■ **Our Correspondent**
CHITRAKOOT, Dec 20

THE symposium of the agriculture scientists was conducted at Chitrakoot Gramoday Vishwavidyalaya on the occasoinof 150th year of the birth of Mahatma Gandhi.

The agriculture scientists delivered lecture over increasing the income of the peasants two fold by cultivation of the onion, garlic and potato. On the last day of the two day's symposium, scientists delivered lecture on respective topics. The symposium was conducted under the technical officers auspices and dean agriculture wing.

More than 300 local farmers participation converted the symposium into 'Kisan Mela'. The topic of the symposium was based on cultivation of garlic and potato but the farmers raised the questions related with the Rabi, Kharif and Jayad crops which made it complete agriculture symposium. The new agriculture technology and technical knowledge give by the scientists was highly appreciated by farmers and senior farmers who got benefited by the information given by scientists.

> The topic of symposium was cultivation of garlic and potato but farmers raised the questions related to Rabi, Kharif and Jayad crops

Scientist Dr Subhashchandra Tiwri threw light over new agriculture technology for mushroom cultivation for alternative income source. Assistant Director NHRDF, Dr A K Pandey gave necessary directive for safer and systematic production of the garlic, onion, potato and also replied to the queries of the farmers related with the cultivation. They also provided guidance for safer production.

Associate Professor Dr Harishankar Kushwaha of Gramoday Vishwavidyalaya also provided detailed information about the vegetable category crops to be cultivated in the Rabi season and also replied to the queries of the farmers related with the Rabi crops.

Project Officer, NHRDF, Dr Sudher Singh threw light over the project based schemes and said that it is an organisation of India which is working for increasing the income through the agriculture with reference to the schemes for unique experiments for cultivation of the garlic and potato.

The Assistant Director NHRDF elaboratedthe methods of seed production of the onion and in both the Rabi and Khareef seasons and suggested the methods to increase the annual income of the peasants.

Dean Chitrakoot Gramoday Vishwavidyalaya Dr D P Rai proposed the vote of thanks.

He said that the contribution of successful organisation of the symposium goes to the enthusiastic farmers of the area. The farmers participated in symposium with great enthusiasm and embraced the unique experiments in cultivation.

Dr Umesh Kumar Shukla, Veerendra Kumar Vyas, Dr H S Kushwaha, Dr Sudhakar Mishra, Dr Umashankar Mishra, Dr Amarjeet Singh, Dr Chandramani Tripathi, Dr Yogendra Singh, Ashwani Duggal and other professors were also present. They also conducted discussion over the relevant topics.

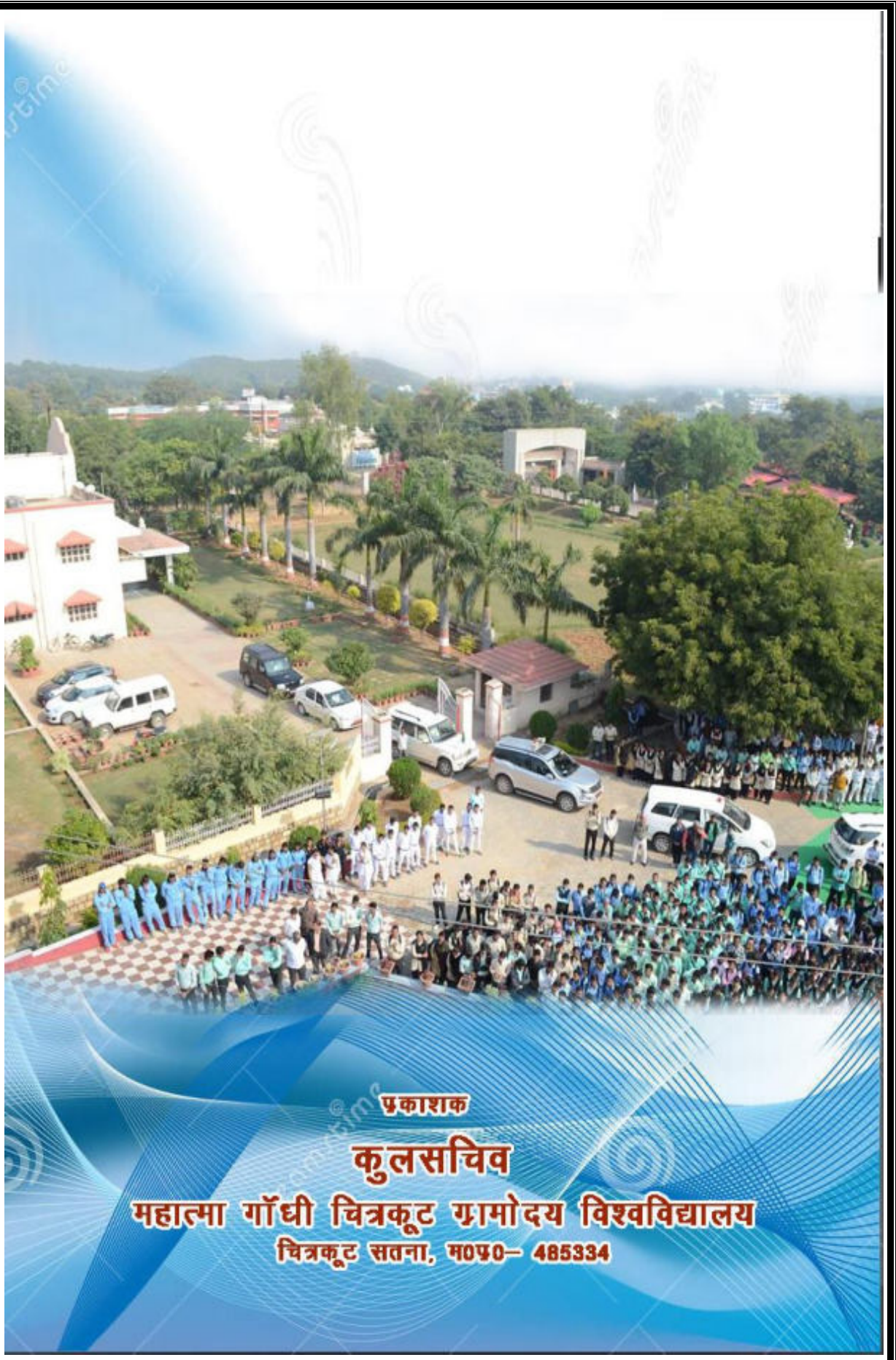

प्रकाशक

कुलसचिव

महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

चित्रकूट सतना, म0प्र0– 485334

ग्रामोदय विश्वविद्यालय

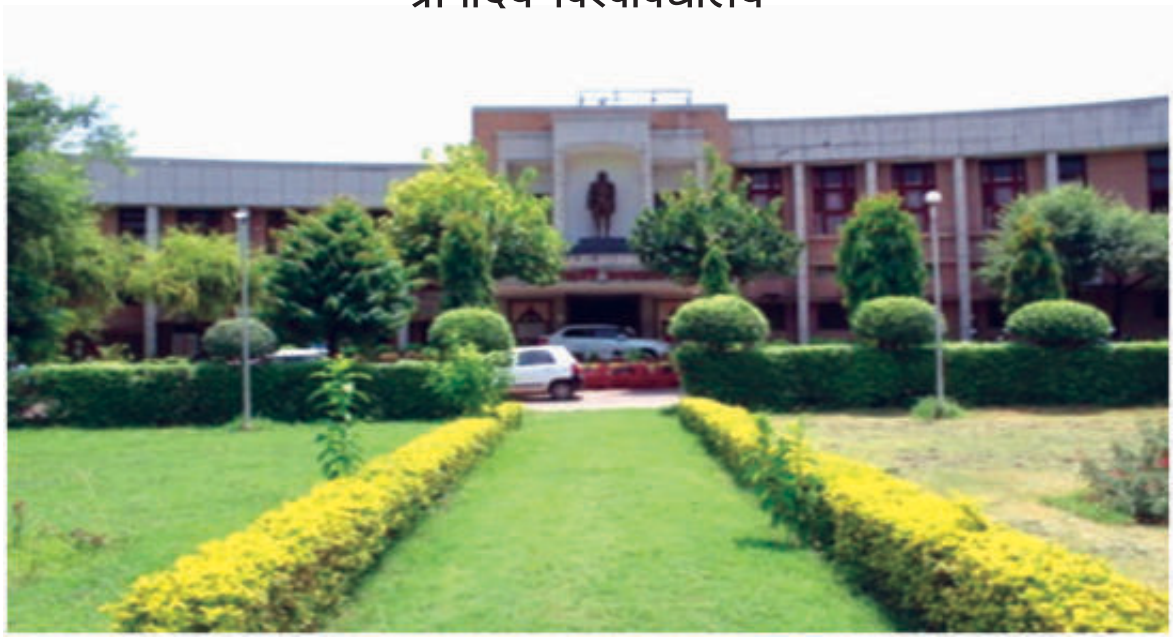

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बंगलौर द्वारा **'ए' ग्रेड** से अंलकृत **'विश्वं ग्रामे प्रतिष्ठितिम्'** के बोध–वाक्य की विशिष्टता को दृष्टिगत रखते हुए भारत के इस प्रथम ग्रामीण विश्वविद्यालय महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना मध्य प्रदेश शासन के अधिनियम 9, 1991 द्वारा 12 फरवरी 1991 को पद्मविभूषण नानाजी देशमुख द्वारा देश की हृदयस्थली चित्रकूट में बुनियादी उच्च–शिक्षा से परे आदिवासी बहुल्य शोषित एवं वंचित जनमानस के सर्वांगीण विकास हेतु किया गया था।

स्थापना के प्रारम्भ से ही विश्वविद्यालय युगानुकूल सामाजिक पुनर्संरचना को पृष्ठभूमि में रखकर क्षेत्रीय युवक–युवतियों के स्वरोजगार सृजन एवं स्वावलम्बन हेतु विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को सृजित करते हुए एक उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली की नवीन विधा को विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। यद्यपि विश्वविद्यालय अपने प्रथम चरण में अनेक कठिनाइयों का सामना किया परन्तु अपने उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति हेतु सदैव कृतसंकल्पित होकर उत्कृष्ट शिक्षा के मानकों के अनुरूप अत्यन्त श्रेष्ठता के साथ शिक्षा, अनुसंधान तथा प्रसार कार्यों को संचालित करता रहा है। बहुसंख्यक शैक्षिक अनुप्रयोगों के माध्यम से अल्प समय में ही यह विश्वविद्यालय अपनी पहचान राष्ट्रीय क्षितिज पर बनाने में सक्षम हो सका।

मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की सीमान्त क्षेत्र चित्रकूट में स्थित यह विश्वविद्यालय शहरी कोलाहल से मुक्त आदर्श शिक्षा के लिए भारत का निश्चित ही एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। इसी का प्रतिफल है कि विश्वविद्यालय कौशल शिक्षा जैसी नवीन विधा को शीघ्रता के साथ संचालित कर युवाओं में कौशल विकास की अपरिहार्य आवश्यकता की प्रतिपूर्ति अत्यन्त कुशलता के साथ कर रहा है। वर्तमान

में प्रदेश की मानव संसाधन निर्माण एवं नेतृत्व क्षमता विकास जैसे कार्यों को अत्यन्त जिम्मेदारी के साथ संचालित करने में सफलता प्राप्त की है। नेतृत्व क्षमता विकास का कार्यक्रम जो मध्य प्रदेश के समस्त विकासखण्डों में संचालित हो रहा है, निश्चित ही यह एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

विश्वविद्यालय अपनी अवधारणा एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु 05 संकायों के अन्तर्गत 16 विभाग तथा 04 स्वतंत्र संस्थान (दूरवर्ती शिक्षा संस्थान, सी.एम.सी.एल.डी.पी., सामुदायिक महाविद्यालय, दीनदयाल कौशल केन्द्र) से संचालित हो रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में लगभग 5000 छात्र–छात्रायें पठन–पाठन में नामांकित हैं।

प्रो. नरेश चन्द गौतम जो इस विश्वविद्यालय के कुलपति के दायित्व को 21 नवम्बर 2013 को धारण किया तथा अपने प्रथम तथा द्वितीय कार्यावधि की अद्यतन तिथि तक अपने ऊर्जावान व्यक्तित्व एवं कुशल नेतृत्व क्षमता के साथ विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित करने की दिशा में सफलता अर्जित की है।

प्रो. गौतम के अथक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय ने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं आदिम जनजाति विभाग, मध्य प्रदेश शासन के साथ बी.एस.डब्ल्यू. (समाजकार्य स्नातक) पाठ्यक्रम संचालित करने का समझौता (MoU) किया। साथ ही मध्यप्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद् के तत्वावधान में जनजातीय/आदिवासी विकास एवं कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन के साथ समझौता कर राज्य स्तर पर आदिवासी समुदायों के 12वीं स्तर के विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग पाठ्यक्रम को संचालित करने में सफलता प्राप्त की। यह भारत का प्रथम ग्रामीण विश्वविद्यालय है जिसने बी.वोक. एवं एम.वोक. जैसे कौशल शिक्षा आधारित सात विधाओं में पाठ्यक्रम संचालित करने में सफलता प्राप्त की है।

कुलपति सचिवालय

विश्वविद्यालय का वृहद् लक्ष्य मानव स्रोत का विकास करना है, जिससे ग्रामीण समुदाय के सामाजिक–आर्थिक विकास के साथ विभिन्न उद्देश्य आधारित बहुआयामी शिक्षा में गुणात्मक विकास को प्रोत्साहित किया जाय। विश्वविद्यालय का लक्ष्य उच्च शिक्षा के साथ ही दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी कौशल शिक्षा को विकसित करना तथा जन सहभागिताा से शाश्वत विकास के मार्गो को अन्वेषित कर शिक्षा के मूलभूत उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति समसामयिक संदर्भो में हो सके, के लिए कृतसंकल्पिक है।

विश्वविद्यालय अध्ययन व शिक्षण प्रशिक्षण में उत्तम तकनीकों के प्रयोग से गाँव के बहुआयामी विकास के लिए कई अन्तः विषयक प्रणाली को अंगीकार किया गया। यह देश एवं प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसने बी.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों और विकास खण्डों में नेतृत्व क्षमता विकास करने के लिए वर्चुअल कक्षाओं के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बनाये रखने में सफलता अर्जित की है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य आजीविका संवर्धन जैसे कार्यक्रमों को दूरस्थ क्षेत्रों में जन–जन तक दूरवर्ती शिक्षा तथा सामुदायिक महाविद्यालयों के माध्यम से युगानुकूल शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार का संचालन करना है। विश्वविद्यालय प्रसार तकनीकियों के प्रभावी पहल से ग्राम्यजनों की समस्याओं के सद्यः समाधान हेतु अपेक्षित तकनीकियों के अनुप्रयोग को विकसित करने की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है। क्रियात्मक शोध तथा आवश्यक तकनीकी के हस्तांतरण से समस्याओं के सम्यक् समाधान करने में सफलता प्राप्त की है।

पुरस्कार वितरित करते कुलपति प्रो. नरेश चन्द्र गौतम

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

(1) प्रबंध मण्डल

क्र.	प्रबंध मण्डल के सदस्यों का नाम एवं विवरण	
1	कुलाधिपति पदेन अध्यक्ष	महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनन्दी बेन पटेल, राजभवन भोपाल (म.प्र.) पदेन अध्यक्ष
2	कुलपति	प्रो. नरेश चन्द्र गौतम कुलपति, म.गां.चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूट
3	शिक्षा प्रमुख सचिव/नामिनी	
4	ग्रामीण विकास प्रमुख सचिव/नामिनी	
5	कृषि प्रमुख सचिव/नामिनी	
6	वित्त प्रमुख सचिव/नामिनी	
7	आयुक्त, उच्च शिक्षा / नामिनी	
8	दो विख्यात वैज्ञानिक	डॉ. रघुराज किशोर तिवारी, सीनियर साइंसिस्ट, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, कालेज आफ एग्रीकल्चर, रीवा, म.प्र.
9		डॉ. प्रीतम चन्दा, संचालक, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल
10	दो प्रगतिशील किसान	श्री शिवजीत, ग्राम–रामनगर, पोस्ट–रीठी, ब्लाक–सिकरारा, जौनपुर, उ.प्र.
11		श्री नारायण सिंह पटेल, ''भारत'' विक्रम फार्म, करकबेल, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश
12	प्रतिभाशाली महिला	श्रीमती पुनीता अग्रवाल वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कालेज, दिल्ली
13	विख्यात इंजीनियर	डॉ. विक्रम सिंह यादव, हेड आफ डिपार्टमेण्ट, एप्लाइड साइंस एण्ड ह्यूमनिटीस, बुंदेलखण्ड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालाजी, झांसी
14	विख्यात शिक्षाविद्	डॉ. मनोज दीक्षित, प्रोफेसर एण्ड हेड आफ डिपार्टमेण्ट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, युनिवर्सिटी आफ लखनऊ, उ.प्र.
15	आई.सी.ए.आर. (ICAR) प्रतिनिधि	डॉ. वी.पी. सिंह निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी डिसीज, कोक्टा रोड, आनन्द नगर, भोपाल–४६२००२
16	दीनदयाल शोध संस्थान के प्रतिनिधि	श्री अभय महाजन, संगठन सचिव, दीन दयाल शोध संस्थान, चित्रकूट
17	चिकित्साविद्	डॉ. मनोज कुमार दुबे, प्रोफेसर काया चिकित्सा, शासकीय आयुर्वेद कालेज, रीवा, मध्यप्रदेश
18	सचिव	डॉ. बी. भारती, कुलसचिव, म.गां.चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूट

(2) विद्यापरिषद

नाम/पदनाम (पूर्ण पता सहित)	विद्यापरिषद में नामित पद
डॉ नरेशचन्द्र गौतम, कुलपति, म.गा.चि.ग्रा.वि., चित्रकूट (म.प्र.)	अध्यक्ष
आयुक्त उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन या उनका नाम निर्देशिती	सदस्य
अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. शासन	सदस्य
डॉ (श्रीमती) पंकज मित्तल, अतिरिक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली – 110 002	सदस्य
डॉ जी.सी. त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
संकायाध्यक्ष, विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय	सदस्य
संकायाध्यक्ष, कला संकाय	सदस्य
संकायाध्यक्ष, ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबन्धन संकाय	सदस्य
संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय	सदस्य
संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्यौगिकी संकाय	सदस्य
डॉ अजय कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग,	सदस्य
डॉ के.के. सिंह, विभागाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण विभाग	सदस्य
डॉ सी.पी. गूजर, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रबन्धन विभाग,	सदस्य
डॉ कुसुम सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग,	सदस्य
इं अश्वनी दुग्गल, खाद्य एवं कृषि अभियात्रिकी विभाग	सदस्य
डॉ साधना चौरसिया, विभागाध्यक्ष, उर्जा एवं पर्यावरण विभाग	सदस्य
डॉ वीरेन्द्र व्यास, प्र. निदेशक, दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा केन्द्र	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ भरत मिश्र, प्र. निदेशक, सामुदायिक महाविद्यालय योजना	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ रमेशचन्द्र त्रिपाठी, प्र. निदेशक, शोध निदेशालय	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ जितेन्द्र कुमार शर्मा, प्र. उपकुलसचिव (परीक्षा)	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ शशिकान्त त्रिपाठी, अधिष्ठाता, छात्रकल्याण	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ नीलम चौरे, नियंत्रक, मूल्यांकन एवं परीक्षा नियंत्रक	विशेष आमंत्रित सदस्य
इं राजेश सिंन्हा, प्राचार्य, पं. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र	विशेष आमंत्रित सदस्य
इं सच्चिदानन्द ओझा, प्र. लेखा नियंत्रक, म.गां.चि.ग्रा.वि., चित्रकूट	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ. कुसुम सिंह, प्र. उपकुलसचिव, अकादमी	प्र. उपकुलसचिव, अकादमी
डॉ बी. भारती, कुलसचिव, म.गां.चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूट	सचिव (पदेन)

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक संरचना

- **कुलपति**
  प्रो. नरेश चन्द्र गौतम
- **कुलसचिव**
  डॉ बी. भारती
- **लेखा नियन्त्रक**
  इं सच्चिदानन्द ओझा (प्रभारी)
- **अधिष्ठाता**

क्र.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	प्रो. इन्द्र प्रसाद त्रिपाठी	अधिष्ठाता, विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय
2	डॉ वाई.के. सिंह	अधिष्ठाता, कला संकाय
3	डॉ देव प्रभाकर राय	अधिष्ठाता, कृषि संकाय
4	डॉ अमरजीत सिंह	अधिष्ठाता, ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबन्धन संकाय
5	डॉ आन्जनेय पाण्डेय	अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय
6	डॉ शशिकान्त त्रिपाठी	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण अधिष्ठान
• **निदेशक**		
1	डॉ वीरेन्द्र कुमार व्यास	प्र. निदेशक, दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा
2	डॉ रमेश चन्द्र त्रिपाठी	निदेशक,शोध निदेशालय
3	डॉ अमरजीत सिंह	प्र. निदेशक / लिंक अधिकारी मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम
4	डॉ भरत मिश्रा	प्र. निदेशक, सामुदायिक महाविद्यालय योजना
• **अन्य प्रशासनिक अधिकारी**		
1	डॉ देव प्रभाकर राय	कुलपति के तकनीकी अधिकारी
2	डॉ जयन्त कुमार गुप्ता	प्र. उपकुलसचिव, (प्रशासन)
3	डॉ आन्जनेय पाण्डेय	प्र. कुलानुशासक
4	डॉ कुसुम कुमारी	प्र. उपकुलसचिव, (अकादमी)
5	डॉ नीलम चौरे	प्र. परीक्षा एवं मूल्यांकन नियंत्रक
6	डॉ जितेन्द्र कुमार शर्मा	प्र. उपकुलसचिव, (परीक्षा)
7	डॉ कमलेश कुमार थापक	प्र. उपकुलसचिव, दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा
8	डॉ सूर्यप्रकाश शुक्ला	प्र. उपनिदेशक मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम
9	इं राजेश कुमार सिन्हा	प्राचार्य, दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास
10	इं सच्चिदानन्द ओझा	प्र. आवश्यक सेवा इकाई
11	इं चन्द्र प्रकाश बस्तानी	प्र. यांत्रिकी इकाई
12	इं धर्मेन्द्र सिंह	प्र. क्रय अधिकरी / सहायक कुलसचिव (विकास)
13	डॉ संतोष कुमार अरसिया	प्र. सहायक कुलसचिव, (प्रशासन)
14	डॉ उमेशचन्द्र	प्र. सहायक कुलसचिव, (परीक्षा)
15	डॉ जयशंकर मिश्र	प्र. सहायक कुलसचिव, दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा
16	डॉ शूरवीर सिंह	फार्म अधीक्षक
17	श्री जय प्रकाश शुक्ला	जनसम्पर्क अधिकारी
18	श्री विजय कुमार शर्मा	प्र. कार्यलय अधीक्षक (स्थापना विभाग)
• **शिक्षकों एवं कर्मचारियों की वर्तमान स्थिति**		
1	शिक्षकों की कुल संख्या	67
2	तृतीय श्रेणी के कुल कर्मचारी	84
3	तकनीकी श्रेणी के कुल कर्मचारी	77
4	चतुर्थ श्रेणी के कुल कर्मचारी	106

विश्वविद्यालय : शैक्षणिक संवर्ग

क्र. सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत पद								
		प्राध्यापक			सह–प्राध्यापक			सहायक प्राध्यापक		
		स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1.	Technology Transfer	01	-	01				06	04	02
2.	NRM				01	-	01	07	04	03
3.	Crop Science				01	-	01	09	02	07
4.	Public Education & Mass Comunication	01	01	-	01	-	01	07	07	-
5.	Professional Art				01	-	01	03	03	-
6	Humunities & Social Science				-	-	-	10	08	02
7	Hindi				-	-	-	02	02	-
8	Sanskrit				-	-	-	01	01	-
9	Gram Swaraj Sansthan				-	-	-	02	-	02
10	Rural Management	01	-	01	01	-	01	07	03	04
11	Business Management				01	-	01	09	04	05
12	Electronics & Comunication	01	-	01	01	-	01	06	-	06
13	Food & Agri. Engg.				02	01	01	09	03	06
14	Rural Engg.				-	-	-	06	02	04
15	Physical Science	01	01	-	01	-	01	07	06	01
16	Bio. Science				01	-	01	04	02	02
17	Energy & Environment				-	-	-	03	01	02
18	Remote Sensing & Resource Informatics Centre				01	-	01	04	03	01
	Total	05	02	03	12	01	11	102	55	47

विश्वविद्यालयों में किये गये नवाचार

क्र.	नवाचार	परिणाम
1.	वृक्षा रोपण	हराभरा एवं स्वच्छ परिसर
2.	नशा विरोधी अभियान	नशा एवं गुटका मुक्त परिसर
3.	शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान	स्वच्छ परिसर
4.	नेटवर्किंग सुविधा	संपूर्ण परिसर
5.	वाई–फाई सुविधा	संपूर्ण परिसर
6.	सी.सी.टी.वी. कैमरा स्थापन	संपूर्ण परिसर में निगरानी
7.	बायोमैट्रिक	उपस्थिति व्यवस्था लागू
8.	प्रार्थना सभा	छात्र–छात्राओं
9.	ड्रेस कोड	सभी संकायवार
10.	मूल्य आधारित शिक्षा	सभी पाठ्यक्रमों में लागू
11.	एनर्जी सेविंग परिसर	संपूर्ण परिसर
12.	योग प्रशिक्षण	सभी पाठ्यक्रम में लागू

पर्यावरण/जल संरक्षण/परिसर विकास

पर्यावरण संरक्षण	• गाजर घास की परिसर से सफाई • पार्को में घास का रोपण • नालियों की सफाई • मंदाकिनी नदी की सफाई • ग्रामीण स्वच्छता शिविर का आयोजन • शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा अनिवार्य रूप से ग्राम प्रवास तथा ग्रामीण समस्याओं का निराकरण • जैविक खाद संबंधित कृषकों को जानकारी • बायोपेस्ट की ग्रामीणों को जानकारी • वन्य जीव संरक्षण अभियान • जंगल कटाव को रोकने हेतु अभियान
जल संरक्षण	• राजीव गॉधी वाटरशेड मिशन में ग्रामीण स्तर पर सहभागिताा • रूपटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग को ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना • विश्वविद्यालय के कृषि परिसर में फार्म पाण्ड का निर्माण करना • ग्रामीणों को जल संरक्षण की विभिन्न विधियां यथा–कन्टूर बन्डिंग, ट्रेनचिंग, इत्यादि के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना
परिसर विकास	• सी.सी.टी.वी. कैमरा • वाई–फाई परिसर • ड्रेस कोड (संकायवार) • वृक्षा रोपण • नशा मुक्त परिसर • श्रमदान • नेटवकिंग व्यवस्था • बायोमैट्रिक व्यवस्था • प्रार्थना सभा • मूल्य आधारित शिक्षा • एनर्जी सेविंग परिसर • योग प्रशिक्षण

उत्कृष्ट कार्य

- दीनदयाल कौशल विकास के अन्तर्गत कौशल विकास हेतु यू.जी.सी. नई दिल्ली द्वारा 480 लाख की परियोजन संचालित।
- महिला एवं बाल विकास मध्य प्रदेश शासन के अधीन मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम का संचालन तथा उसके अन्तर्गत संपूर्ण मध्य प्रदेश में आदिम जनजाति विभाग द्वारा प्राप्त सहयोग राशि से बी.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम का संचालन।
- यू.जी.सी. एवं मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त धनराशि का समुचित सद्प्रयोग एवं समय–सीमान्तर्गत उपयोगिता प्रमाण–पत्र प्रेषित करना।
- अद्यतन तक विश्वविद्यालय में कोई आडिट आपत्तियां न होना।
- विश्वविद्यालय परिसर में किसी प्रकार की हिंसा तथा रैगिंग का न होना।
- प्रवेश परीक्षा में डिजिटल मूल्यांकन पद्धति का प्रयोग किया जाना।
- भवन निर्माण विकास

प्रवेश, परीक्षा और मूल्यांकन

विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र संपूर्ण मध्य प्रदेश है, परन्तु 20 प्रतिशत अन्य प्रदेशों के अभ्यार्थियों हेतु प्रवेश मध्य प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित मार्गदर्शीय नियमों के अधीन लागू है।

स्नातक तथा परास्नातक पाठ्यक्रमों के सभी विषय समूह – वाणिज्य, कला, विज्ञान आदि में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा व साक्षात्कार प्रक्रिया संचालित की जाती है। प्रबंधन, कृषि, शिक्षा, अभियॉत्रिकी विषय में प्रवेश मध्य प्रदेश शासन/व्यावसायिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा संपादित होता है।

विश्वविद्यालय, सेमेस्टर पद्वति का अनुपालन करता है, जिसमें परीक्षा हेतु छात्रों की 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। परीक्षा एवं मूल्यांकन में 80 प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षा (ESE) तथा 20 प्रतिशत अंक आन्तरिक (क्विज/मिडटर्म परीक्षा/गृह कार्य) हेतु निर्धारित है। छात्रों को प्रत्येक सेमेस्टर व प्रत्येक विषय की परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का अवसर प्राप्त है। छात्रों को यह भी अवसर प्राप्त है कि वे अपनी स्वेच्छा से किसी प्रश्न पत्र की परीक्षा अन्य (आगे) सेमेस्टर में दे सकें।

शोध (Ph.D.) कर रहे छात्रों को प्रारंभिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो प्रश्नपत्रों शोध प्रविधि तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग को उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा, अनुशासन, परिसर साज–सज्जा, सुचिता एवं पारदर्शिता में मील का पत्थर स्थापित किया जो अन्य विश्वविद्यालयों के लिए नमूना है।

अध्ययन में कमजोर छात्रों के लिए लचीला क्रेडिट पद्वति इस बात का संकेत है कि शिक्षा में गुणवत्ता बनाये रखने के लिए विश्वविद्यालय निरन्तर परीक्षा तथा मूल्यांकन में नव पद्वतियों को अंगीकार करता है। छात्रों को यह सुविधा प्राप्त है कि वह निरन्तर अपने बैक पेपर को उत्तीर्ण कर सके और छात्र हित में लाभदायी योजनाओं को विश्वविद्यालय निरन्तर समावेश करता रहा है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को शिक्षण–प्रशिक्षण की समस्त सुविधायें यथा– प्रयोगशाला, वातानुकूलित कम्प्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, जी0 आई0 एस0 एवं रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला आधुनिक उपकरण युक्त कृषि प्रक्षेत्र तथा छात्रों को जिम, महिला सुविधा केन्द्र, योग केन्द्र आदि सुविधायें भी उपलब्ध हैं।

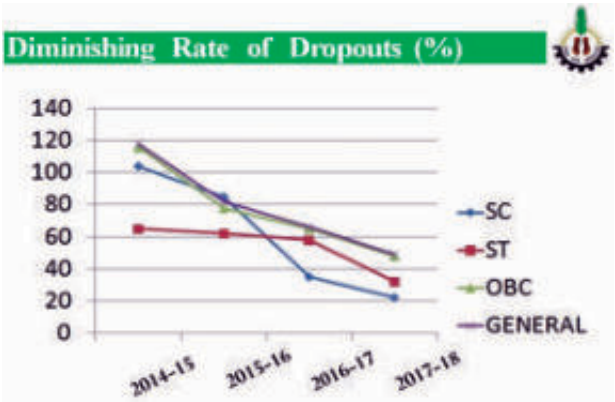

छात्रों के नामांकन में वृद्धि

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन में 8.25 प्रतिशत अनुपालन में वृद्वि हुई है, जो एक प्राकर से विश्वविद्यालय द्वारा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को संचालित किये जाने की सामाजिक स्वीकृति को दर्शाता है। विगत

वर्षो में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जिन वंचित समुदाय के छात्रों को अच्छे अवसर या मंच नहीं मिले हैं, ऐसे छात्रों के प्रवेश व अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय आकर्षण का केन्द्र बना है। परिणाम स्वरूप यहाँ के छात्रों को देश–विदेश में अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय गत वर्षो में छात्रों के ड्राप आउट (बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों) को रोकने में सफल रहा है।

अधोसंरचनागत विकास

1. संकाय/विभाग–भवन/संसाधन केन्द्र, व्याख्यान कक्ष, व्याख्यान सभागार, स्टॉफ कार्यालय, संगोष्ठी, सम्मेलन एवं कार्यशाला कक्ष व सभागार, समिति कक्ष, प्रयोगशालाएँ, जिम, कृषि प्रक्षेत्र आदि।
2. पुस्तकालय–केन्द्रीय पुस्तकालय, विशिष्ट एवं व्यावसायिक पुस्तकालय, संकायीय–विभागीय पुस्तकालय आदि।
3. विशिष्ट सुविधाएँ यथा– सूचना संचार प्रौद्योगिकी अधोसंरचना, (कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ एवं सेवाएँ, नेटवर्क, सम्बद्धता, मल्टीमीडिया सिस्टम, जनसम्बोधन उपकरण, स्लाइड एवं वीडियो प्रोजेक्टर) विशिष्ट प्रयोगशालाएँ, कांफ्रेसिंग–सुविधाएँ आदि। बोर्ड (इंट्रेक्टिव, मैग्नेटिक, स्क्रीन एवं चॉक) एवं स्टूडियो आदि।
4. राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) में प्रभावी संवर्द्धन के साथ ही साथ सूचना संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन में उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में संवर्द्धन।
5. सुरम्य एवं नैसर्गिक परिसर।
6. उच्च तकनीकि सम्पन्न अकादमिक पर्यावरण निर्मिति।

केन्द्रीय सुविधाएँ और विश्वविद्यालयीन संसाधन

• जी.आई.एस. और रिमोट सेंसिंग	• कम्प्यूटर सेंटर	• प्रोडक्शन और डिमांस्ट्रेशन फार्म
• टेक्नालॉजी रिसोर्स सेंटर	• कार्यशाला	• रसशाला
• संसाधन युक्त खेल परिसर	• जिम्नेजियम	• ई–पुस्तकालय
• वाई–फाई कैम्पस	• खुला सभागार	• यातायात सुविधा (3 बसें)
• ई–रिसोर्स सेन्टर फार वर्चुअल टीचिंग	• इलैक्टिकल ऑटो–रिक्शा	• उत्तर पुस्तिकाओं की बार कोडिंग

विशिष्ट अनुप्रयोग एवं उपलब्धियां

- विविध विशिष्टीकृत क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की बहुविषयी विशेषता
- सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत अधोसंरचना
- सूचना संचार प्रौद्योगिकी युक्त अधिगम विकास
- नैसर्गिक एवं सुरम्य पर्यावरण युक्त परिसर
- उत्तम उपकरणों युक्त प्रयोगशाला
- निर्णयों में छात्रों की सहभागिताा (क्रेडिट–सिस्टेम–सब–कमेटी)
- चयन आधारित क्रेडिट पद्धति
- सेमेस्टर पद्धति
- गुरु प्रद्धति
- 'मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व' अनिवार्य पाठ्यक्रम में छात्रों की सहभागिता
- यू.जी.सी. इनफोनेट के माध्यम से आनलाइन 4500 शोधपत्रों की उपलब्धता
- सुदूर संवेदन और जी.आई.एस. आधारित सूक्ष्म योजना
- सरकार द्वारा प्रयोजित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन
- सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम और परियोजनाओं को लागू करने की क्षमता
- सर्विलांसयुक्त परिसर
- बायोमीट्रिक उपस्थिति
- छात्र परिषद्

दूरस्थ शिक्षण–नवीन अनुप्रयोग

वृहद् अनुसंधान–आयाम

- स्थानीय स्वशासन
- कमजोर वर्ग के लिए मानव न्याय एवं विकास
- आजीविका हेतु कृषि एवं पशुपालन
- मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन
- सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. आधारित योजना
- ग्राम विकास व सूचना प्रौद्योगिकी
- पुनर्वास आधारित ऊर्जा, स्वच्छता व भवन–निर्माण
- लोक शिक्षा हेतु अभिनव योजना
- ग्रामीण समुदाय की सामाजिक–आर्थिक समस्याएँ
- सतत् विकास का प्रभावी प्रादर्श

- इको फ्रेंडली हरित परिसर
- बायोमीट्रिक्स उपस्थिति
- प्रार्थना सभा
- एड ऑन पाठ्यक्रम

नवोन्वेशित शैक्षणिक आयाम

- कौशल शिक्षण
- 'मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व' पाठ्यक्रम
- गणवेश
- परिसर में ऊर्जा की बचत
- गुटका–तम्बाकू मुक्त परिसर
- स्थानीय जीव एवं पादपों का अभिलेखीकरण
- परिसर में पौधरोपण
- योग प्रशिक्षण
- श्रमदान
- परिसर में इलेक्ट्रानिक सर्विलांस
- आपत्ति विहीन लेखा संपरीक्षण

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम

क्र.	वर्ग	पाठ्यक्रम
1.	शोध डिग्री–1	पी–एच.डी.
2.	शोध डिग्री–1	एम.फिल.
3.	परास्नातक कला परम्परागत	एम.ए. (समाजशास्त्र, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति–विज्ञान, दर्शनशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, एप्लाइड मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, ड्राइंग एवं पेन्टिंग
4.	परास्नातक कला व्यवसायिक	एम.एस.डब्ल्यू., एम.जे.एम.सी., एम.लिब.आई.एस–सी., एम.एफ.ए.
5.	स्नातक कला परम्परागत	बी.ए., बी.ए.(योग), बी.म्यूज.
6.	स्नातक कला व्यवसायिक	बी.एफ.ए., बी.जे.एम.सी., बी.लिब.आई.एस–सी., बी.एस.डब्ल्यू.
7.	परास्नातक कृषि	एम.एस–सी. (कृषि), हार्टिकल्चर (वेजेटबल साइंस), एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर एक्सटेंसन, एग्रोनॉमी, सॉयल साइंस, जेनेटिक्स एण्ड प्लान्ट ब्रीडिंग, लाइव स्टॉक प्रोडक्सन एण्ड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चर बायोकेमेस्ट्री)
8.	स्नातक कृषि	बी.एस–सी. (होम साइंस)
9.	परास्नातक प्रबन्धन	एम.कॉम, एम.ए.(ग्रामीण विकास)
10.	स्नातक प्रबन्धन	बी.कॉम.

		बी.बी.ए.
11.	परास्नातक विज्ञान परम्परागत	एम.एस–सी. (मैथ, बॉटनी, जुलोजी, अप्लाइड फिजिक्स)
12.	परास्नातक विज्ञान व्यवसायिक	एम.एस–सी. (विल्ड लाइफ, फारेस्ट्री, बायोइनफामरमेटिक्स, जियोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, इनफारमेशन टेक्नोलॉजी, रिमोट सेसिंग एण्ड जीआईएस, कम्प्यूटर साइंस, जियो–इन्फोरमेटिक्स
13.	स्नातक विज्ञान परम्परागत	एम.एस–सी. (इनवायरमेंट साइंस, बायोकेमेस्ट्री, इण्डस्ट्रियल केमेस्ट्री
14	स्नातक विज्ञान व्यवसायिक	बी.एस–सी. (मैथ, कम्प्यूटर साइंस, बायो, जियो)
15	अन्य पाठ्यक्रम	बी.एस–सी. (इनफारमेशन टेक्नोलॉजी), बी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., डी.सी.ए., डी. फार्मा (आयुर्वेद)
16	व्यापम कोर्स	एम.बी.ए., बी.टेक, बी.एस–सी. (कृषि), एम.एड., बी.एड., बी.एल.एड.

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय की सात विधाओं में बी.वोक. तथा एम.वोक. में पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। यद्यपि विश्वविद्यालय पूर्व से ही परियोजना निर्माण तथा पाठ्यक्रम–संरचना में नवाचार तथा स्वरोजगार एवं युवाओं के रोजगार व विकास को मूल में रखा है।

- ग्रामोदय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के विविध आयामों में विशेषतकर ग्रामीण विकास से सम्बन्धित एक अनोखा विश्वविद्यालय है जिसमें कृषि विज्ञान, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, कम्प्यूटर इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी, आयुर्वेद, समाज विज्ञान, पत्रकारिता, नैतिक शिक्षा, योग, संगीत तथा विज्ञान के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है।
- विश्वविद्यालय में लगभग 4528 विद्यार्थी विविध पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् हैं। परास्नातक पाठ्यक्रम में 1200 तथा लगभग 545 शोध छात्र के विद्यार्थी हैं इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा, सामुदायिक शिक्षा योजना, मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के शैक्षणिक कार्यों में लगभग 33235 विद्यार्थी जिलों में पंजीकृत हैं। ग्रामीण विकास की ज्वलंत समस्याओं व चुनौतियों के विषयों पर विश्वविद्यालय अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है।
- विश्वविद्यालय आधुनिक सूचना संचार के प्रौद्योगिकी के उपकरणों का अनुप्रयोग शिक्षण कार्य में कर रहा है। यथा स्मार्ट क्लास रूम का निर्माण।
- मध्यप्रदेश के पिछड़े व सुदूर जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के अध्यापन हेतु वर्चुअल क्लासेज का आयोजन किया जा रहा है।
- ग्रामीणजनों में रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छता व वैज्ञानिक जागरुकता लाने हेतु विश्वविद्यालय प्रयत्नशील है।
- विश्वविद्यालय में UGC/ICAR/AICTE/NCTE के प्रादर्श पाठ्यक्रम के आधार पर एक बहुस्तरीय प्रक्रिया द्वारा पाठ्यक्रमों का निर्माण व क्रियान्वयन किया जाता है तथा पाठ्यक्रम निर्माण में विशेष ध्यान दिया जाता है कि नवाचार, रोजगार उन्मुखता व शोध सम्बंधी कार्य प्रशस्त हो सके।
- विश्वविद्यालय में रुचि आधारित क्रेडिट व्यवस्था प्रचलित है, जो छात्रों को विभिन्न वैकल्पिक विषयों में से पसंदीदा विषय चयनित कर इनकी दक्षता बढ़ाने का अवसर प्रदानकरता है।

- छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से प्रत्येक विधा (कोर्स) के पाठ्यक्रम में 'मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व' (Values and Social Responsibilities) को अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।
- विश्वविद्यालय में वर्ष 1998 से ही पी–एच.डी. कोर्स वर्क को अंगीकृत किया गया है और इस दृष्टि से यू.जी.सी. द्वारा लागू कोर्स वर्क के क्षेत्र में ग्रामोदय विश्वविद्यालय अग्रगण्य है।
- मूल्यांकन में 50 प्रतिशत बाह्य मूल्यांकन।
- नव प्रवेशित छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों की जानकारी के साथ–साथ वरिष्ठ छात्रों से परिचय भी हो जाता है।
- विद्यार्थियों के वंचित समूह के प्रति विश्वविद्यालय विशेष ध्यान देता है और समय–समय पर प्रवेश से पाठ्यक्रम पूर्ण होने तक परामर्श देता है।
- छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा वित्तीय सहायता, विशिष्ट कक्षाएँ, राष्ट्रीय प्राध्यापक पात्रता परीक्षा, कनिष्ठ अध्येतावृत्ति, राज्य प्राध्यापक पात्रता परीक्षा, अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं हेतु विशिष्ट कक्षाओं के आयोजन के साथ ही वंचित छात्र समूह के सहायता हेतु सुविधा उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त रेमिडियल इंग्लिश, कम्प्यूटर अनुप्रयोग प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। छात्रों को शैक्षणिक व कैरियर–परामर्श प्रदान करता है।
- शारीरिक शिक्षा, खेल एवं क्रीडा की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।
- संकाय के सभी विभागों में प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध है।
- विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों के लिए गणवेश अनिवार्य है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को रुपये 400/– (प्रति विद्यार्थी) में गणवेश प्रदान करने की व्यवस्था दी गई है।
- शैक्षणिक गतिविधियों एवं पाठ्यक्रम विकास में छात्रों की सहभागिताा हेतु छात्र पंचायत का गठन किया जाता है।
- विद्यार्थियों को ग्रामीण समस्याओं से पूर्ण परिचय कराने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम प्रवास कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के विस्तार कार्यक्रमों में छात्र सहभागी होते हैं।
- रैगिंग विहीन विश्वविद्यालय परिसर
- विश्वविद्यालय उत्तोलक (Leverage) तकनीकि सूचना संचार प्रौद्योगिकी सीखने व अनुभव प्राप्त करने को आकर्षण का केन्द्र है।
- विश्वविद्यालय में आधुनिक तकनीकि एवं संसाधनों से सुसज्जित पुस्तकालय सुविधा की उपलब्धता है।
- प्रशासनिक खण्ड विद्यार्थियों को उनके समग्र विकास हेतु आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराता है साथ ही सभी विभाग विद्वानों, विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों से सीधा संवाद करने का अवसर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराता है।

- कम्प्यूटर एवं प्रयोगशालाएँ केन्द्रीय सुविधा के रूप में उपलब्ध है जो प्रत्येक विद्यार्थी के अनुसंधान कार्य में इंटरनेट के प्रयोग हेतु उपलब्ध है।
- ख्याति प्राप्त संस्थानों, शैक्षणिक औद्योगिक इकाइयों के साथ विश्वविद्यालय की साझेदारी है। शिक्षण, मूल्यांकन तथा अन्य अकादमिक प्रभावशीलता को ज्ञात करने हेतु फीड बैक पद्धति का अनुप्रयोग किया जाता है।
- परीक्षा विभाग का प्रमुख परीक्षा नियंत्रक है जिसे उपकुलसचिव परीक्षा सहयोग प्रदान करते हैं। शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का नियंत्रण कुलपति द्वारा किया जाता है।
- विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली को पूर्ण पारदर्शी एवं त्रुटिविहीन बनाने के लिए अनेक पद्धतियों के अनुप्रयोग की व्यवस्था है।
- प्रवेश परीक्षा में मूल्यांकन डिजिटल प्रणाली से किया जाता है जिससे त्रुटि की सम्भावना नगण्य है।
- विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद् के अनुरूप आई.क्यू.ए.सी. का गठन किया गया है।
- विश्वविद्यालय शत्–प्रतिशत सर्विलांस सुविधा से युक्त है।
- विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के अनुक्रम में राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर गणमान्य, बुद्धिजीवी शासन, प्रशासन के प्रतिनिधि एवं नेताओं का आवागमन वर्ष पर्यन्त बना रहा। इसी अनुक्रम में श्री जयभान सिंह पवैया, उच्च शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हो रहे विभिन्न अनुप्रयोगों का अवलोकन किया गया।

छात्रों की जानकारी (नवप्रवेशित छात्रसंख्या 2017–18)

ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	महिला	पुरूष	कुल छात्र संख्या
1.	बी.काम	प्रथम	17	46	63
2.	बी.बी.ए.	प्रथम	07	15	22
3.	एम.काम.	प्रथम	01	08	09
4.	एम.बी.ए.(ए.बी.एम.)	प्रथम	01	04	05
5.	एम.ए.आर.डी.	प्रथम	00	00	00
6.	एम.टी.एम.	प्रथम	00	00	00
7.	एम.बी.ए.(आर.एम.)	प्रथम	–	10	10

कला संकाय

क.	पाठ्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	महिला	पुरूष	कुल छात्र संख्या
1.	बी.एड.	प्रथम	50	14	64
2.	बी.एल.एड	प्रथम	06	06	12
3.	बी.लिब (आई.एस.सी.)	प्रथम	03	06	09
4.	एम.लिब (आई.एस.सी.)	प्रथम	01	03	04
5.	वी.एफ.ए.	प्रथम	13	18	31
6.	एम.एफ.ए.	प्रथम	0	13	13
7.	वी.म्यूजिक	प्रथम	01	06	07
8.	एम.म्यूजिक	प्रथम	0	01	01

विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय

क.	पाठ्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	महिला	पुरूष	कुल छात्र संख्या
1.	B.Sc. (Bio)	Ist	51	36	87
2.	B.Sc. (Math)	Ist	21	33	54
3.	B.Sc. (Geo)	Ist	07	26	33
4.	B.Sc. (C.S)	Ist	07	21	28
5.	B.Sc. (I.T)	Ist	05	04	09
6.	B.C.A.	Ist	04	22	26
7.	D.C.A.	Ist	05	16	21
8.	P.G.D.C.A.	Ist	02	18	20
9.	M.Sc. (Chemisty)	Ist	02	02	04
10	M.Sc. (I.C.)	Ist	00	15	स5
11.	M.Sc. (Physics)	Ist	01	00	01
12.	M.Sc. (I.T.)	Ist	00	00	00
13.	M.Sc. (Math)	Ist	02	00	02
14.	M.Sc. (R.S. & G.I.S.)	Ist	02	17	19
15.	M.Sc. (Statistics)	Ist	00	00	00
16.	M.Sc. (Applied Geology)	Ist	00	00	00
17.	M.Sc. (Botany)	Ist	04	02	06
18.	M.Sc. (Zoology)	Ist	08	02	10
19.	M.Sc. (Envoronment)	Ist	04	10	14
20.	M.Sc. (Bio-Technology)	Ist	00	00	00
21.	M.Sc . (Bio-Chemistry)	Ist	00	00	00

कृषि संकाय

क.	पाठ्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	महिला	पुरूष	कुल छात्र संख्या
1.	बी.एस.सी. (ए.जी.)	प्रथम	38	81	119
2.	बी.एस.सी. (होम सांइस)	प्रथम	14	0	14
3	एम.एस.सी. ए.जी. (एल.पी.एम.)	प्रथम	01	11	12
4	एम.एस.सी. ए.जी. (एक्स्टेन्सन)	प्रथम	05	12	17
5	एम.एस.सी. ए.जी. (इकानॉमिक्स)	प्रथम	0	11	11
6	एम.एस.सी. ए.जी. (स्वायल सांइस)	प्रथम	03	08	11
7	एम.एस.सी. ए.जी. (बायोकेमेस्ट्री)	प्रथम	02	10	12
8	एम.एस.सी. ए.जी. (एग्रोनामी)	प्रथम	05	07	12
9	एम.एस.सी. ए.जी. (हार्टीकल्चर)	प्रथम	04	08	12
10.	एम.एस.सी. ए.जी. (जी.पी.वी.)	प्रथम	03	08	11

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय

क.	पाठ्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	महिला	पुरूष	कुल छात्र संख्या
1.	बी.टेक. (ए.जी.)	प्रथम	08	49	57
2.	बी.टेक. (सिविल)	प्रथम	01	18	19
3.	बी.टेक. (आई.टी.)	प्रथम	03	06	09
4.	बी.टेक. (एफ.टी.)	प्रथम	08	14	22
5.	एम.वोक. (आर.एम.आई.टी)	प्रथम	01	04	05
6	बी.वोक. (आर.ई.टी.एम)	प्रथम	00	03	03
7.	बी.वोक. (ए.ओ.एम)	प्रथम	10	37	47
8.	बी.वोक. (आर.एम.आई.टी)	प्रथम	03	06	09
9	बी.वोक. (एफ.पी.टी)	प्रथम	05	26	31
10.	बी.टेक. (सिविल) लैटरल इन्ट्री	तृतीय सेमेस्टर	00	02	02
11.	बी.टेक. (आई.टी.)	तृतीय सेमेस्टर	02	00	02

स्वर्ण पदक उपाधि धारक

SL. NO.	NAME OF COURSES	NAME OF TOPPER CANDIDATE	SEX	ROLL NO.	TGP OVERALL	OGPA
FACULTY OF AGRICULTURE						
1	B.SC.(AG.)	SHALINI MISHRA	F	134249	1443.20	8.294
2	B.SC.(HOME SC.)	YOGITA SINGH	F	144130	1032.20	8.674
3	M.SC. AG. (VEG. SC.)	SHRIYA RAI	F	150410	328.30	8.873
4	M.SC. AG. (EXT.)	DURGESH KUMAR GHORSE	M	150104	319.50	7.988
5	M.SC. AG. (LPM)	DILEEP KUMAR SHRIVASTAVA	M	150903	284.90	7.914
6	M.SC. AG. (AGRIL ECONOMICS)	ARADHANA SINGH RAJPOOT	F	150801	367.60	9.190
FACULTY OF ARTS						
1	B.ED.	ARADHANA PANDEY	F	1057470	1415	80.86%
2	B.LIB.I.SC.	ANUPAM SHUKLA	M	115639	269.8	7.494
3	M.LIB.I.SC.	ASHISH KUMAR ASHUKLA	M	112241	250.8	7.166
4	B.J.M.C.	TARUNENDRA KUMAR CHATURVEDI	M	95830	286.2	7.532
5	B.A	DINESH KUMAR	M	116258	1180.2	7.974
6	M.A(SANS. LIT.)	DIVYA	F	66008	608.8	8.953
7	M.A(HISTORY)	MITHLESH KUMARI	F	67008	575.4	8.220
8	B.P.E	AWADHESH KUMAR	M	64088	1334.3	7.252
9	M.S.W	NEHA CHAURASIA	F	111956	599.7	7.496
10	B.F.A	RAJU KUSHWAHA	M	106164	1013.1	7.449
11	M.F.A	SHASHIKANT SINGH	M	101956	620.8	8.274
FACULTY OF SCIENCE & ENVT.						
1	B.SC.(BIO)	VAISHNAVI GUPTA	F	147063	986.00	7.952
2	B.SC(.GEO)	SHIVAM	M	147154	895.30	7.220
3	B.SC.(CS)	MANJU MISHRA	F	146924	1070.90	8.636
4	B.SC.(MATHS)	NANDANI JHOSHI	F	146833	941.30	7.591
5	B.SC.(BCA)	NEHA GUPTA	F	147308	938.30	7.447
6	B.SC.(IT)	ASMITA SINGH	F	147206	1093.20	7.809
7	M.SC.(PHYSICS)	SANGEETA KARWARIYA	F	151508	635.70	7.752
8	M.SC.(ZOOLOGY)	DIJITA TRIPATHI	F	157803	663.10	8.501
9	M.SC.(APPLIED GEO)	DURGA TIWARI	F	153601	581.50	8.428
10	M.SC.(M ATHS)	HIMANSHU PANDEY	M	153203	589.10	8.926
11	M.SC.(RS&GIS)	SHIVAM GUPTA	M	152707	618.80	8.968
12	M.SC.(ENVT.SC.)	DHARAMRAJ SINGH	M	152805	518.50	8.230
13	M.SC.(IC)	VIPIN KUMAR TIWARI	M	153019	497.80	8.029
14	M.SC.(BOTANY)	MAYUR CHANDRANSHU MISHRA	M	153706	506.90	7.680
FACULTY OF ENGG. & TECH.						
1	B.TECH.(IT)	ANAMIKA SINGH	F	124503	2050.9	8.138
2	B.TECH.(FT)	ANIMESH SINGH SENGAR	M	124607	1922.4	7.847
3	B.TECH.(AG.ENGG.)	J. HIMANSHU RAO	M	124718	1946.6	8.283
4	B.TECH.(CARE)	DOORVA MISHRA	F	124819	1857.9	7.741
FACULTY OF RURAL DEVLOPMENT & BUSINESS MANAGEMENT						
1	B.B.A	RAVENDRA KOL	M	135140	881.8	6.889
2	B.COM.	PRINCE GUPTA	M	135326	1202.0	7.856
3	M.B.A(RM)	RAVI KUMAR TIWARI	M	151113	606.6	7.398
4	B.Voc.	RUDRAKSH MISHRA	M	145313	1512.3	8.264

प्रदत्त शोध उपाधियाँ

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
1	Ramesh Kumar Mishra	Animal Nutrition	Agriculture	05.07.2017	Effect of strategic supplementation and feed additives on production performance of buffalo
2	Gurjeet Kaur	Statistics	Science & Environment	07.07.2017	Migration models and their application for rural areas of district- Satna (M.P.)
3	Manoj Kumar Srivastava	Mathematics	Science & Environment	07.07.2017	A mathematical study of two phase pulmonary blood flow in lungs with special reference to the asthma
4	Akhilesh Mishra	Management	Rural Development & Business Management	07-07-2017	Financial analysis of small and medium enterprises
5	Anoop Kumar Singh	Education	Arts	14.07.2017	भारत में गॉधी दर्शन पर आधारित उच्च शिक्षा संस्थाओं की कार्य पद्धति का समालोचनात्मक अध्ययन
6	Akhilesh Kulhade	Agriculture Extension	Agriculture	14.07.2017	A study on organic farming technology practiced by the farmers of distirict Seoni (M.P.)
7	Shiv Singh Kirar	Agriculture (Extension)	Agriculture	14.07.2017	A comparative study on traditional and s r i methods of paddy cultivation in distirict Katni (M.P.)
8	Renu Devi	Social Work	Arts	14.07.2017	ग्रामीण महिलाओं में नशे की समस्या का अध्ययन
9	Lalji Yadav	Sociology	Arts	14.07.2017	ग्रामीण विकास में महिला ग्राम प्रधानों की भूमिका (चित्रकूट जनपद के विशेष संदर्भ में)
10	Atul Kumar Singh	Agriculture Extension)	Agriculture	14.07.2017	Entrepreneurial behaviour of dairy and non dairy farmers of district Rewa (M.P.): A Comparative study
11	Hind Mahasagar Singh	Horticulture.	Agriculture	14.07.2017	Studies on selection parameters and genetics divergence for vegetative and floral traits in Dahlia (Dahlia varibilis)
12	Sushil Kumar Singh	Education	Arts	28.07.2017	ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि,व्यावसायिक तनाव व उनके संस्थागत वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन
13	Rajesh Kumar Prajapati	Environmental Science	Science & Environment .	31.07.2017	Habitat characterisation at landscape level using geospatial technology with special emphasis on geobotanical studies at Panna National Park
14	Ravi Singh Chouhan	Agricultural Economics	Agriculture	31.07.2017	Estimation of marketed surplus and determinants of market arrivals of wheat in different regulated markets of Madhya Pradesh
15	Manas Gupta	Agricultural Economics	Agriculture	31.07.2017	Growth performance and stagnation in productivity of gram in different districts of Madhya Pradesh: An economic analysis
16	Kranti Kushwaha	Journalism & Mass Communication	Arts	31.07.2017	नारी सशक्तीकरण में प्रिंट मीडिया की भूमिका: एक समाकलनात्मक अध्ययन

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
17	Prachi Chaturvedi	Journalism & Mass Communication	Arts	31.07.2017	नानाजी देशमुख एक सम्प्रेषकः विवेचनात्मक अध्ययन
18	Hemant Kumar Niranjan	Agricultural Economics	Agriculture	04.08.2017	An economic analysis of total factor productivity of principal crops in Madhy Pradesh
19	Bhaskar Shukla	Agricultural Economics	Agriculture	04.08.2017	Profitability and resource use efficiency of the zero tillage technology on wheat in district Pratapgarh (U.P.) - An economic study
20	Uday Kumar Gupta	Management	Rural Development & Business Management	11.08.2017	Impact of globalization on higher education in indida: a study on restrospect & prospects
21	Anupama Chaurasia	Botany	Science & Environment	11.08.2017,	Ethnomedicinal flora of northern Bundelkhand region with special reference to Chitrakoot
22	Ruchita Tripathi	Biotechnology) .	Science & Environment	11.08.2017	Invesitgation of antimycotic Bioactivities of some medicinal plant extracts and metal complexes against human pathogenic fungi.
23	Aarti Kamal	Chemistry	Science & Environment	11.08.2017	Synthesis, characterization and biochemical studies of copper complexes
24	Nidhi Asthana	Environmental Science	Science & Environment	11.08.2017	Synthesis and characterization of polymer nano composite materials and their application in environmental friendly devices
25	Vandana Singh	Home Science	Agriculture	11.08.2017	पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के कुपोषण का अध्ययन
26	Pankaj Kumar Gautam	Chemistry	Science & Environment	11.08.2017	Chemical studies on algal source of bioenergy
27	Shekhar Singh Baghel	Soil Science)	Agriculture	25.08.2017	A study on the quality of vermicompost prepared by animal excreta and its effect on yield and quality of fodder oat
28	Rakesh Babu Sharma	Botany	Science & Environment	04.09.2017,	Studies on blight disease of linseed with its effect on oil quality and bio- chemical control
29	Ranjeeta Simon	Botany	Science & Environment	04.09.2017,	Studies on indour air pollution & helath hazards by traditional cooking stoves in certain villages of Banda distric (U.P.)
30	Nidhi Jain	Management	Rural Development & Business Management	07.09.2017	Role of higher education Institute in the development of human resources in M.P.
31	Madhu Singh Tomer	Rural Management	Rural Development & Business Management	09.09.2017,	स्वयं सहायता समूहों के प्रबन्धकीय संरचना तथा प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अध्ययनः चित्रकूट के सन्दर्भ में
32	Deep Narayan Tiwari	Management	Rural Development & Business Management	09.09.2017,	A study of corporate social responsibility practice by jaypee cement in Rewa region

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
33	Jag Prasad Ahirwar	Political Science	Arts	09.09.2017,	अस्पृश्यता निवारण के संवैधानिक प्रावधान तथा उनके क्रियान्वयन का अध्ययन (टीकमगढ़ जिले के विशेष सन्दर्भ में)
34	Sharawan Kumar Dixit	Environmental Science	Science & Environment	09.09.2017	Investigations on ground water quality and its impacts on human health of tehshil Karwi, district Chitrakoot (U.P.)
35	Neelam Bajpai	Mathematics	Science & Environment	21.09.2017	A mathematical study of two phase renal blood flow in kidny with special reference to kidney infection (urinary tract infection)
36	Kumud Dwivedi	Chemistry	Science & Environment	21.09.2017	Thermodynamic and physio-chemical studies of binary liquid systems
37	Pushpendra Singh Rajput	Remote Sensing &GIS	Science & Environment	06.10.2017	Assessment and management of water resources of Datia district Madhya Pradesh
38	Sameeksha	Home Science	Agriculture	13.10.2017	कानपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में कार्यरत महिला कर्मचारियों की व्यावसायिक एवं पारिवारिक समस्याओं पर एक अध्ययन
39	Abhishek Mishra	Hindi	Arts	12.10.2017	आधुनिक हिन्दी उपन्यास एवं हिन्दी सिनेमा में सामाजिक चेतना के तत्व : एक समीक्षात्मक अध्ययन
40	Manisha Singh	Hindi	Arts	13.10.2017	महादेवी वर्मा के समग्र साहित्य का अनुशीलन (स्त्री सशक्तीकरण के सन्दर्भ में)
41	Harish Chandra Rajak	Mathematics	Science & Environment	13.10.2017	A mathematical study of two phase renal blood flow in kidny with special reference to diabetes
42	Surabhi Jain	Agricultural Statistic	Science & Environment	16.10.2017	Some models for out–migration from rural areas and its impact on fertilit
43	Alpi Singh	yoga	Arts	27.10.17	पांतजल एवं आयंगर योग में योग साधना पद्धतिः एक तुलनात्मक अध्ययन
44	Rajni Prabha	yoga	Arts	27.10.17	महर्षि पतंजलि एवं स्वामी रामतीर्थ के चिंतन में समग्र स्वास्थ्य की संकल्पनाः एक समीक्षात्मक अध्ययन
45	Abha Tiwari	Agriculture Extension	Agriculture	27.10.17	A study on adoption behavior of pea growers in district Jabalpur, M.P.
46	Chandra Kanti Singh	Biochemistry	Science & Environment	27.10.17	Studies on the effect of sulphur application on yield and biochemicalcomposition of Indian mustard
47	Sant Kumar Sharma	Horticulture	Agriculture	02.11.2017	Effect of different levels of nitrogen and sulphur on growth, yield and storage of onion (*Allium cepa* **L.**) in black soils of Chhindwara district of Madhya Pradesh
48	Achal Kumar Singh	Environmental Science	Science & Environment	02.11.2017	A study of geo-chemistry of sediment in relation to ecology of common macrophytes of river Ganga in down stream of Varanasi to Ballia
49	Rajesh Kumar Shukla	Chemistry	Science & Environment	02.11.2017	Monitoring of water and sediment of river Mandakini in Chitrakoot stretch with respect to heavy metals
50	Kajal Gupta	Hindi	Arts	02.11.2017	हिन्दी व्यंग्य परम्परा में रवीन्द्रनाथ त्यागी का योगदान
51	Suresh Kumar Patel	Hindi	Arts	02.11.2017	हिन्दी भाषा के विकास में जनसंचार के साधनों की भूमिका एवं प्रभावः एक अनुशीलन (इलेक्टॅनिक मीडिया के विशेष संदर्भ में)

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
52	Sunil	Chemistry	Science & Environment	22.11.200]17	Estimation of thermodynamic and transport properties of liquid system using sonic velocity and density data
53	Manoj Kumar Richhariya	History	Arts	22.11.2017	प्रतीहार शासकों का कला के क्षेत्र में योगदान (हिन्दू मंदिरों एवं मूर्तियों के विशेष संदर्भ में)
54	RamBabu	History	Arts	22.11.2017	प्राचीन भारतीय मूर्तिकला में निरूपित रूप श्रृंगार (200—100 ई. पू.से 1000 ई. तक)
55	Uma Shankar Mishra	Mathematics	Science & Environment	22.11.2017	A mathematical study of two phase hepatic blood flow with special reference to hepatits C
56	Om Shankar Gupta	Journalism & Mass Communication	Arts	30.11.2017	समाचार पत्रिकाओं का अन्तर्वस्तु विश्लेषण
57	Suresh Kumar Ahirwar	Agronomy	Agriculture	08.12.17	A study on productivity of ashwagandha (*Withania somnifera* **L.**] under different inter- cropping system
58	Amit Kumar Mishra	Hindi	Arts	08.12.17	श्री रामचरितमानस की वैदिकता
59	Lavkush Kumar Patel	Remote Sensing & GIS	Science & Environment	08.12.17	Geospatial modeling for sustanable management of natural resource of banda district of bundelkhand region in Uttar Pradesh
60	Mudita Gupta	Management	Rural Development & Business Management	09.12.2017	Impact of globalization on psus with special reference to BHEL, Jhansi (U.P)
61	Jitendra Singh Gurjar	Horticulture	Agriculture	09.12.2017	Studies on the effect of planting methods, ogranic nutrient sources and bio-fertilizers on kharif onion (*allium cepa* **L.**) in Gwalior area of Madhya Pradesh
62	Alpana Gupta	Chemistry	Science & Environment	22.12.2017	Adsorption studies on bisolute system: management of lead and cadmium
63	Khushyal Sahare	Agricultural Extension	Agriculture	27.12.2017	Impact of need based trainings conducted by krishi vigyan kendras of Shahadol division (M.P.)
64	Divya Mishra	Mathematics	Science & Environment	27.12.2017,	Some results on fuzzy anti 2- linear operators and fuzzy anti2- linear functionals on fuzzy anti 2- normed linear spaces
65	Ghanshyam Lal	Mathematics	Science & Environment	27.12.2017,	Some results on fuzzy 2- linear operators and fuzzy 2- linear functionals on fuzzy 2- normed linear spaces
66	Umesh Kumar	Journalism & Mass Communication	Arts	30.12.2017	ग्रामीण विकास पत्रिकाओं का अन्तर्वस्तु विश्लेषण
67	Diwakar Yadav	Fine Arts	Arts	09.01.2018	आधुनिक विज्ञापन कला में लोक संस्कृति का प्रभाव– एक अध्ययन
68	Vibha dixit	Sociology	Arts	13.01.2018	ग्रामीण महिलाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रमों के प्रति जागरुकता का अध्ययन(इलाहाबाद जिले के विशेष सन्दर्भ में)
69	Mithilesh Kumar Pandey	Management	Rural Development & Business Management	13.01.2018	Problem and prospects of dairy products marketing : a comparative study between Allahabad and Pratapgarh districts

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
70	Mayur Awasthi	Biotechnology	Science & Environment	19.01.2018	Genetic diversity of linseed varieties using microsatellites indentified through comparative genome analysis of legumes
71	Sunita Mishra	Mathematics	Science & Environment	01-02-2018	A mathematical study of two phase coronary blood flow with special reference to angina
72	Arti Tripathi	Mathematics	Science & Environment	01-02-2018	A mathematical study of two phased blood flow with special reference to emphysema due to smoking
73	Vandana Pandey	Political Science	Arts	01.02.2018	भारत में गठबन्धन सरकारः एक अध्ययन
74	Safoora Khan	Botany	Science & Environment	13.02.2018	Study on some edible wild platns of chitrakootdham mandal with special reference to their nutritive values
75	Roshni Tiwari	Agricultural Statistics	Science & Environment	13.02.2018	Construction of some incomplete block designs
76	Kamlesh Kumar Patel	Management.	Rural Development & Business Management	26 -02-2018	Role of non-conventional energy development agency (NEDA) in rural development : a study on contrast, constraints, and canvas
77	Netrapal Singh	Social Work	Arts	26.02.2018	जनपद भिण्ड के असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले बाल श्रमिकों का समाज वैज्ञानिक अध्ययन
78	Jitendra Singh Rajput	Mathematics	Science & Environment	26.02.2018	A study of heat transfer effects on flow of incompressible fluids
79	Sadhana Singh	Commerce	Rural Development & Business Management	13.03.2018,	Performance appraisal of non banking financial services in strengthening Indian financial system
80	Girish Kumar Pandey	Rural Development	Rural Development & Business Management	13.03.2018,	ग्राम पंचायत प्रबन्धनः अवरोधों एवं विसंगतियों का एक वैज्ञानिक अध्ययन (मझगवॉ विकास खण्ड के विशेष सन्दर्भ में)
81	Virendra Singh	Yoga	Arts	22.03.2018	पांतजलि योग सूत्र एवं योग वाशिष्ठ में सामाजिक स्वास्थ्य की व्यावहारिक उपादेयता का समीक्षात्मक अध्ययन
82	Pradeep Kumar Mishra	Management	Rural Development & Business Management	31.03.2018	A study of rural consumer buying behaviour on fast moving consumer goods
83	Jyoti Gupta	Rural Development	Rural Development & Business Management	02.04.2018	ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में कृषि–प्रसंस्करण आधारित उद्योगों की भूमिका,समस्याओं, सम्भावनाओं एवं संरचित नव्य–व्यूह का आलोचनात्मक अध्ययन
84	Anjali Sahu	Home Science	Agriculture	02.04.2018	Ymact analysis of mid-day meal scheme in district Sant Ravidas Nagar (U.P.)
85	Pallavi Lohani	Music	Arts	12.04.2018	कोल जनजाति के लोक नृत्यों का शास्त्रीय आधारः एक समीक्षात्मक अध्ययन (चित्रकूट के विशेष संदर्भ में)
86	Anamika Upadhyay	Sociology	Arts	13.04.2018	जलाऊ लकड़ी से जीविकोपार्जन करने वाली महिलाओं का सामाजिक आर्थिक अध्ययन (चित्रकूट के विशेष सन्दर्भ में)
87	Vipin Panday	Library & Information Science	Arts	19.04.18	Knowledge management approaches in managing agricultural indigenous and exogenous knowledge in bundelkhand region

S.R.	Name of Students	Subject	Faculty Name	Date of Award	Topic
88	Nand Lal Yadav	Education	Arts	25.04.2018	विवाहित एवं अविवाहित छात्राध्यापकों के शिक्षण विषयों के परिप्रेक्ष्य में संवेगात्मक बुद्धि, समायोजना तथा मूल्यों का अध्ययनण
89	Srachna Sachdeva	Journalism & Mass Communication)	Arts	25-04-2018	A Study of Internet Media and Social Change (With special reference to rural youth)
90	Narendra Kumar Kirar	Chemistry	Science & Environment	02.05.2018	In-situ polymerization of vinyi monomers in calcium alginate beads to enhance their stability for drug delivery applications
91	Nidhi Mishra	Computer Science & Engineering	Engineering & Technology	03-05-2018	Median edge detection based reversible watermarking technique for authentication and recovery in medical images
92	Hemlata Bastani	Management	Rural Development & Business Management	03-05-2018	Impact of Stress on Job Performance Among Public and Private Sector Emplyees: A Comparative study
93	Rupali Chaurasia	Home Science	Agriculture	03-05-2018	Impact of telecommunication on rural livelihood in Kanpur District (U.P.)
94	Bhupendra Kumar Shukla	Mathematics	Science & Environment	17.05.2018	Study of Homogeneous Cosmological Models with varying A term
95	Vijay Singh	Social Work	Arts	23.05.18	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के प्रति जागरूकता एवं उसके प्रभावात्मकता का अध्ययन (जिला–चित्रकूट की ग्रामीण महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में)
96	Rudrajay Mishra	Ag. Extension	Agriculture	23.05.18	Impact of Agricultural modernization on Socio–economic conditions of farm women in District-Satna(M.P.)
97	Vintee Shukla	Education	Arts	28. 05. 18	A study of services available to the disable students and its impact on Rehabilitation
98	Santosh Kumar Singh	Remote Sensing & GIS	Science & Environment	28 . 05. 18	Geospatial analysis of degrading agriculture in jaunpur branch canal commond (JBS) Uttar Pradesh
99	Prakash Prapanna Tripathi	Political Science	Arts	28. 05. 18	प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यों का अध्ययन
100	Pushpa Dwivedi	Hindi	Arts	05. 06. 18	राष्ट्र कवि दिनकर के काव्य में ग्राम्य एवं राष्टन्नेय चिन्तन
101	Gopal Mohan Shukla	Library & Information Science	Arts	05. 06. 18	Public library system in Uttar Pradesh: a systematic approach for future development: a case study
102	Vijay Anand Sullare	Computer Science & Engineering	Engineering & Technology	11 .06.2018	Analysis and design of pattern's for performance evaluation of higher education system
103	Anand Pal Singh	Hindi	Arts	11 .06.2018	प्रेमाख्यानक महाकाव्य 'पदमावत' में सामाजिक एवं मानवीय सन्दर्भ रू एक विवेचनात्मक अध्ययन
104	Shashank Tripathi	Remote Sensing & GIS	Science & Environment	20 .06.2018	Groundwater assesment & modeling in lalitpur district; a part of bundelkhand region U.P. – an integrated approach
105	Vijai Krishna	Environmental Science	Science & Environment	21 .06.2018	A study on municipal solid waste of Allahabad City
106	Ravi Sundar Prajapati	Biochemistry	Science & Environment	21 .06.2018	Ethnoveterinary medicine among the tribal and rural communities of chitrakoot district Satna (M.P.)

कृषि संकाय

➢ विभाग

- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग
- सस्य विज्ञान विभाग
- तकनीकी हस्तांतरण विभाग

➢ परियोजना

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना

परियोजना राशि : रू. 1.75 करोड़

परियोजना समन्वक : डॉ. पावन सिरोठिया

➢ संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजना

प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम।'' पर दिनांक नवम्बर 2018, एन.एच.आर.डी.एफ. एवं कृषि संकाय, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय संगोष्ठी।

समन्वयक– डॉ डी.पी. राय।

➢ शोध–पत्र

SN	Title	Name of Journal	ISSN/ISBN No.
1.	R.P. Bain, D.P. Rai and Siddarth Nayak (2017) Role of Information and communication Technology (ICT) in Agriculture for Rural Development.	*Interaction* Vol. 23 No. 1pp 03-08.	ISSN-0735-4470.
2.	R.P. Bain, D.P. Rai and Siddarth Nayak (2017) An assessment of technological gap constraints and remedial measures .	Farmers preview Vol. 14 Issues 1,	ISSN-0976-5670.
3.	Rupali Chaurasiya and D. P. Rai, (2018) Assessment about the ugages of telecomunication for liveli hood strengthining.Vol.No. December, 2017	*Ind.J.Ext.Edu.* 7(6):18, 27-1832	ISSN-2349-7706, NAAS-5.38
4.	Mishra, SP (2018). Potential Use of Banana and Its By-products: A Review	*Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.*7(6):18 27-1832 .	ISSN-2319-7706. NAAS-5.38
5.	Mishra, SP (2018). Potential Use of Banana and Its By-products: A Review	*Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.*7(6):18, 27-1832 .	ISSN-2319-7706. NAAS-5.38
6.	Mishra, SP (2018). Physico-chemical and antinutritional studies of chickpea	*Jr. of Pharmacognosy & Phytochemistry,*7(1):685-689.	ISSN-2349-8234 NAAS-5.21
7.	Mishra, SP (2018). Genetic Variability, Heritability and genetic advance for Yield and its related Traits in mungbean (Vigna radiate (L) Wilczek) Genotypes	*Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.Special Issue*7:3818-3824 .	ISSN-2319-7706 NAAS-5.38
8.	Mishra, SP (2018). Temporal and spatial dynamics of Tomato leaf curl disease at Chitrakoot region in India	*Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry* SPL: 531-536.	ISSN-2349-8234 NAAS-5.21
9.	Mishra, SP (2018). Effect of Sulphur Application on the Morphological and protein Content of Chickpea (Cicer arietinum L) varieties Grown under Rainfed Condition	*Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.Special Issue*7:3818-3824.	ISSN-2319-7706 NAAS-5.38
10.	Mishra, SP (2018). Rhizospherical and Biochemical Changes in Zn Efficient and inefficient Wheat Cultivars Under Zn Stressed Conditions	*Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry,* PL: 531-536	ISSN-2349-8234 NAAS-5.21
11.	Mishra, SP (2017). Combining ability studies for specific metric traits of bottle gourd (Lagenaria siceraria (Molina) Standl.)	*New Agriculturist* 28 (2):337-343.	ISSN-0971-0647, NAAS-4.26
12.	Mishra, SP (2018). Sinergistic effect of N and Zn application in biofortifying Zn of efficient and inefficient group of wheat cultivars	*Current Advances in Agricultural Sciences*, 9(1):48-54 .	ISSN-0975-2315 NAAS-4.69
13.	Gupta, JK (2017). An economic analysis of local and exotic breeds of fish in Kabir Dham districts of Chhatisgarh.	*Trends of Bio-Science, 10 (22).*	ISSN-0974-8431
14.	Gupta, JK (2017). Estimation of total factor productivity growth of Maize production in Central India.	*Progressive Research, 14 (1)-6871.*	ISSN-0973-6417
15.	Gupta, JK (2017). Relationship between arrival and prices of wheat in different regulated markets of Madhya Pradesh.	*Progressive Research, 14 (1)-3337.*	ISSN-2454-6003
16.	Gupta, JK (2018). Integrated farming system : only way to increase farmer's income in sustainable manner.	*Jr. of Farmocognosy Fhyto Chemistry.*	ISSN-2278-4136
17.	Gupta, JK (2018). Analysis of resoruce use efficiency and constraints of mustard production in Bhind district Madhya Pradesh.	*Jr. of Farmocognosy Phyto Chemistry.*	ISSN-2278-4136
18.	Gupta, JK (2018). Benifit-cost analysis of onion producer in Sagar district of Madhya Pradesh	*International Jr. Current Microbiol. App. Sci., pp. 894-900.*	ISSN-2319-7706

➢ नियोजन (प्लेसमेंट)

छात्र/छात्रा का नाम	पद	संस्था/विभाग
संजय प्रकाश सिंह	सहायक प्राध्यापक	शेरे काश्मीर कृषि विश्वविद्यालय, जम्मू
दीपक राठी	एसोसिएट प्रोफेसर	जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
उल्लास पाठक	एसोसिएट प्रोफेसर	जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
गोविन्द गुप्ता	शाखा प्रबंधक	स्टेट बैंक ऑफ इंण्डिया
पारसनाथ झारिया	सहायक प्राध्यापक	सेज यूनिवर्सिटी, इन्दौर
दीपक साहू	एसोसिएट प्रोफेसर	इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
सैम्पी जैन	सहायक प्राध्यापक	ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना
नीतू सिंह गुर्जर	सहायक प्राध्यापक	रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय
प्रमोद जोशी	सहायक प्राध्यापक	एस.ए.जी.ई. विश्वविद्यालय, इन्दौर
अभिनेन्द्र सिंह पटेल	एरिया मैनेजेर	गोल्डेन सीड, सतना जोन
राहुल ओझा	सहायक प्राध्यापक	ए.टी.एम. विश्वविद्यालय, ग्वालियर
नेहा द्विवेदी	सहायक प्राध्यापक	जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
निवेश कुमार	ए.एफ.ओ.	सेन्ट्रल बैंक
विशाल श्रीवास्तव	क्षेत्रीय मैनेजर	इंडोलॉजी. टेक ग्रुप
अरूण श्रीवास्तव	क्षेत्रीय मैनेजर	नागार्जुन एग्रो केमिकल्स
अमित शुक्ल	क्षेत्रीय मैनेजर	अतुल लिमिटेड कानपुर
अल्का कटियार	एस.आर.एफ.	आई.आई.पी.आर. कानपुर
शिवराज परमार	ए.डी.ए.	कृषि विभाग, म.प्र. शासन
रजनी देशोरिया	ए.डी.ए.	कृषि विभाग, म.प्र. शासन
राजबीर यादव	टीम लीडर	वाटरशेड, म.प्र. शासन
सन्तोष योगी	इन्सपेक्टर	म.प्र. पुलिस
शिशिर पाल	बीटीएम/एटीएम	बिहार सरकार
अभय भदोरिया	बीटीएम/एटीएम	आत्मा
ईश्वर वाश्कले	ए.डी.ओ.	म.प्र. शासन
शैलजा सिंह	एएफडी	बैंक
सत्येन्द्र नायक	शाखा प्रबंधक	एच.डी.एफ.सी. बैंक
अर्जुन गूर्जर	मैनेजर	इफको, उज्जैन
पुनेन्द्र साहू	ए.डी.ओ.	राज्य कृषि विभाग
भास्कर शुक्ला	टी.ओ.	के.वी.के.
रवि सिंह चौहान	एसआरएफ	जे.एन.के.वी. जबलपुर

➢ पुस्तक / मैनुअल / चैप्टर

- Rai, Deo Prabhakar (2018). "Pragati", University Publication 2017.

➢ पी–एच.डी. उपाधि

- Awarded - 4 (Supervisor Rai, DP)
- Submitted - 3 (Supervisor Rai, DP)
- Awarded - 1 (Supervisor Gujar, CP)
- Submitted - 1 (Supervisor Sirothia, Pawan)
- Awarded - 2 (Supervisor Mishra, Umashankar)
- Submitted - 1 (Supervisor Mishra, Umashankar)

➢ कार्यशाला / संगोष्ठी में प्रस्तुति

SN	Name of teacher	Title of the Paper presented	Title of the Seminar /Conference	Organized by	Whether International /National /State /Regional /University Level
1.	Dr DP Rai	लहसुन प्याज में तकनीकि हस्तांतरण के नवीन अनुप्रयोग	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
2	Dr Pawan Sirothia	सब्जी उत्पादन में मृदा परीक्षण एवं संतुलित उर्वरक का महत्व	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
3	Dr Uma Shankar Mishra	जैविक माध्यम से सब्जी उत्पादन	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
4	Dr SP Mishra	मशरूम की खेती	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
5	Dr SS Singh	बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सब्जी उत्पादन	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
6	Dr YK Singh	सब्जी उत्पादकों के उन्नयन में कृषि प्रसाद का योगदान	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National
7	Dr HS Kushwaha	प्याज की उन्नत खेती	प्याज, लहसुन एवं आलू की खेती द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने के आयाम	MGCGV, Chitrakoot	National

➢ विभागीय उत्कृष्टता

- डॉ. डी.पी. राय द्वारा कुलपति के तकनीकी अधिकारी के दायित्व का निर्वहन.
- डॉ. जयंत गुप्ता द्वारा कुलसचिव के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. जयंत गुप्ता द्वारा उप कुलसचिव (प्रशासन) के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. पावन सिरोठिया द्वारा प्राक्टर के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. पावन सिरोठिया द्वारा किसानों के प्रपशिक्षण के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. उमेश शुक्ला द्वारा उन्नत भारत अभियान का संचालन.

➢ व्यक्तिगत उपलब्धियां

- डॉ. डी.पी राय (2018). ''सब्जी की खेती'' विषय पर व्याख्यान।
- डॉ. पावन सिरोठिया (2018). राष्ट्रीय संगोष्ठी में मृदा परीक्षण एवं उर्वरक प्रबंधन विषय पर व्याख्यान।
- डॉ. उमाशंकर मिश्रा (2018). राष्ट्रीय संगोष्ठी में केंचुआ की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान।

कृषि संकाय रजौला स्थित कृषि प्रक्षेत्र में कृषकों हेतु विभिन्न फसलों के प्रदर्शन का कार्य विगत वर्षो से करता रहा है। इस वर्ष भी कुछ ऐसी फसलों तथा खेती का सफल प्रदर्शन करने में सफलता प्राप्त की है जैसे कि लेटूस, ब्रोकली तथा शिमला मिर्च के उत्पादन की सूक्षतम तकनीकियों का प्रदर्शन किया गया।

चने की उज्ज्वला प्रजाति

भारतीय दलहन अनुसंधान कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में चने के विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन कृषि प्रक्षेत्र के साथ ही विभिन्न गांवों में किया गया क्योंकि उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत चयन किए गए ग्राम अमहा के किसानों द्वारा विगत वर्ष ही चने की ऐसी प्रजातियों को वितरित करने हेतु आग्रह किया गया था जिससे कि उकठा रोग की

व्यापक समस्या का निराकरण किया जा सके। फलस्वरूप चने की जे. जे. 66 तथा उज्ज्वला किस्म की प्रजाति के माध्यम से चने के उकठा रोग के निवारण का ठोस प्रयास किया गया है।

विश्वविद्यालय की परंपरा अनुसार प्रति वर्ष आयोजित होने वाले अर्न्तसंकायी स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन स्थापना दिवस के उपलक्ष में किया गया। वर्ष 2017–18 में प्रथम पुरस्कार कृषि संकाय को प्राप्त हुआ। कृषि संकाय द्वारा निरन्तर शिक्षा, अनुसंधान तथा प्रसार के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को कृषि परिसर की स्वच्छता के लिए सामूहिक छात्र सहभागिताा एक अनिवार्य पहल है। फलस्वरूप कृषि संकाय, विश्वविद्यालय में एक श्रेष्ठ परिसर के रूप में विकसित हो रहा है।

सतना-रीवा स्टार

संगोष्ठी: ग्रामोदय विवि में कृषि वैज्ञानिकों ने बताए लाभ बढ़ाने के गुर

सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित उत्पादन से बढ़ेगा किसानों का लाभ

सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित उत्पादन को दृष्टिगत रखते हुए कृषि संकाय द्वारा एन. एच. आर. डी. एफ. नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दो द्विवसीय राजकीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें 250 क्षेत्रीय किसानों ने सहभागिताा की तथा लहसुन, प्याज उत्पादन की तकनीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी के साथ ही दिल्ली से पधारे वैज्ञानिकों से विभिन्न कृषि संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरेश चन्द्र गौतम द्वारा किसानों को सब्जियों के मिनी किट का भी वितरण किया।

बागवानी को अपनाकर किसान कर सकते हैं आय दुगनी

जैसा कि विदित हो कि विगत वर्षो से यहाँ के किसान केवल परंपरागत कृषि पर विश्वास करते थे, जिसके फलस्वरूप खेती से उनकी आमदनी अत्यन्त अल्प हुआ करती थी। कृषि संकाय के प्रसार इकाई के प्रयासों से समीपस्थ गांव में विभिन्न फसलों के तकनीकी हस्तानांतरण के फलस्वरूप किसानों द्वारा उनके प्रयोग से दुगनी आय की संभावनायें प्रबल हुयी हैं। दो द्विवसीय राजकीय संगोष्ठी में बहुतायात संख्या में कृषकों की सहभागिताा इस बात की

पुष्टि भी करती है कि खेती एवं पशुपालन से जुड़े उनके प्रश्नों से जागरूकता स्तर एवं अभिप्रेरणा का प्रमाण मिलता है।

प्रत्येक वर्ष आत्मा इत्यादि परियोजना से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से निश्चित संख्या में किसानों का भ्रमण होता रहता है, जिसमें कृषि प्रक्षेत्र में फसल प्रदर्शन इत्यादि के माध्यम से कृषक लाभान्वित होते रहते हैं। इस वर्ष भी 34 किसानों के विभिन्न–विभिन्न समूहों द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि संकाय स्थित रजौला प्रक्षेत्र में भ्रमण कर विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया गया।

कृषि संकाय छात्रों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण हेतु उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्थाओं के अनुप्रयोगों से समसामयिक विषयवस्तुओं को प्रदान करता रहता है तथा आवश्यकतानुसार समय–समय पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर भारतीय कृषि–शिक्षा के अनुरूप पाठ्यक्रमों को अंगीकृत कर पठन–पाठन का कार्य सुनिश्चित करता है, जिससे प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर के कृषि प्रवेश एवं छात्रवृत्ति योजनाओं में छात्र सफल होते रहते हैं। विगत वर्षों से जे.आर.एफ. की सफलता दर में अभिवृद्धि भी हुई है। कृषि संकाय में रोजगार के प्रतिशत में भी अभिवृद्धि पाई गयी हैं। स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में प्रवेश पाते रहे हैं। गतवर्ष 47 छात्रों ने मध्यप्रदेश एवं भारत के अन्य विश्वविद्यालयों में प्रवेश में सफलता पाकर कृषि संकाय द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रमाणित किये हैं।

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा
प्रवेश, प्रारम्भ
प्रवेश सूचना

ADMISSION NOTICE 2018-19
Admission Notice 2018-2019
MAHATMA GANDHI CHITRAKOOT GRAMODAYA VISHWAVIDYALAYA, CHITRAKOOT, SATNA (M.P.)
NAAC- A Grade University
MGCGV, CHITRAKOOT, SATNA (M.P.)

ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय

➢ विभाग

- ग्रामीण विकास विभाग
- व्यवसाय प्रबंध विभाग

➢ परियोजना

(1) मुख्मंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वैचलर ऑफ सोशल वर्क का महिला एवं बाल विकास विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग से संचालित.

परियोजना राशि : रू. 10.00 करोड़ प्रतिवर्ष

परियोजना समन्वक : डॉ. अमरजीत सिंह

(2) मुख्मंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वैचलर ऑफ सोशल वर्क का महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए इ–लर्निंग सेंटर की स्थापना.

परियोजना राशि : रू. 4.53 करोड़.

समन्वक : डॉ. अमरजीत सिंह

(3) ''उन्नत भारत अभियान'' के अंतर्गत 5 गावों में ग्रामीण विकास कार्य.

परियोजना राशि : रू. 1.75 लाख.

परियोजना समन्वक : डॉ. देवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय.

➢ संगोष्ठी / वर्कशाप आयोजन

संगोष्ठी शीर्षक : उन्नत गांव : उन्नत भारत, दिनांक 18.05.2018

सहभागिता : 52

शोधपत्र संख्या : 13

➢ शोध–पत्र

SN	Title	Name of Journal	ISSN/ISBN No.
1.	Singh, Amarjeet (2017). "Importance of the Kautilya's Political Thought".	An International Peer Reviewed Refereed Journal Shodh Dristi, Vol. 8, No. 13.	
2.	Singh, Amarjeet (2017). "A Study of Voting Behaviour in Chitrakoot district".	An International Peer Reviewed Refereed Journal Shodh Dristi, Vol. 8, No. 13.	
3.	Mishra, NL (2017). "Relevance of Competency Map in Service Sectors".	International Journal of Technical Research and Science, Vol. 2, Issue 1.	-
4.	Mishra, NL (2017). "Adhyapak Shiksha Ke Liye Apnayi Jani Wali Adhunik Takniki Kaa Mulyo Par Prabhav".	An Reviewed Refereed Research Journal of Arts, Management and Social Sciences, Vol. XVI	-
5.	Mishra, NL (2017). "Vashvikaran Ke Daur Men Natik Shiksha Ke Dwara Mulyon Ka Vikash".	Shiksha Mitra, 9(4).	-
6.	Mishra, NL (2017). "Jain Avam Baudh Darshan Ke Shahityik Mulyon Avam Shiksha".	Research Journal of Social and Life Sciences, Vol. 12, No.13.	-
7.	Mishra, NL (2017). "Self Realization and Higher Education: A new hope".	An International Peer Reviewed Refereed Journal Shodh Dristi, Vol. 8, No. 13.	
8.	Mishra, NL (2018). "Crisis of Domestic Fuel in Chitrakoot Region and Future Prospects".	A monthly Journal of Multidisciplinary Research, Vol. 4, No. 8.	
9.	Pandey, DP (2017): "Values and Social Responsibilities in Transforming Higher Education"	University News	-
10.	पाण्डेय, डी.पी. (2018) ''नानाजी देशमुख : ग्रामीण विकास के पुरोधा'	तथ्य भारती, वर्ष 23, अंक 10, 2018	–
11.	Gujar, CP (2017). "An Exploratory Study on the Impact of Demography on the Customers Reasons of Preference for e-Banking"	Vivekanand Journal of Research	2319-8702 (print) 2456-7574 (online)
12.	Gujar, CP and Khare, Smita (2018). "Adolescencents : Major Consumer"	Research Discourse : An International Refereed Research Journal, No. XXVI, Jan-March 2018.	2277-2018
12.	Arsiya, SK (2018). "Role of Tourism Development in Indian Economy"	Multidisciplinary Research in Tourism and Development.	-
13	Parihar, VS (2018). "The Role of Supply and Demand Analysis in Substantiating the Companies Business Policies"	African Journal of Business Management, Vol. 5, Page 22	9180-9190 Sep.30, 18
14	Parihar, VS (2018). "Unorganized Sectors : Role of an Entrepreneur and Challenges in Self-Employment"	International Journal of Scientific and Research Publication, Vol. 2, Issue VI.	2250-3153

➢ नियोजन (प्लेसमेंट)

- 12 students of MBA (Rural Management) have been placed in Swasti Micro-Finance Company, Ahmedabad and HCL Foundation Lucknow.
- 08 student of MBA (Agri Business Management) have been placed in various agro-based organizations.
- 13 students of Master of Tourism Management placed in various agencies.
- 32 students of UG courses (B.Com., BBA and B.Voc.) have been placed in various organization/industries.

➢ पुस्तक / मैनुअल

- Singh, Amarjeet (2018). "Problems and Issues of Development", manual for CMCLD Programme.
- Singh, Amarjeet (2018). "Leadership Development", manual for CMCLD Programme.
- Singh, Amarjeet (2018). "Panchayatiraj in Madhya Pradesh", books for Higher Education, Madhya Pradesh.
- Singh, Amarjeet (2018). "Legal Literacy", manual for CMCLD Programme.
- Singh, Amarjeet (2018). "Admission Boucher", manual for CMCLD Programme.
- Gujar, CP (2018). "Project Management", manual for CMCLD Programme.
- Gujar, CP (2018). "Micro Finance and Entrepreneurship Development", manual for CMCLD Programme.
- Upadhyay, Brajesh Kumar (2018). "Fundamentals of Accounting", manual for CMCLD Programme.
- Pandey, DP (2017). "Management of Rural Development Projects", Pub. New Age International Publishers.
- मिश्रा, एन.एल. (2017). महिला सशक्तिकरण : दिशा एवं दशा, सम्पादित पुस्तक, डॉ. एस. अखिलेश एवं डॉ. संध्या शुक्ला.
- Mishra, NL and Bastani, H (2017). "Impact of Innovative HR Practices on Organization Efficiency", published in Global Business and Innovative Management.
- Mishra, NL (2017). "Secondary Methods of Social Work and Psychological Concept of Self Instructional Learning Materials for CMCLD Programme".

➢ पी–एच.डी. उपाधि

- Awarded - 4 (Supervisor Mishra, NL)
- Submitted - 5 (Supervisor Mishra, NL)
- Awarded - 1 (Supervisor Gujar, CP)
- Submitted - 2 (Supervisor Gujar, CP)
- Awarded - 2 (Supervisor Upadhyay, Brajesh)
- Submitted - nil (Supervisor Upadhyay, Brajesh)
- Awarded - 2 (Supervisor Parihar, VS)
- Submitted - 2 (Supervisor Parihar, VS)
- Awarded - 4 (Supervisor Singh, Amarjeet)
- Submitted - 4 (Supervisor Singh, Amarjeet)

➢ कार्यशाला /संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण

SN	Name of teacher	Title of the Paper presented	Title of the Seminar/Conference	Organized by	Whether International/National /State/Regional /University Level
1.	Gujar, CP	Challenges of Protection & Promotion of Human Rights in India	Protection and Promotion of Human Rights in India	MGCGV, Chitrakoot	National
2	Gujar, CP	Scope of Job Opportunity in Retail Sector	उच्च शिक्षा संस्थानों में कौशल एवं कौशल शिक्षा का समावेश	DDUKK, MGCGV, Chitrakoot	Regional
3	Gujar, CP	A study on the status and perception of cashless transaction in Rural India	Annual Journal Commerce Conference, Jaipur	The IIS University, Jaipur	National
4	Gujar, CP	Research Methods and Statistical Data Analysis	Research Methods and Statistical Data Analysis using Software : Microsoft Excell, SPSS and Arc Software	MGCGV, Chitrakoot	National
5	Upadhyay, Brajesh	The concept of cashless society in India : A study on the perception of people of Jabalpur	Cash to Cashless Economy : Challenges and Opportunity	IIS University, Jaipur	National

		(MP)			
6	Upadhyay, Brajesh	Indirect Tax and Challenges of GST	GST simplified tax System : Challenges and Remedies	Vidyamandir Mahavidyalaya, Farrukhabad (UP)	National
7	Upadhyay, Brajesh	Human Rights in India : Protection and Promotion	Protection and Promotion of Human Rights in India	MGCGV Chitrakoot	National
8	Arsiya, SK	Role of Tourism Development in Indian Economy	Multidisciplinary Research in Tourism and Development	Jabalpur	International
9	Parihar, VS	Specialty and Management	Specialty and Management	Institute Study of Management Science, Varanasi	National

➢ विभागीय उत्कृष्टता

- डॉ. अमरजीत सिंह द्वारा सीएमसीएलडी परियोजना का संचालन।
- डॉ. विजय सिंह परिहार द्वारा सदस्य, विश्वविद्यालय छात्र अनुशासन मण्डल का उत्तरदायित्व निर्वहन.
- डॉ. विजय सिंह परिहार द्वारा समन्वयक, बी.बी.ए. पाठ्यक्रम के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. विजय सिंह परिहार द्वारा प्रबंधन संकाय का प्रशासनिक दायित्व.
- डॉ . अभय वर्मा द्वारा विधि प्रकोष्ठ के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया द्वारा सहायक कुलसचिव (स्थापना) के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया द्वारा संयोजक, एससी/एसटी/पि.व. संबंधी उत्तरदायित्व निर्वहन.
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय समयमान/वेतनमान विसंगति संबंधी समिति के सदस्य.
- डॉ. सी.पी. गूजर द्वारा दूरवर्ती शिक्षा संस्थान में पीजी डिप्लोमा इन एनजीओ एण्ड आरडी पाठ्यक्रम समन्वयक के उत्तरदायित्व का निर्वहन.
- डॉ. सी.पी. गूजर द्वारा दूरवर्ती शिक्षा संस्थान में बी.काम., बी.बी.ए. पाठ्यक्रम समन्वयक का उत्तरदायित्व निर्वहन.
- डॉ. सी.पी. गूजर द्वारा सदस्य, विश्वविद्यालय छात्र अनुशासन मण्डल का उत्तरदायित्व निर्वहन.
- डॉ. सी.पी. गूजर द्वारा समन्वयक, बी.वोक. पाठ्यक्रम के उत्तरदायित्व का निर्वहन.

➢ **व्यक्तिगत उपलब्धियाँ**

- डॉ. अमरजीत सिंह (2018). नेहरू युवा संगठन के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कार्यशाला के अंतर्गत नेतृत्व विकास विषय पर व्याख्यान।
- डॉ. अमरजीत सिंह (2018). नेहरू युवा संगठन के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कार्यशाला के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान विषय पर व्याख्यान।
- डॉ. अमरजीत सिंह (2018). महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रायोजित ''परामर्शदाताओं का प्रशिक्षण'' (सात दिवसीय तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम) में आयोजक एवं विषय विशेषज्ञ।
- डॉ. अमरजीत सिंह (2018). महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रायोजित ''परामर्शदाताओं का पुनश्चर्या '' (तीन दिवसीय तीन पुनश्चर्या कार्यक्रम) में आयोजक एवं विषय विशेषज्ञ।
- Gujar, CP (2018). Key Note Speech in "International Summit on University - Industry Interface for Skill Development of Youth", APS University, Rewa.
- डॉ. अभय वर्मा (2018). नेहरू युवा संगठन के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कार्यशाला के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास विषय पर व्याख्यान।
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया (2017). इमर्जिंग चैलेंजेज इन मैनेजमेंट एण्ड लीडरशिप इन हायर एजूकेशन ऑफ इंडिया, रिफ्रेशर कोर्स, दिनांक 05–24 जून, 2017, मानव संसाधन विकास केन्द्र, जबलपुर.
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया (2017). चैलेजेज ऑफ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चरर्स एण्ड ई–सोसाइटी इन इंडिया विषय पर व्याख्यान, फरवरी 11, 2017।
- डॉ. संतोष कुमार अरसिया (2017). समन्वयक, रेमेडियल कोचिंग, यू.जी.सी. बारहवीं योजनांतर्गत संचालन।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय

➢ विभाग

- रूरल इंजीनियरिंग
- फूल एण्ड एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

➢ प्रकाशित शोध–पत्र

- Rakesh Kumar Pandey, Ravikan Shrivastava, R.P. Tiwari (2017). "Investigation of Shear Strenght Properties of Municipal Solid Waste and Slope Stability Analysis", International Journal for Research in Applied Science & Engineering Technology (IJRASET): ISSN : 2321-9653; IC Value: 45.98; SJ Impact Factor : 6.887, Volume 5, Issue IX, UGC Journal No. 44382, pp 491-496, September 2017.
- Ravikant Shrivastava (2017). "Investigation on performan ce of ERP strengthened RC beams", Vidhya Bharti (Multi-Disciplinary Research Journal), ISSN : 0976-9986, Volume 15, No.II, Deember 2017, UGC Journal No. 41669, pp 36-42.

- Dhirendra Patel, Ravikant Shrivastava, RP Tiwari, RK Yadav (2017). "Characterization of glass powder through SEM & EDX and its effect on strength", Vindhya Bharti (Multi Disciplinary Research Journal), ISSN : 0976-9986,Volume 15, No.II, December 2017, UGC Journal No. 41669, pp 32-35.
- CP Bastani, RK Shrivastava (2017). "Power of ERP and Precautions in its use as a Novel Construction Material", Vindhya Bharti (Multi Disciplinary Research Journal), ISSN : 0976-9986,Volume 15, No.II, December 2017, UGC Journal No. 41669, pp 24-27.
- Rajesh Gupta, KP Mishra, MK Hardaha, AK Pandey (2017). "Yield and water use efficiency of drip fertigated garlic in Malwa region of Madhya Pradesh", The Bioscan, 1433-1436.
- Rajesh Gupta, KP Mishra, MK Hardaha (2018). "Response of garlic to different irrigation levels under drip irrigation system", International Journal of pure and applied bioscience.
- Rajesh Gupta, KP Mishra, MK Hardaha (2018). "Effect of different fertigation level on growth and yield of garlic" Plant Archives, Vol. 18, No.1, pp. 893-896.

➢ नियोजन (प्लेसमेंट)

- Majority of students placed in employment/higher studies.

➢ नवीन पाठ्यक्रम

- B.Voc. and M.Voc. courses in Sanitation and Cybersecurity.

➢ कार्यशाला/संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण

SN	Name of teacher	Title of the Paper presented	Title of the Seminar /Conference	Organized by	Whether International /National /State /Regional /University Level
1.	Ravikant shrivastava (2017)	Vigyan Evam Samaaj-Aadhikaaron Evam Daityo Ke Sandarbh Me	Protection Y Promotion of Human Rights in India	UGC/MGCGV Chitrakoot, 26-27 Sep. 2017	National

विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय

विभाग

- Physical Sciences
- Biological Sciences
- Energy and Environment

कार्यशाला/संगोष्ठी में सहभागिता

- Organized "National Workshop on Research Method and Statistical Data Analysis Using Softwares: Microsoft Office Excel, SAS, SPSS and R-Software" on 23-24 March 2018, sponsored by MPCST, Bhopal.
- National seminar on Protection and promotion of human rights in India. Organized by MGCGV, Chitrakoot on 26-27 Sept 2017.
- Sixth International Conference on Contemporary issues in Agriculture, Engineering, Information Technology, Life Sciences, Social Science Humanities. Organized by Nehru College of Management. Tamil Nadu. 28-Nov.4 Dec. 2017.
- National Seminar on Biodiversity and Food Security in Changing Climate. Organized by Govt. Degree College Manikpur, Chitrakoot 18-19, Feb. 2018.
- International conference on Recent Trends in Agriculture, Environment And Bio Sciences. Organized by. International Multidisciplinary Research Foundation, Chadigarh.Feb.22-24, 2018.

- National workshop on Research Methods and Statistical Data Analysis Using Softwares: Microsoft Excel, SAS, SPSS and R- Software. Organized by MGCGV, Chitrakoot, Satna. March. 23-24 2018.
- International Symposium on Environmental, Educational and Biological Research for Human Welfare. Organized by Society for Educational Development and Environmental Research, Varanasi.25-26 March 2018.
- Workshop for HOD'S of Universities for the World Bank Project. (MPHEQIP). Organized By: Higher Education M.P. On, 20 April 2018
- National Conference on Ecological Imbalance: A threat to Flora, Fauna, Economy and Human Survival Govt. P.G. College Saidabad, Allahabad, UP, NESA and SLSc., September 22-23, 2017
- Workshop on Entrepreneurship and hands on training for skill development. NASI, Allahabad and DRI, Chitrakoot, Nov. 15-16, 2017
- 20th Indian Agricultural Scientists and Farmer's Congress on Recent Need based and Eco-friendly technologies for doubling Farmers income. Bioved Research Institute of Agriculture, Technology and Sciences (BRIATS), Allahabad February 17-18, 2018
- National Seminar on Brain storming on Safe water and Sanitation. The National Academy of Sciences, India,(NASI), Allahabad, September 15-17, 2017
- National Seminar on Bhartiya Arsh Paramara me Yog MGCGV, Chitrakoot, June 21, 2018
- International Conference on Science, Technology and Social Humanities Department of Zoology, School of Life Sciences, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, India. February, 26-28, 2018
- National Conference on Challenges and Recent Innovations in Ayurvedic /Herbal medicines. Arogyadham, Deendayal Research Institute, Chitrakoot, Satna and BER chapter, March, 24-25, 2018.
- 20th Indian Agricultural Scientists and Farmer's Congress on Recent Need based and Eco-friendly technologies for doubling Farmers income Bioved Research Institute of Agriculture, Technology and Sciences (BRIATS), Allahabad February 17-18, 2018.
- International Conference on Contemporary issue in Agriculture Engineering, Information Technology, Life Science, Social Science and Humanities. Organized by Nehru College of Management (Coimbatore), 28-November to 04-December 2017

- National Seminar on Biodiversity and Food Security in Changing Climate organized by Govt. Degree College Manikpur, Chitrakoot (U.P.) 18-19 February 2018
- E- Waste (Management) Amendment Rules organized by MPPCB, Satna, 28 March 2018
- One Day COE workshop for HOD's of Universities for the world bank project (MPHEQIP) Organized by Administration and Management Academy Bhopal(M.P.), 20 April 2018

शोध कार्य / प्रकाशन

- Dr. Virendra Upadhayay-03,
- Dr. S.S. Gautam-03, Dr. Vandana Pathak-03,
- Dr. Ajay Kumar-01, Dr. Bharat Mishra-10, Dr. Ravi Chaurey-01, Dr. Anil Agrawal-05, Prof. I.P. Tripathi-18
- Phytochemical Studies on Syzygium Cuminii: A Traditional Drugs for Diabetes.
- Indian Journal of Research. Vol. 6 Issue 6, PP 605-608. ISSN 2250- 1991. Impact Factor, 5.761, IC Value.79.96.
- Documentation of Medicinal Uses and Local Knowledge of Wild Edible Plants in Chitrakoot District (U. P.).
- Journal of Environment and Social Science Research. Vol. 6, Issue .6. PP. 33-40. ISSN-2277-5226, Indexed in *Cite factor*.
- Miracle of Nature *Gymnema sylvestre* - A Review.
- International Journal of Current Research and Modern Education (IJCRME), Vol. 2, Issue 1, ISSN (on line) 2455-5428. Impact Factor, 6.725.
- Maximum α Amylase Production by Molecular and Biochemical Characterized Soil Microorganism.
- Journal of Biotechnology & Biomaterials. Vol.7 Issue3, PP.01-06. ISSN, 2155-952x, DOI No.104172/2155-952x. 1000266
- Pharmacognostic Studies of *Cassia fistula* Linn, (Fruit).
- European Journal of Biomedical and Pharmaceutical Sciences, vol. 4, Issue 10, pp 297-303. ISSN, 2349-8870. Impact factor, 4.382.
- Nutritional Evaluation of Some Wild Edible Fruits Used by the Rurals and Tribals of Chitrakoot District (U. P.)

- Journal of Environment and Social Science Research. Vol. 6, Issue .6. PP. 41-46. ISSN-2277-5226, Indexed in *Cite factor*.
- Nutritional Analysis of Some Wild Leafy Vegetables Used by The Rurals of Banda District (U. P.) Journal of Environment and Social Science Research. Vol. 6, Issue .6. PP. 47- 52. ISSN-2277-5226, Indexed in *Cite factor*.
- Nutritional Composition of Some Wild Edible Flowers Used by The Rurals/ Tribals of Mahoba District, Uttar Pradesh. Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (JETIR). Vol. 4, Issue 03, PP 77 -80. ISSN 2349-5162.
- Phytochemical Screening and Antibacterial Activity of *Terminalia arjuna*
- Research Journal of Pharmacology and Pharmacodynamics, Vol.(9) Issue 3. PP 147– 151. ISSN 0975-4407 (print), 2321 -5836 (Online).DOI.10.5958/2321-5836.2017.00025.8.
- Assessment of Present Heavy Metals in Industrial Affected Soil Area of Mandideep, Madhya Pradesh, India. International Journal of Current Microbiology and Applied Science. 6(7), 1-11. DOI. 10.20546/ijmas
- Productivity and Economics of Ashwagandh [*Withania somnifera* (L.)] Under Different Intercropping With Pulses and Oilseeds. International Journal of Pure & Applied Bioscience. 5, (6):227-233. ISSN.2320-7051. DOI.10.18782/2320-7051.6012.
- Evaluation of Plant Secondary Metabolites Composition and Antimicrobial Activities of *Eucalyptus globulus* Extracts. International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences. Special Issue 7:4517-4527. ISSN.2319-7706.
- Isolation of Bacillus Spp. From Soil for Antimicrobial Production and Antibiotic Resistance. Advances in Biotechnology & Microbiology. Vol. 8, Issue4, 1-5, DOI. 10.19080., ISSN: 2474-7637.
- Bacterial approaches for Reclamination of Chromium (IV) Polluted Soil. International Journal of Pure Applied Biosciences: 6, (2)782-792. ISSN: 2320-7051.DOI. 10.18782/2320=7051.6401
- The Distribution and Diversity of Fungi and Macroflora on the Temple Groups of Khajuraho (M.P.) IMPACT. Inter Natio. Jr. Of Res. in Appl. Natur. & Soc. Scie.: 6 (8), 11-18. ISSN, (P)2347-4580.(E)2321-8831
- Algal biotechnology: Potential source for the Future energy demand. Biodiversity Monitoring Management and Utilizatio, Prof. Surendra Singh. ASTRAL Publications
- Ethno Medicinal Plants of Hamirpur. Reference book, Dr. Ravindra Singh. & Ram Lakhan Vishwakarma

- A study on non-newtonian mathematical modeling of two phase human pulmonary blood flow in venules during lung cancer. 04-12 International Journal of Applied Research, 3(9): 2017
- Weedy rice infestation (*Oryza Sativa F. Spontanea L.*) in tribal area of Madhya Pradesh, 51039-51042. International Journal of Current Research, 9(5):2017
- Winter seasonal effect on ground water quality in Banda city (U.P.), *India.* 725-726. International Journal for Scientific Research & Development, 5(1):2017
- Preliminary survey of bird fauna in Karwi tehsil, district Chitrakoot, U.P. India. 1585-1590. International Journal of Science and Research, 6(8):2017.
- A mathematical study of two phase coronary blood flow in coronary arteries with special reference to angina. *International;* 242-247. Journal of Applied Research, 3(2):2017
- Bacteriological status and specific pathogens of river Mandakini in Chitrakoot, district Satna; 54-64. Indian Journal of Environmental Protection, 37(1):2017
- Study on seasonal density of zooplanktons in Ken river of Panna district (M.P.). 175-181. International Journal of Zoology Studies, 2(5):
- Applied mathematical model of two phase human pulmonary blood flow in venules with special reference to lung cancer. 58601-58606. International Journal of Current Research, 9(10):2017
- Analysis of two phase blood flow in human pulmonary artery during lung cancer by mathematical modeling. 44-49. AIJR 20(1):
- Status and distribution of Indian flying fox (*Pteropusgiganteus*) in district Chitrakoot, Uttar Pradesh, India. 126-128 International Journal of Zoology Studies (3)2:2018
- *Potential impact of Inula racemosa, Cichorium intybus and Mantisalca duriaeri against Plutella xylostella Linn. Life Science Bulltin, ISSN 09735453,14(1):65-69. 2017 NASS 3.47*
- *Phytochemical Screening and antibacterial activity of Terminalia arjuna, Res. J. of Pharmacology and Pharmacodynamics, 9(3):147-151. 2017 ISSN: 23215836 DOI:10.595823215836*
- *Genetic Variability, heritability and Genetic advance for yield and its related traits in mungbean [Vigna radiata (L) Wilczek] Genotypes. International Journal of Current Microbilogy and Applied Sciences 7:3818-3824. 2018 NAAS: 5.38*

- *Efficacy of Trichoderma spp. against chickpea and Tomato Fusarium wilt in production International Journal of Creative Research Thoughts , 2018, 6(1):2022-2025 ISSN: 2320-2882 Impact factor:5.97*
- *Efficacy of Native isolates Trichoderma spp. against chickpea Fusarium spp. wilt in vitro and in vivo in rain fed* Proceeding of 19th Indian Agricultural Scientists and Farmer's congress on Prospects of Green Economy and value addition technology for attracting and retaining youth in Agriculture and Rural Sector, 104-107. 2017
- Conservation of *Zygogramma bicolorata* as abiocontrol agent of *Parthenium hysterophorus* Proceedings of National Conference on Ecological Imbalance: A threat to Flora, Fauna, Economy and Human Survival, 45-48. 2018
- Sadhana Chaurasia & Mateswary Chaudhary (2017). Plant used for curing Diarrhoea and Dysentery in Chitrakoot M.P., *IJART* 2(2) :123-130
- Krishna Vijai and Chaurasia Sadhana (2017). Aspect of Municipal Solid Waste Management in Allahabad city: A Questioner survey of the citizens, IOSR-JESTFT 11(2) :11-16
- Chaurasia Sadhana and Tiwari Ashok (2017) Status of Benzene, Toluene and Xylene near Petrol Pums of Satna city. M.P., IJART 2(6): 257-263
- Singh R., Singh, M.P. and Chaurasia S. (2018). Depletion Status of Biodiversity Of Chitrakoot In Last Two Decades, IJAUR 5(1):1-5.
- Singh R., Singh, M.P. and Chaurasia S. (2018). Plant Used by Rural People For Health Care In Selected Villages of Jalaun District (Uttar Pradesh), India. , IJAUR 5(1):8-13.

शोध संस्थाओं से एम.ओ.यू./साझेदारी

- MoU held with DRI Chitrakoot & Amay Env. Consultancy, Bhopal
- Continuation of MoU with CSIR Lab (AMPRI) RRL Bhopal.

संचालित परियोजना

- 22 crore D.P.R. of 3R system submitted to Ministry of Rural Development, Delhi with DRI, Chitrakoot & Amay Env. Consultancy, Bhopal 22 Watershed village of MGCGV Chitrakoot.
- 32 Watershed village KVK DRI Chitrakoot
- Chemical and Biochemical Studies on Medicinal Plants of Chitrakoot Region with Special emphasis on Charecterisation and Identification of the Active Components, CSIR, New Delhi.

- Innovative project on Natural resource mapping of Chitrakoot Using Remote Sensing And GIS. MGCGV, Chitrakoot
- Innovative Project on Biomonitoring of River Mandakini Through Diversity of Algal Flora. MGCGV, Chitrakoot
- Habitat Characterization at landscape level with special reference to geo-botanical study at Achanakmar-Amarkantak Biosphere Reserve. MOEF
- Biomonitoring of River Mandakini through Diversity of Alga Flora
- MGCGV, Chitrakoot
- Natural Resource Mapping of Chitrakoot Region (M.P.) using Remote Sensing and GIS MGCGV, Chitrakoot.

नियोजन (प्लेसमेंट)

- M.Sc. (Applied Geology) students presently working in: Amay Env./Grid Env. Consultancy Bhopal, Simpheri India Ltd, NGRI, Hyderabad, Watershed Coordinator Govt. of Rajsthan in Jaipur, UPRSAC, Lucknow, MAPIT, Bhopal.
- Utter Pradesh primary education, Colleges of Madhya Pradesh research Institutes, India and other multinational concern
- Various Industries, Environmental Laboratory cum Consultancies, SPCB and CPCB, NGOs.

गांव का भ्रमण/कृषक प्रशिक्षण

- VVM Exam by Vibha India organzed exam for Inter Colleges, classes 8 to 11.
- Bore wells for villages 25 spot selected without fees charging.
- Village camp organized by faculty level under the UNNAT BHARAT program
- Faculty level Village Camp organized by Unnat Bharat Program
- Details of New/Revised Courses
- M.Sc. Zoology and Ph.D. Zoology
- M.Sc. (Environment) syllabus revised in June 2018

नवाचार/जागरूकता कार्यक्रम

- 15 days training program for ground water availability by PSI, Deharadoon

NET/SET/GATE/ JRF

- Mr. Bhaskar Pandey, JAM-2015, GATE-2018, M.Sc. (Math) Distance Edu. MGCGV
- Pooja Maurya, NET-JRF(UGC)-2017, M.Sc. (Maths)-2016, Regular Mode, MGCGV

विशिष्ट अतिथियों का भ्रमण/व्याख्यान

- Mr. Manish Mishra, Scientist, Data Analyst, IRI corpoation, Chicago (USA); Topic: Intro. of USA in respect of career, Date: Dec., 07-2017, Place: Smart Room.
- Mr. Manish Mishra, Scientist, Data Analyst, IRI corporation, Chicago (USA); Topic: Technology in Future (Big Data, Cloud Computing, Machine Learning), Date: Dec., 08-2017, Place: Smart Room.
- Prof. Purnima Jain, Head, Deptt. of Mathematics & Computer Science, RDVV, Jabalpur; Topic: Fundamental of Mathematics with reference to metric space and Topology; Date: Apr., 05-2018, Place: Seminar Room.
- Mr. Shashikant Shivastava, Sr. ESM, DHFL, Allahabad; Topic: DHFL Life Insurance, Accidental, Health Assurance Time: 01:00 to 02:00 pm.
- Mr. Sunny Sahu, DHFL, Head Office, Civil Line, Allahabad; Topic: DHFL Finance, Mutual Funds, Shares etc. Date: Jun., 18-2018 Place: Seminar Room.
- Dr. Ashok Vishwakarma, Director, Amay Env. Consultancy, Bhopal.
- Dr. P. K. Jain, Professor, Geology, Maharaja Science College, Chhatarpur.
- Prof. P.K. Khare
- Prof. U.C. Srivastava
- Prof. A.K. Srivastava
- Dr. Pragati Mishra
- Prof. Ravindra Kanhere
- Prof. D. N. Shukla
- Dr. A. K. Verma
- Prof. P.K. Khare
- Prof. A.K. Srivastava
- Prof. D.N.Shukla
- Dr. Vijai Krishna

कला संकाय

विभाग

- हिन्दी विभाग
- संस्कृत विभाग
- व्यावसायिक कला विभाग
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

सहभागिता

शिक्षक का नाम	शोधपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी का विषय एवं आयोजक	राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय
डॉ. नीलम चौरे	महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा एवं मानवाधिकार	प्रोटेक्शन एण्ड प्रमोशन ऑफ हयूमन राइट इन इण्डिया, यू.जी.सी., नई दिल्ली 26–27 सितम्बर, 2017	**राष्ट्रीय**
	जल जोड़ो अभियान एवं बुन्देलखण्ड की सामाजिक समिति का सामूहिक प्रयास	सूखा मुक्त जल सम्मेलन कार्यशाला, 1–3 दिसम्बर, 2017	कार्यशाला
	डिजिट इण्डिया एण्ड कैशलेस कैम्पेन	संयुक्त आयोजन एम.ए.पी.आई.टी. भोपाल एवं म.गाँ.चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूट 28 सितम्बर, 2017	कार्यशाला

	कार्पोरेट (निगमिय) सामाजिक उत्तरदायित्व विकास के संदर्भ में	इण्डियन सोशल साइंस एसोसिएट मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी, 6–7 जनवरी, 2018	अंतर्राष्ट्रीय
	सहभागिताा	Research methods and statistical data analysis using software Microsoft excel, SPSS and R-software, MGCGV, Chitrakoot 23-24 March, 2018	वर्कशाप
डॉ. अजय आर. चौरे	भारत में महिला हिंसा और मानवाधिकार	प्रोटेक्शन एण्ड प्रमोशन ऑफ हयूमन राइट इन इण्डिया, यू.जी.सी., नई दिल्ली 26–27 सितम्बर, 2017	राष्ट्रीय
डॉ. अजय आर. चौरे	जल जोड़ो अभियान एवं बुन्देलखण्ड की सामाजिक समिति का सामूहिक प्रयास	सूखा मुक्त जल सम्मेलन कार्यशाला, 1–3 दिसम्बर, 2017	कार्यशाला
	डिजिट इण्डिया एण्ड कैशलेस कैम्पेन	संयुक्त आयोजन एम.ए.पी.आई.टी. भोपाल एवं म.गाँ.चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूट 28 सितम्बर, 2017	कार्यशाला
	अपराधों के अन्वेषण में वैज्ञानिक एवं तकनीकि उपाय	इण्डियन सोशल साइंस एसोसिएट मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी, 6–7 जनवरी, 2018	अंतर्राष्ट्रीय
	सहभागिताा	Research methods and statistical data analysis using software Microsoft excel, SPSS and R-software, MGCGV, Chitrakoot 23-24 March, 2018	वर्कशाप

आमंत्रित व्याख्यान

शिक्षक का नाम	व्याख्यान शीर्षक	आयोजक
डॉ. नीलम चौरे	मुख्यवक्ता महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक विकास	नेहरू युवा केन्द्र, सतना मध्यप्रदेश 4–5 अगस्त 2017
	मुख्यवक्ता कम्यूनिटी मोबलाइजेशन मोटिवेशनल वर्किंग विद कम्यूनिटी	नेहरू युवा केन्द्र, सतना मध्यप्रदेश 2 अगस्त 2017
	मुख्यवक्ता गोमती नदी लखनऊ की लाइफ लाइन प्रदूषण से मुक्ति के प्रयास	रजत पी.जी.कॉलेज लखनऊ, 18 जुलाई 2017
डॉ. अजय आर. चौरे	मुख्यवक्ता मिनी मैराथन जैसे आयोजनों का समाज पर प्रभाव	मिनी मैराथन, 2017
	मुख्यवक्ता सामुदायिक संगठनकर्ता के रूप में श्रीराम	भारतीय ग्रामीणांचल विका संस्थान, अतर्रा, ग्राम खेरिया 10–11 फरवरी, 2018

शोधकार्य/अनुसंधान/प्रकाशित लेख का विवरण

शिक्षक का नाम	प्रकाशित लेख/शोधपत्र का शीर्षक	जर्नल का नाम	ISSN/ISBN No.
डॉ. नीलम चौरे	गांधी चिंतन	आधुनिक प्रजातंत्र में गांधीवाद की प्रासंगिकता	978-93-5076-177-9
डॉ. अजय आर. चौरे	गांधी चिंतन	आधुनिक प्रजातंत्र में गांधीवाद की प्रासंगिकता	978-93-5076-177-9
डॉ.त्रिभुवन सिंह	बुन्देलखण्ड में मूर्तिकला का विश्लेषणात्मक अध्ययन (पूर्व मध्यकाल के विशेष संदर्भ में)	एशियन जर्नल ऑफ एडवांस स्टडीज (एन इण्टरनेशनल रिसर्च रिफ्रीड जर्नल)	2395-4965
डॉ. जितेन्द्र शर्मा	पुराणो में वर्णित प्राण एवं प्राणायाम का परिचय	वेदांजलि, (इण्टरनेशनल रिफ्रीड जर्नल) अंक–8, जुलाई–दिसम्बर, 2017	2349-364x
	मानवीय व्यक्तित्व में कर्म बंधन का विवेचनात्मक अध्ययन	शब्दार्णव, जुलाई–दिसम्बर, 2017	2395-5104
	Ashokas dhamma Vijai : Philosophical ideals of a paradigm for good governance	स्वदेशी रिसर्च फाउण्डेशन, वॉल्यूम–5, नं. –6, अप्रैल, 2018 (इण्टरनेशनल पीर रिफ्रीड जर्नल)	2394-3580
	Philosophy of magic realism in the themes and the symbols of midnight's children : with reference to the special context of Human values	स्वदेशी रिसर्च फाउण्डेशन, नं.–7, मई, 2018 (इण्टरनेशनल पीर रिफ्रीड जर्नल)	2394-3580
	भारतीय आर्ष परम्परा में योग	स्वदेशी रिसर्च फाउण्डेशन, वाल्यूम–5, नं. –7, मई, 2018 (इण्टरनेशनल पीर रिफ्रीड जर्नल)	2394-3580

संचालित परियोजनायें

- टाटा फेलोशिप, सी.एस.आर., कारपोरेट सोसल पॉलिसी

छात्रों का प्लेसमेंट/फेलोशिप

- गांधियन फेलोशिप, सी.एस.आर.,नई दिल्ली, 2017–2018
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, 27 छात्र
- टाटा फेलोशिप, सी.एस.आर., कारपोरेट सोसल पॉलिसी, 20 छात्र
- एच.सी.एल.. (सी.एस.आर.) समुदाय प्रोजेक्ट, हिन्दुस्तान कम्पयूटर लिमिटेड, एस.सी.एल. फाउण्डेशन, 17 छात्र

ग्राम प्रवास कार्यक्रम/कृषक प्रशिक्षण

- उन्नत भारत अभियान, ग्राम पालदेव, चित्रकूट

नवीन/संशोधित पाठ्यक्रमों का विवरण

- बी.ए. (मानव चेतना एवं योग विज्ञान) के पाठ्यक्रम को वार्षिक पद्धति में बदलने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक एवं पाठ्यक्रम परिवर्तित
- पी.जी.डिप्लोमा, (योग) नवीन पाठ्यक्रम संचालित

नेट/सेट/गेट जे.आर.एफ.उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

- अनुसया खरे
- विकास नड्डा

विशिष्ट अतिथियों का व्याख्यान/भ्रमण

- प्रो.संजय, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजकार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
- प्रो.आर.सी.गौतम, पूर्व विभागाध्यक्ष, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर।
- प्रो.रामदेव भारद्वाज, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, भोपाल

केन्द्रीय ग्रन्थालय

परिचय

ग्रंथालय का विकास दिन प्रतिदिन उत्तरोत्तर होता जा रहा है। बागरी धर्मशाला रामधाम से आचार्य आश्रम, नयांगांव तथा आचार्य आश्रम नयागांव से साइंस ब्लाक विश्वविद्यालय परिसर (स्फटिक शिला) व साइंस ब्लाक से कैण्टीन भवन, कैण्टीन भवन से सम्प्रति–ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन संकाय व ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन संकाय से वर्तमान भवन तक केन्द्रीय पुस्तकालय का स्थानान्तरण होता रहा है। वर्तमान भवन तीन खण्डों में स्थापित है जहां भी कुछ दिनों के बाद स्थान की कमी महसूस होने लगेगी।

व्यवस्थापन

पुस्तकालय पाठ्य–सामग्री की व्यवस्था ड्यूवी–डेसीमल वर्गीकरण व AACR2 के अनुसार है। साथ ही पाठ्य–सामग्री को ब्वउचनजमत आधारित किया गया है जिसमें MARC Format पर कार्य

किया गया है। विषय–शीर्षक निर्धारण हेतु स्चै का उपयोग करते हुये Computerization हेतु INFLIBNET center Ahmadabad के मानकों का पालन किया गया है। Open Access पद्धति पुस्तकालय में प्रारम्भ से ही लागू है।

भवन संरचना

भवन संरचना के तीन खण्डों में निम्नानुसार व्यवस्थापन है–

1. बेसमेंट

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान सहित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पत्रकारिता आदि विषय की पाठ्य–सामग्री का व्यवस्थापन किया गया है साथ ही ऑडिया–वीडियो, थीसिस व अनुरक्षण कार्य के लिये भी स्थान रखा गया है।

2. भूतल

विज्ञान, तकनीकी तथा प्रबंधन के समूह की पुस्तकों को व्यवस्थित किया गया है। इस तल में आदान–प्रदान काउण्टर, संदर्भ–वाचनालय व कार्यालयीन कक्षों की व्यवस्था है। इसी तल में Library Automation & Networkig के कार्य भी सम्पादन किये जाते हैं। संदर्भ ग्रंथों को प्रथम तल पर स्थानान्तरित किया गया है। इनके स्थान पर बुक–बैंक समूह की पुस्तकें रखी गयी हैं।

3. प्रथम तल

इसमें वातानुकूलित–वाचनालय, e-journals Access, internet facility, Reference Section, Printed journals को स्थान दिया गया है।

उपयोगकर्ता

ग्रंथालय सुविधाओं का लाभ इस सत्र में कुल 33,524 उपयोगकर्ताओं के द्वारा किया गया है, जिसमें 130 पुस्तकों का लगभग प्रतिदिन आदान–प्रदान भी हुआ तथा 980 नये सदस्यों का पंजीयन किया गया।

STATUS REPORT OF CENTRAL LIBRARY

Automation and Networking

(i) Library have used SOUL Software (Software for university Libraries) .SOUL software created and Provided by The INFLIBNET Center Ahmadabad .2.0 LATEST version of Software is working

(ii) No of Book s databases Created in SOUL : 38793

(iii) Users database created : 3808

(iv) No of books Purchased : 1866

(v) Acquisition of reading Materials through SOUL

- Publishers database
- suppliers database
- binder database

Circulation

- OPAC (Online public access catalogue)
- Transaction of Reading Material
- Faculty databases
- Department
- Member database
- Categories database
- Privileges of user
- No-dues certificate
- Overdue charges

Assign of work among the staff

- Access of work performance of staff members

Periodicals

- Access of e- resources e- journals provided by the INFLIBNET Center Ahmadabad

Thesis

- Access of Sodh Gangotree
- Access of Sodh Gaqnga
- Plagiarism software URKUND

Network

- Library has own LAN and wi fi Network
- Internet Connectivity through BSNL under NKN project
- MOU (memorandum of understanding) with INFLIBNET center
- Access of Secondary Data through INFLIBNET centre Ahmadabad
- Document Delivery Services through INFLIBNET centre Ahmadabad
- Membership of INFLIBNET .
- Access of e- pathashala modules 30000 for UG Course
- Access of e- pathashala modules 2936 for PG Course
- Access of Data Available in NDL data(National digital Library)

Available e-resources (Through INFLIBNET)

- Economic & political weekly Period -April 2018 - March 2019
- Institute for studies in industrial Development (ISID)) Database Period -Apri18-March19
- J gate Plus (JCCC) Period -April 2018 - December 2018

Other Resources

- Audio Cassette: 52 Video (Marg Darshan) :1206
- CD-ROM:52

Security : 32 camera

शोध निदेशालय

परिचय

शोध निदेशालय महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के समस्त शोध प्रक्रियाओं के संचालन का एकमात्र केन्द्र है, जो परियोजना निर्माण तथा विश्वविद्यालय में होने वाले शोधों के सम्पूर्ण दस्तावेजों का संयोजन तथा उसके संचालन के समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करता है। विगत वर्षों से शोध निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुरूप पी–एच.डी. से जुड़े समस्त गतिविधियों का सूक्ष्मता पूर्वक प्रबंधन करता है तथा शोध की उत्कृष्टता हेतु आरकुंड साफ्टवेयर के माध्यम से किसी भी स्तर पर होने वाली शोध संबंधी नकल को नियंत्रित करने के भी दायित्व का निर्वहन सफलता पूर्वक कर रहा है।

शोध ग्रन्थ

- वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 78 शोध ग्रन्थ जमा हुए।
- नेट/जेआरएफ/आरजीएनएफ/एमएएनएफ में कुल पंजीकृत शोध छात्रों की संख्या 16 है।

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना

वर्तमान का उच्च शिक्षा परिदृश्य चुनौतीपूर्ण है। ज्ञान आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप देश का शैक्षणिक परिदृश्य विकसित करने के लिए उपलब्ध भौतिक और मानव संसाधन सीमित हैं। ऐसी दशा में ज्ञानाधारित समाज की संरचना के लिए वैकल्पिक शिक्षा पद्धति पर विचार करना आवश्यक है। आज से अनेक वर्ष पूर्व भारत के गुरूकुलों की तरह ही स्कैण्डिनेवियन देशों में पीपुल्स कालेज का एक सफल प्रयोग हुआ। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की अध्यक्षता में गठित प्रथम शिक्षा आयोग 1948 में ग्रामीण विश्वविद्यालयों की स्थापना का संकल्प रखा था। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय उसी

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। किन्तु विश्वविद्यालय की क्षमताओं और संसाधनों का लाभ सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को प्राप्त हो सके इस दिशा में विचार–विमर्श के उपरान्त ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालयों के माध्यम से कौशल केन्द्रों की स्थापना का प्रारूप सामने आया। भारत में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में पूर्व में ही प्रयास किया गया था। इस प्रयास की विधिवत समीक्षा के पश्चात विश्वविद्यालय इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि केन्द्रीयकृत उच्च शिक्षा प्रणाली की वर्तमान प्रचलित व्यवस्था में युक्तियुक्त संशोधन द्वारा उच्च शिक्षा का ऐसा प्रारूप प्रस्तुत किया जाए, जिसमें शिक्षा लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों की सहायता से सम्पन्न हो। पाठयक्रमों की संरचना और संचालन इस प्रकार हो कि विद्यार्थी अपनी–

- रूचि के अनुसार
- क्षमता के अनुसार
- आवश्यकता के अनुसार
- उपादेयता के अनुसार पाठयक्रम का चयन कर सके।

इस हेतु यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के परंपरागत स्वरूप से भिन्न हर ऐसी जगह पर शिक्षा और कौशल के आदान–प्रदान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जहाँ मानकों और सुविधाओं से बिना समझौता किए सुयोग्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के इच्छुक छात्रों को स्थानीय आवश्यकता के अनुसार इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए जो रोजगारोन्मुखी हो। इस अवधारणा को मूर्त रूप देने की दृष्टि से विश्वविद्यालय ने अनेक परामर्श सत्रों में विशेषज्ञों से अभिमत प्राप्त कर विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण केन्द्रों की श्रृंखला और व्यवस्था हेतु एक नियम संहिता को अंगीकार किया जिसमें इस प्रकार की प्रशिक्षण व्यवस्था के समग्र आयामों पर विस्तृत दिशा–निर्देश थे। इसे परिनियम 30 के रूप में अंगीकार कर इसके प्रावधानों को 2013–14 से कार्यरूप में लाया गया। उद्देश्य था कि इस नवीन वैकल्पिक शैक्षणिक व्यवस्था के समस्त आयामों पर दिशा–निर्देश उपलब्ध हों और उनके अनुपालन से गुणवत्तायुक्त शिक्षण–प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

विविध प्रशिक्षण आयाम

1. खाद्य प्रसंस्करण संबंधी पाठ्यक्रम		
जेली, जैम निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
कैंडी, मुरब्बा निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
स्क्वैश व सीरप निर्माण	2 सप्ताह	5वीं
अचार निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
सॉस चटनी निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
सेवई व नूडल्स	1 माह	साक्षर
बड़ी, पापड़ निर्माण	1 माह	साक्षर

बेकरी (बिस्कुट, ब्रेड)	1 माह	साक्षर
नमकीन निर्माण	1 माह	5वीं
पिसा मसाला उद्योग	1 माह	5वीं
2. हर्बल उत्पाद संबंधी पाठ्यक्रम		
हर्बल पेय निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
हर्बल गुटखा निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
चूर्ण निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
हर्बल शैम्पू निर्माण	1 सप्ताह	साक्षर
जड़ी–बूटी पहचान व प्रसंस्करण	1 माह	5वीं
3. **ग्रामोद्योग / कुटीर उद्योग संबंधी पाठ्यक्रम**		
मोमबत्ती निर्माण	2 सप्ताह	साक्षर
अगरबत्ती निर्माण	1 माह	5वीं
चिक पर्दा (बांस) निर्माण	1 माह	साक्षर
साबुन, वाशिंग पावडर व नील निर्माण	1 माह	8वीं
सॉफ्ट ट्वाय निर्माण	1 माह	5वीं
मिट्टी के खिलौने	1 माह	साक्षर
गमला / जाली / टंकी (सीमेंट) निर्माण	1 माह	साक्षर
बैग निर्माण (रेक्जीन / कपड़ा)	1 माह	सिलाई ज्ञान
गत्ते के डिब्बे बनाना	2 सप्ताह	साक्षर
दोना–पत्तल निर्माण	1 माह	5वीं
लिफाफा निर्माण		साक्षर
4. वस्त्रोद्योग संबंधी पाठ्यक्रम		
बांधनी	2 सप्ताह	5वीं
रंगाई, छपाई	1 माह	5वीं
दरी व टाट पट्टी निर्माण	1 माह	5वीं
कशीदाकारी	1 माह	साक्षर
5. मरम्मत / सेवा उद्योग संबंधी पाठ्यक्रम		
मोबाइल रिपेयरिंग	1 माह	8वीं
साइकिल रिपेयरिंग	1 माह	साक्षर
प्लंबिंग	1 माह	5वीं
हैण्ड पंप मरम्मत	1 माह	5वीं
स्क्रीन प्रिंटिंग	1 माह	5वीं
पेंटिंग (वाल)	1 सप्ताह	साक्षर
6. सौंदर्य संबंधी पाठ्यक्रम (महिलाओं के लिए)		
मेहंदी कला	1 माह	साक्षर
हेयर कटिंग व थ्रेडिंग	1 माह	साक्षर
7. कृषि एवं पशुपालन संबंधी पाठ्यक्रम		
वर्मी कम्पोस्ट	1 माह	साक्षर
मिट्टी जांच	1 माह	08वीं
मशरूम उद्पादन	1 माह	05वीं
डेयरी	1 माह	05वीं
8. निर्माण उद्योग संबंधी पाठ्यक्रम		
वेल्डिंग	1 माह	05वीं
राजगीर प्रशिक्षण	2 सप्ताह	राजगीर

9. विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक्स संबंधी पाठ्यक्रम		
सोल्डरिंग	1 माह	05वीं
इमरजेंसी लाइट निर्माण एवं मरम्मत	1 माह	05वीं
घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत	1 माह	05वीं
10. कम्प्यूटर अनुप्रयोग संबंधी पाठ्यक्रम		
एमएस ऑफिस	1 माह	08वी

(ब) पाठ्यक्रम : स्तर एवं अर्हता

क्र.	पाठ्यक्रम	स्तर / श्रेणी			न्यूनतम अर्हता		
		प्र.प.	डि.	उ.डि.	प्र.प.	डि.	उ.डि.
1.	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
2.	गारमेन्ट डिजाइन	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
3.	टाइंग एवं डाइंग	✓	✓	–	5वीं	8वीं	–
4.	बेकरी	✓	✓	–	5वीं	8वीं	–
5.	फूड एनॉलिसिस एण्ड क्वॉलिटी एश्योरेंस	–	✓	✓	–	12वीं.	बी.एससी.
6.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन्	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
7.	इन्टीरियर डेकोरेशन	–	✓	✓	–	10वीं	12वीं
8.	वैद्युत	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
9.	उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
10.	फार्म पॉवर इंजीनियरिंग	–	✓	✓	–	8वीं	10वीं
11.	वेणुशिल्प	✓	✓	✓	साक्षर	5वीं	8वीं
12.	खुदरा प्रबंधन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
13.	सांस्कृतिक पर्यटन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
14.	ग्रीन हाउस तकनीक	✓	✓	–	साक्षर	5वीं	–
15.	जैविक खेती	✓	✓	–	साक्षर	5वीं	–
16.	पशुपालन	✓	✓	–	साक्षर	5वीं	–
17.	डाटा इन्ट्री ऑपरेटर	✓	✓	–	8वीं	10वीं	–
18.	वेल्डिंग एवं फैब्रिकेशन	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
19.	गृह निर्माण तकनीक	✓	✓	✓	साक्षर	5वीं	8वीं
20.	पैकेजिंग	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
21.	हैण्डलूम एवं पावरलूम	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
22.	कम्प्यूटर हार्डवेयर व नेटवर्किंग	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
23.	वाटरशेड मैनेजमेंट	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
24.	वर्कशॉप मैकेनिक	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
25.	फैशन प्रौद्योगिकी	–	✓	✓	–	10वीं	12वीं
26.	हर्बल प्रसंस्करण	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
27.	बहुउद्देशीय मैकेनिक	✓	✓	✓	साक्षर	5वीं	8वीं
28.	पम्प व इंजन मरम्मत	–	✓	✓	–	5वीं	8वीं
29.	माटी शिल्प	✓	✓	✓	साक्षर	5वीं	8वीं
30.	ब्यूटीशियन	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
31.	फोटोग्राफी एण्ड विडियोग्राफी	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
32.	चित्रकला	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं

33.	परियोजना प्रबंधन	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
34.	आजीविका प्रबन्धन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
35.	एन.जी.ओ. प्रबन्धन	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
36.	काउंसलिंग एवं गाइडेन्स	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
37.	ग्रामीण विकास प्रबन्धन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
38.	वित्तीय प्रबन्धन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
39.	ग्रामीण पत्रकारिता	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
40.	स्पोकेन इंग्लिश	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
41	कार्यालय प्रबंधन	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
42	जड़ी–बूटी पहचान एवं प्रसंस्करण	✓	✓	✓	5वीं	8वीं	10वीं
43	कम्प्यूटर साफ्टवेयर	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
44	वेब डिजाइनिंग	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
45	ई–कामर्स	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
46	ई–गवर्नेंस	✓	✓	✓	10वीं	12वीं	स्नातक
47	उर्जा प्रबंधन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
48	पोषण एवं आहार	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
49	कचरा प्रबंधन	✓	✓	✓	8वीं	10वीं	12वीं
50	लोक संगीत	✓	✓	✓	साक्षर	5वीं	8वीं

सामुदायिक महाविद्यालय योजना

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं में बढ़ती अपेक्षाओं तथा रोजगारोन्मुखी विकल्प की दृष्टि से सामुदायिक महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण व्यवस्था एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। रोजगार सृजन के साथ कार्यक्षमता में वृद्धि, अकुशल से कुशल श्रमिक के रूप में बेहतर आमदनी, उद्यम क्षेत्रों में गुणवत्ता विकास एवं उपलब्ध / अर्जित कुशलता का प्रमाणन ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना की आधारभूत पीठिका है।

कौशल प्रशिक्षण के विविध आयाम :

कौशल विकास के गतिशील पाठ्यक्रमों द्वारा बेरोजगार युवा पीढ़ी को आशावान बनाते हुए देश के सर्वांगीण विकास की संकल्पना में विश्वविद्यालय द्वारा अपना योगदान सुनिष्चित करने हेतु ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना का प्रारम्भ किया गया। जिसके अन्तर्गत ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य संरक्षण तथा स्थानीय आवष्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार किए जाने का लक्ष्य लिया गया है। सामुदायिक महाविद्यालयों की स्थापना में स्थानीय संसाधन और आवश्यकता के सन्तुलन का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त कौशल विकास के निम्नांकित क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं।

1. ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण

ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए लगभग बीस पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जिन्हें ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय केन्द्रों में संचालित किया जा रहा है। एलोपैथी चिकित्सा सहयोगी पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त आयुर्वेद, योग विज्ञान एवं प्राकृतिक चिकित्सा, वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति आदि के जनोपयोगी पाठ्यक्रम भी विकसित किए जा रहे हैं।

2. महिला एवं बाल–विकास

अल्पशिक्षित तथा अशिक्षित महिलाओं के लिए योजना के अन्तर्गत अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन, सौन्दर्य प्रशाधन सामग्री निर्माण, गृहोपयोगी सामग्री निर्माण नान–क्रेडिट पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत चल रहे हैं। महिला एवं बाल स्वास्थ्य संरक्षण हेतु अनेक सह–चिकित्सीय तथा स्वास्थ्य संरक्षण पाठ्यक्रम संचालित हैं।

3. कृषि में आर्गेनिक उपयोग

कृषि में आर्गेनिक उपयोग की दृष्टि तथा उन्नत तकनीक को केन्द्रित कर विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जिन्हें ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय केन्द्रों में प्रारम्भ किया गया है।

4. तकनीकी क्षेत्र में कौशल विकास

तकनीकी क्षेत्र में कौशल विकास विश्वविद्यालय की प्राथमिकता में सम्मिलित है। कम्प्यूटर सम्बन्धी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त खाद्य संरक्षण, परियोजना प्रबन्धन एवं सामुदायिक विकास आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनेक यांत्रिक निर्माण एवं यांत्रिक मरम्मत सम्बन्धी पाठ्यक्रम सामुदायिक महाविद्यालयों केन्द्रों में प्रारम्भ किए गए हैं।

5. औद्योगिक सुरक्षा

औद्योगिक सुरक्षा आज समय की मॉग है, इसको देखते हुए अनेक विशिष्ट पाठ्यक्रम ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय केन्द्रों में संचालित किए जा रहे हैं।

6. कुटीर उद्योग

अनेक प्रकार के कुटीर उद्योग यथा – सिलाई, मोमबत्ती – अगरबत्ती – दोनापत्तल – लकड़ी के खिलौने–जैम जैली अचार निर्माण, ब्यूटीशियन, हर्बल गार्डन आदि लगभग तीस प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी पूरे प्रदेश अनेक सामुदायिक महाविद्यालय केन्द्रों में प्रारम्भ किए गए है।

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय के अंतर्गत कौशल केन्द्रों की स्थापना

विश्वविद्यालय सम्पूर्ण प्रदेश में विभिन्न संस्थाओं, स्वयं सेवी संगठनों, ट्रस्टों और अनेक शासकीय विभागों के साथ मिलकर स्थान–स्थान पर सामुदायिक महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत कौशल केन्द्र की स्थापना कर रहा है। लोगों के द्वारा, लोगों के लिए, लोगों से संचालित इन केन्द्रों में लोगों की रूचि, कार्यक्षमता और आवश्यकता के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। पाठ्यक्रम क्षेत्रीय आवश्यकताओं की ज़रूरत के अनुसार होते हैं।

SN	Name of Centers	Approved Course
1.	Institute of Industrial Management for Safety Health & Environment, Bhopal (M.P.)	1. PGDM (IMSHE)
		2. Diploma in Fire & Safety
		3. Diploma in Hospitality Management
		4. Certificate in Mechanical Engg.
2.	Indian Institution of Social Development, Indore,	1. PG Dip in Rural Development
		2. PG Dip in Human resource Development
		3. PG Dip in NGO Management
		4. Dip in Social Work
		5. Certificate in Entrepreneurship & Skill Development.
3.	Nakshatra Education And Development Society, Satna	1. DCA
		2. PGDCA
4.	Nalanda Institute For Computer And	1. DCA

	Vocational Training, Indore	2. PGDCA
		3. Diploma in Rural Development
		4. PG Diploma in Entrepreneurship Development
5.	Nalanda Institute For Computer And Vocational Training, Damoh	1. DCA
		2. PGDCA
6.	Nalanda Institute For Computer And Vocational Training, Badwani	1. DCA
		2. PGDCA
		3. Diploma in Watershed Management
		4 PG Dip in Rural Development
		5. PG Dip in Social Work
7.	MP Birla Hoshpital, Cancer Research Institute, Satna	1. Diploma in Midwifery
		2. Diploma in Medical Laboratory Assistant
		3. Diploma in Radiology Assistant
		4. Diploma in Multipurpose Health care Worker
		5. Diploma in Operation Theatre Assistant
		6. Diploma in ICCU Assistant
		7. Diploma in Office Co- ordination
		8. Diploma in Radiotherapy & Cancer Counseling Assistant
		9.Certificate in office Assistant
		10.Certificate in Office Front Desk Assistant
		11. Certificate in Medical record & Health info. Assistant
		12.Certificate in Dresser & Compounder
		13.Certi in General Duty Assistant Level 1
		14. Certificate in woman Health worker Assist. Level 1
		15. Certificate in Operation Theatre Assistant. Level 1
		16. Certificate in Radiotherapy & Cancer Counseling Assistant L1
		17. Certificate in General Duty Assist. Level 2
		18. Certificate in Operation Theatre Assist. Level 2
		19. Certificate in Woman Health worker Assist. Level2
		20. Certificate in Radiotherapy & Cancer counseling Assistant L2
8.	Shri Sadguru Seva Sangh Trust (SSST), Chitrakoot, Distt. Satna	1. Diploma in Vision Technician
		2. Diploma in Multipurpose Health care Worker
		3. Diploma in Operation Theatre Assistant
		4. Diploma in Medical Laboratory Assistant
		5. Certificate in Sewing Part-I
		6. Certificate in Sewing Part-II
		7. Certificate in Beautician Part-I
		8. Certificate in Beautician Part-II
		9. Cert in Soft Toy Manufacturing
		10. Certificate in Stitching (Kadhai)
		11. Certificate in Food Processing (Cooking)
		12. Certificate in Optical Dispensing

9	Pragati Manav Seva Sansthan, Raghavgarh, Distt. Guna	1. PGDCA
		2. DCA
10	Jai Maa Siksha Avamm Prasar Samiti, Raipura Dist- Panna	1. PGDCA
		2. DCA
		3. Diploma in Food and Nutrition
11	Jan Jagran Avum Samaj Utthan Parishad, Panna	1. PGDCA
		2. DCA
12	Laxmi Mahila Mandal, Balaghat,	1. Certificate in Agarbatti Making
		2. Certificate in Soft Toys Making
		3. Certificate in Bag Making
		4. Certificate in Dona-Pattal Making
		5. Certificate in Mehendi Kala
		6. Certificate in Hair Cutting and Threading
		7. Certificate in Fruit and Vegetable Processing
13	M.S. Computer Education Society, Barhi, Distt.Katni	1. D.C.A.
		2. Advance Diploma in NGO Management
		3. Certificate in data entry operator
		4. Certificate in Mobile Repairing
		5. Certificate in Beautician part 1
14	Shri Brijbhushan Smarak Shiksha Samiti Mahtain, Satna (M.P.)	1 Certificate in Electrician
		2. Diploma in Financial Accounting
		3. Certificate in Data Entry Operator
		4. Certificate in Garden Management & Horticulture
15	Anupama Education Society, Satna	१. सर्टीफिकेट इन् साफ्ट ट्वायज मैन्यूफैकचरिंग
		२. सर्टीफिकेट इन् प्लम्बरिंग
		३. सर्टीफिकेट इन् हैण्डपम्प रिपेयरिंग
		४. सर्टीफिकेट इन् आर्गेनिक एग्रीकल्चर
		५. सर्टीफिकेट इन् जैली–जैम निर्माण
16	Nalanda Institute for Computer and Vocational Training, Gwalior	1. PGDCA
		2. DCA
17	Ratanraj Manav Sewa samiti, Khargone	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Social Work
		4. Diploma in Rural Development
		5. Diploma in Data Entry Operator
18	Bits social welfare Society, Javera, Distt.'Damoh	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Social Work
		4. Diploma in Rural Development
		5. Diploma in Data Entry Operator
		6. Certificate in Computer Hardware and Networking (C.C.H.N.)
		7. Diploma in watershed management & Rainwater Harvesting
19	Social Engineering and welfare Action Trust, Chitrakoot, Distt.Satna	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3 Certificate in Sewing Part-I
		4. Certificate in Beautician part 1

		5. Certificate in Hardware
		6. Certificate in Career Guidance and Counciling
20	Krishna Sai Mahila Kalyan Shiksha Samiti, Jabalpur	1. D.C.A.
		2. Certificate in Beautician part 1
		3. Certificate in Food Preservation
		4. Certificate in Mobile Repairing
		5. Certificate in Spoken English
		6. Certificate in Soft Toys
21	Janki Prasad Shiksha Samiti Mahavidyalaya shahpur' Nagod Distt.Satna	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
22	Sri Kamla Janhitay Samiti, Satna	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Computer Hardware
23	Sri Sidhnath highschool Samiti Makhanpur Distt. Panna	1. Certificate in Beautician part I & II
		2. Certificate in Spoken English
24	Bhavi Educational welfare Society Manawar Distt.Dhar	1. Advance Diploma in NGO Management
		2. D.C.A.
		3. P.G.D.C.A.
		4. Diploma in Rural Development
		5. Diploma in Finance A/C & Tally
		6. Diploma in Watershed Management
		7. Diploma in Social Work
25	Bits social welfare Society, Damoh	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Rural Development
		4- Diploma in Social Work
26	Madhau Seva Samiti, Satna	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Certificate in Computer Hardware & Network
27	Yogeshwari Samajik Sansthan Borlay Samiti Badwani	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Rural Development
		4. Diploma in Social Work
		5. Adv. Diploma in NGO Management
		6 . Diploma in Watershed Management
		7. Diploma in Finance A/C & Tally
		8. Certificate in Computer , Basic
28	Chitransh Samajik welfare Society, Javra, Dist. Ratlam	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Financial Accounting & Tally
		4. Certificate in basic computer
29	Nalanda Institute for Computer and Vocational Training, Satna	1. D.C.A.
		2. Diploma in Watershed &Rainwater Harvesting
		3. Diploma in Rural Development
		4. PG Diploma In Fashion Designing
30	Bhavya Saksharta Mission Samiti, Gwalior	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Adv. Diploma in NGO Management

		4. Diploma in Computer hardware & Networking
		5. Dip in Finance A/C & Tally
31	Sri Ram Prasad Singh Social Foundation, Gwalior	1. D.C.A.
		2. P.G.D.C.A.
		3. Diploma in Financial Management
		4. Diploma in Financial Inclusion
		5. Dip in Finance A/C & Tally
		6. Certificate in Rural Entrepreneurship
		7. C C A
32	Association for Social Reform and Action, Jobat, Dist.Alirajpur	1. PGDCA
		2. DCA
33	Natural Resource Mangamenet & Common Wealth, Byawara Dist.Rajgarh	1. DCA
		2. PGDCA
		3. Certificate in Beautician part -I
34	Jila Rojgar Karyalaya Satna	43 Courses (60 Seats in Each)

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय
केन्द्र– इमसी, भोपाल

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय
केन्द्र– सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय
केन्द्र– प्रियंवदा विड़ला रिसर्च सेंटर, सतना

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय
केन्द्र– रतलाम

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय परिषद् (जी.सी.सी.सी.)

विश्वविद्यालय में ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना का संचालन परिनियम क्रमांक 30 के अनुसार गठित सामुदायिक महाविद्यालय योजना परिषद् द्वारा होता है। यह परिषद् योजना की सर्वोच्च शासी परिषद्– अपेक्स काउन्सिल है। परिषद् अपनी सहायता के लिए अध्ययन मण्डलों, शुल्क समितियों, परीक्षा व मूल्यांकन समितियों आदि का गठन करती है, जिनकी बैठकें समयानुसार आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों के समस्त निर्णय/अनुशंसाएं/प्रस्ताव आदि परिषद् में अनुमोदित होते है। विश्वविद्यालय के कुलपति परिषद् के पदेन अध्यक्ष तथा योजना के निदेशक परिषद् के पदेन सचिव होते है। विश्वविद्यालय के परिनियम क्रमांक 30 के बिन्दु क्रमांक 6.11 के अनुसार सामुदायिक महाविद्यालय योजना परिषद का पुनर्गठन निम्नानुसार किया जाता है।

क्र.	नाम	पता	
1.	प्रो.नरेश चन्द्र गौतम	कुलपति,म.गा. चि.ग्रा.वि.वि., चित्रकूटय, सतना (म.प्र.)	अध्यक्ष
2.	श्री अभय महाजन	संगठन सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान, दिल्ली	सदस्य
3.	डा. रघुराज किशोर तिवारी	म.सं. 203/5, संतोष डीजल्स के पास, पड़रा, रीवा (म.प्र.)	सदस्य
4.	डॉ.देव प्रभाकर राय	एसो. प्रोफेसर, कृषि संकाय , म.चि.ग्रा.वि.वि.,चित्रकूट	सदस्य
5.	डा. एस. एस. गौतम	एसो. प्रोफेसर, विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय	सदस्य
6.	ई. राजेश सिन्हा	सहायक निदेशक, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्यो. संकाय एवं प्राचार्य, दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, म.गा.चि.ग्रा.वि. चित्रकूट	सदस्य
7.	डॉ.सारिका कालरा	ग्रामोदय प्रियम्बदा बिरला सामुदायिक महाविद्यालय, सतना(म.प्र.)	सदस्य
8.	श्री मुकेश मिश्रा	ग्रामोदय नक्षत्र सामुदायिक महाविद्यालय, सतना(म.प्र.)	सदस्य
9.	कुलसचिव	म.चि.ग्रा.वि.वि.,चित्रकूट, सतना(म.प्र.)	सदस्य
10.	लेखा नियन्त्रक	म.चि.ग्रा.वि.वि.,चित्रकूट, सतना(म.प्र.)	सदस्य
11.	डॉ. भरत मिश्रा	एसो. प्रोफेसर, विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय एवं प्रभारी निदेशक,सामु.महाविद्यालय योजना	सदस्य एवं सचिव

बैठकें

क्र.	बैठक	दिनांक	स्थान
1	प्रथम	अप्रैल 06, 2013	विश्वविद्यालय परिवसर, चित्रकूट
2	द्वितीय	अप्रैल 25, 2014	विश्वविद्यालय परिवसर, चित्रकूट
3	तृतीय	अप्रैल 22, 2015	विश्वविद्यालय परिवसर, चित्रकूट
4	चतुर्थ	मई 04, 2016	विश्वविद्यालय परिवसर, चित्रकूट
5	पंचम	मई 05, 2015	विश्वविद्यालय परिवसर, चित्रकूट

जी.सी.सी.सी. की बैठकों में गहन विचार–विमर्श

स्वीकृत पाठ्यक्रम स्तर एवं अवधि

S.No.	Name of Course /Programme	Duration
1	Advanced Diploma	One Year
2	Diploma	One Year
3	Certificate	Six months
4	Non Credit Programme	5days to 6months

परिषद् द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम

SN.	Course	Eligibility	SN.	Course	Eligibility
1	PG Dip. In Computer Application	Graduate	25	Certificate in Office Management	10+2
2	PG Dip. In Rural Development	Graduate	26	Certificate in Rural Development	10+2
3	PG Dip. Social Work	Graduate	27	Certificate in Tourist Guide	10+2
4	PG Dip. In NGO Mgt.	Graduate	28	Certificate in GIS	10+2
5	PG Dip. In Library Mgt.	Graduate	29	Certi. in Computer Application	10th
6	PG Dip. In H R D	Graduate	30	Certi. in Data Entry Operator	10+2

7	PG Dip. In Fashion Designing	Graduate	31	Certi.in Participatory Agri-Enterprise Development	10+2
8	PG Dip. In Criminology and Police Administration	Graduate	32	Certi. in Optical Dispensing	10+2
9	PG Dip. In Cyber Law	Graduate	33	Certi. in Office Assistant	8th+16yr
10	PG Dip. In Law of Taxatiuon	Graduate	34	Certi. in Office Front Desk Assistent	8th+16yr
11	PG Diploma in management (Industrial Sefty, Health & Environment)	B.E. Any. Disc./B.Sc. (PCM)	35	Certi. in Medical Records &Health Information Assistant	8th+16yr
12	Advance Diploma in NGO Managment	Graduate	36	Certi. in Dresser & Compounder	8th+16yr
13	Advance Diploma in Social Work	Graduate	37	Certi. in General Duty Assistent Leval 1	8th+16yr
14	Diploma in Management(Fire and Safety)	10+2	38	Certi. in Women Health Worker Assistent lavel 1	8th+16yr
15	Dip. In Computer Programing Application	10+2	39	Certi. in Operation Theatre Assistent lavel 1	8th+16yr
16	Diploma in Social Work	10+2	40	Certi. in Radiotherapy & Cancer Counselling Assistent lavel 1	8th+16yr
17	Diploma In Computer Application	10+2	41	Certi. in General Duty Assistent Leval 2	After lavel 1
18	Dip. in Organic Agriculture	10+2	42	Certi. in Women Health Worker Assistent lavel 2	After lavel 1
19	Dip. in Vision Technician	10+2	43	Certi. in Operation Theatre Assistent lavel 2	After lavel 1
20	Diploma in Operation Theatre Assistent	10+2	44	Certi. in Radiotherapy & Cancer Counselling Assistent lavel 2	After lavel 1
21	Diploma in Medical Laboretary Assistent	10+2	45	Certificate in Dona Pattal Making	Literate
22	Diploma in Multipurpose Health Care Worker	10+2	46	Certificate in Mehdi Kala Training	Literate
23	Diploma in Radiology Assistent	10+2	47	Certificate in Hair Cutting & Threading	Literate
24	Diploma in Radiotherapy & Cancer Counselling Assistent	10+2	48	Certificate in Fruit & Vegetable Prossesing	8th
49	Diploma in Midwifery	10+2	75	Certificate in Hand Pump Repairing	Literate
50	Diploma in ICCU Assistent	10+2	76	Certificate in Bag Making	5th
51	Diploma in Office Co-Ordination	10+2	77	Certificate in Jelly Production	Literate
52	Diploma in Watershed Management and Rain water harvesting	10+2	78	Certi. in Beautition Part-I	Literate
53	Dip. Jwellary Design	10+2	79	Certi. in Beautition Part-II	Literate
54	Dip. In Food & Nutrition	10+2	80	Certi. in Food Processing (Cooking)	Literate
55	Dip. in Rural Development	10+2	81	Certi. in Housekeeping Management	10th
56	Diploma in Data Entry Operator	12th	82	Certi. in Sewing Part-I	Literate
57	Diploma in Financial Accounting & Tally	12th	83	Certi. in Sewing Part-II	Literate
58	Diploma in Computer Hardware & Networking	12th	84	Certi. in Soft Toys Manufacturing	Literate
59	Dip. In NGO Management	10+2	85	Certi. in Stiching (Kadhai)	Literate
60	Diploma in Beauty Therapy and Health Care	10+2	86	Certi. in Fast Food Vendour	10th
61	Diploma in Garment manufacturing and Enterpreneurship	10+2	87	Certi. in Front Office	10th

62	Diploma in Watershed Management and Rain water harvesting	10+2	88	Certi. in Spoken English	10th
63	Certi. in Entrepreneurship & Skill Development	10+2	89	Certi. in Agarbatti Training	8th Pass
64	Certi.in Live Stock Management	10+2	90	Certi. in Basic Computer - MS Office	10th
65	Certi. in Community Driven Development	10+2	91	Certi. in Beautition Course	8th Pass
66	Certi. in Horticulture & Orchard Mnagement	10+2	92	Certi. in Right-to-Information	10+2
67	Certi. in Seed Mgt.& Seed Self Reliance	10+2	93	Certi. in Social Audit	10+2
68	Certi. In Financial Acc. & Tally	10+2	94	Certi. in District Decentralized Planning	10+2
69	Certi. in Watershed Development Management	10+2	95	Certi. in Electrition Course	8th Pass
70	Certi. In Enterprises Development	10+2	96	Certi. in Hospitality and House-Keeping	8th Pass
71	Certi. in Computer Hardware and Networking	10th	97	Certi. in Mobile Repairing	8th Pass
72	Certi. in Social Work	10+2	98	Certi. in Motercycle Repairing	8th Pass
73	Certificate in Project Management	10+2	99	Certi. in Tailoring Course	8th Pass
74	Certificate in Plumbing	Literate			

पंजीयन

Course Name	2017-18	
	Enroled	Passout
PGDM	30	25
D M (Fire & Safty)	19	12
Adv. Dip. in NGO Mgt.	4	1
Dip. In Social Work	6	5
PGDCA	291	241
DCA	568	401
Dip. in Rainwater Harvesting	6	4
Dip. In Operation Theater Asstt.	8	7
Dip. in Vision Technician	20	17
Certi. In Sewing part I	12	12
Certi . in Beautician part I	18	16
PG Diploma in RD	3	3
Diploma in Midwifery Asst.	8	7
Diploma in Food Nutrition	2	2
Diploma in Rural Development	8	7
DCPA	11	1
Certificate in Data Entry Operator	13	1
Certificate in Financial Accounting & Tally	3	1
	1096	828

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ से सत्र 2016–17 तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत एवं प्रषिक्षण में सफल छात्रों का विवरण निम्नानुसार हैः–

Session	Registered Centers	Courses Run by Centers	No. of course	No. of Students registered	No. bof passed Students
2014-15	13	10	23	1034	1004
2015-16	44	25	41	721	568
2016-17	38	24	23	1044	800
2017-18	34	21	24	1096	828

गतिविधियाँ

मध्यप्रदेश में कौशल संवर्द्धन की संभावनायें एवं चुनौतियाँ – प्रादेशिक कार्यशाला

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय के अन्तर्गत कौशल विकास, उद्यमिता विकास एवं नवाचार पर कार्याशाला 01 फरवरी 2014 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री जे. एन. कनसोटिया रहे। कार्यशाला में योजना के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के प्रभारी एवं अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक–गणों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये।

मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के आयाम – क्षेत्रीय कार्यशाला

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में दिनांक 14.08.2014 ''आदिवासी समुदाय में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के आयाम'' विषय पर एक–दिवसीय विचार मंथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव बी. राजगोपाल नायडू ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. वीणा घाणेकर, सचिव आदिवासी विकास, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल रहीं तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव के. पी. सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेश चन्द्र गौतम एवं प्रबंध मण्डल के सदस्य संग्राम सिंह चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विचार मंथन के इस आयोजन में कम्यूनिटी कॉलेज के प्राचार्यगणों सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशकों सहित विशेषज्ञों की सहभागिताा रही।

प्रादेशिक कार्यशाला

मध्यप्रदेश में कौशल विकास से रोजगार सृजन की संभावनायें एवं चुनौतियाँ

दिनांक 18.12.2014 को ''कौशल विकास से रोजगार सृजन'' पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ ही प्रबन्धन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आर. सी. सिंह, कुलपति के तकनीकी अधिकारी डा. डी. पी. राय, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम के निदेशक

डा. अमर जीत सिंह, कम्प्यूटर प्रभारी डा. सीता शरण गौतम, प्राध्यापक डा. आन्जनेय पाण्डेय, ई. राजेश सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना परिषद की बैठक एवं अन्य गतिविधियाँ

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना परिषद की बैठक में सामुदायिक महाविद्यालय योजना के द्वारा कौशल विकास के कार्यक्रमों को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में विस्तारित करने के सम्बन्ध में सम्मानित सदस्यों द्वारा सुझाव दिये गये तथा आशा व्यक्त की गयी कि उद्यमिता, कौशल विकास संवर्धन के क्षेत्र में हम मध्यप्रदेश को देश के पटल पर प्रतिष्ठित करने में विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निर्वहन करेगा।

विविध गतिविधियों की झलक

प्रमाणपत्र वितरित करते कुलपति

प्रमाण पत्र वितरित करते निदेशक

सामुदायिक महाविद्यालय केन्द्र में परीक्षार्थी

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रदेश के अनुसूचित जन–जाति वर्ग के छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण : एक अभिनव पहल

विश्वविद्यालय ने आदिम जाति कल्याण विभाग की इकाई मध्यप्रदेश रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से आदिम जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में छात्र–छात्राओं के लिए एक–वर्षीय डिप्लोमा इन कम्प्यूटर पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। कार्यक्रम की

विशेषता यह रही कि छात्र को बिना किसी भटकाव के अपने छात्रावास परिसार में ही सुयोग्य प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में स्थापित की गई कम्प्यूटर प्रयोगशाला में प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण से अब तक दस हजार से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। आदिवासी एवं जानजातीय वर्गों के क्षमता संवर्द्धन की दृष्टि से विश्वविद्यालय का यह अभूतपूर्व प्रयास है, जिसे सम्पूर्ण प्रदेश में सराहना और प्रतिष्ठा मिली है।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम

महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट राष्ट्रऋषि नानाजी की परिकल्पना का जीवन्त स्वरूप है। देश के पहले ग्रामीण विश्वविद्यालय के रूप में अपने कायक्रमों और उपलब्धियों से विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा क्षितिज पर अमिट छाप छोड़ी है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय **'सबका साथ सबका विकास'** और **'आओ बनायें स्वर्णिम मध्यप्रदेश'** के संदेशों के साथ विकास का लाभ समाज के अन्तिम व्यक्ति को प्रदान करने में सहयोग कर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के **'एकात्म मानवतावाद'** की परिकल्पना को यथार्थ रूप देना चाहता है। विश्वविद्यालय अपने यशस्वी कुलपति **प्रो. नरेश चन्द्र गौतम** के सक्षम मार्गदर्शन में निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय अपने नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा वैकल्पिक शिक्षा पद्धतियों का और सामुदायिक महाविद्यालय व विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से भी कौशल शिक्षा व कुशल शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहा है। स्थापना काल से ही विश्वविद्यालय रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों के निवासियों के लिये बी.एस.डब्ल्यू. (नेतृत्व विकास) जैसे पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को केवल परिसर तक ही सीमित न रखते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रसार से आम व्यक्ति के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ''सबका साथ सबका विकास'' का नारा दिया है, जिसे साकार करने के लिये मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्रीयुत् शिवराज सिंह चौहान सतत् प्रयत्नशील हैं। मध्यप्रदेश के विकास के लिये लक्ष्य और नीतियों के निर्धारण का दस्तावेज मध्यप्रदेश विजन–2018 बनाया गया है, जिसमें अन्य अनेक आयामों के साथ प्रदेश के मानव शक्ति के विकास पर विशेष बल दिया गया है। दस्तावेज में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास में महिलाओं को बराबरी की भागीदारी मिले। प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास के लिये मध्य प्रदेष शासन द्वारा वर्तमान में 200 से अधिक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इनमें से अधिकाँश योजनाएँ समाज के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं के उत्थान, सामाजिक, आर्थिक विकास एवं उनके

प्रति समाज में सकारात्मक भावना विकसित करने हेतु संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक तभी पहुँचाया जा सकता है, जब इनके क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण में समाज की भागीदारी हो।

प्रत्येक समाज में कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज के विकास एवं उत्थान के लिए कार्यरत होते हैं। यदि ऐसे लोगों को चिन्हित कर जागरूक, क्षमता सम्पन्न एवं सशक्त कर दिया जाए तो वे अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित तरीके से समाज के विकास के लिए कार्य कर सकेंगे। ऐसे ही स्व–प्रेरणा से प्रयासरत लोगों को शिक्षित कर सशक्त सामाजिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करने हेतु **मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम** का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य स्वप्रेरणा से ग्राम विकास में योगदान के अभिलाषी नवयुवकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास और सामाजिक हितों में उनका अधिकतम उपयोग है।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास अध्ययन केन्द्र भवन

म. मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भवन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत समाजकार्य स्नातक (सामुदायिक नेतृत्व में विशेषज्ञता सहित) पाठ्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के रजत जयन्ती महोत्सव 12 फरवरी 2015 से हुआ। वर्तमान में यह पाठ्यकम मध्यप्रदेश के सभी 51 जिलों एवं 313 विकासखण्डों में संचालित किया जा रहा है।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे कुशल ग्रामीण विकास कार्यकर्ता तैयार किये जा रहे हैं, जो सबकी सहभागिताा से गॉव का विकास करने के लिये समस्त आवश्यक सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान, कौशल एवं मनोवृत्ति को प्राप्त कर विकास के नेतृत्व के लिए तैयार रहें। इस प्रकार प्रषिक्षित कुषल मानव संसाधन न केवल अपना विकास कर रहे हैं बल्कि पूरे समूह को विकास के लक्ष्य की ओर ले जाने में सक्षम हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ 12 फरवरी 2015 को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस–रजत जयन्ती वर्ष के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री मा. माया सिंह जी के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री बी.आर. नायडू, पूर्व कुलपति डॉ. टी. करुणाकरन एवं आई.सी.डी.एस. निदेशक श्रीमती पुष्पलता सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। साथ में हैं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेश चन्द्र गौतम

समतुल्यता एवं मान्यता

यह पाठ्यक्रम उच्च षिक्षा के सर्वोच्च निकाय, विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ;न्ळब्द्धए नई दिल्ली के दूरवर्ती माध्यम से संचालित पाठ्यक्रमों के लिए गठित मान्यतादायी निकाय दूरवर्ती षिक्षा ब्यूरो ;क्म्ठद्ध से मान्यता प्राप्त है। पाठ्यक्रम के अध्ययन विषय/प्रष्नपत्र विष्वविद्यालय अनुदान आयोग के मॉडल कैरिकुलम ;डवकमस ब्नततपबनसनउद्ध के अनुरूप तैयार किये गये हैं। पाठ्यक्रम अन्य विष्वविद्यालयों में संचालित समाजकार्य स्नातक पाठ्यक्रम के समतुल्य है।

भोपाल और वाराणसी में अध्ययन मण्डल की बैठकें

पाठ्यक्रम की विशेषतायें

पाठयक्रम का उद्देश्य गॉव–गॉव में ऐसे क्षमतावान नवयुवक–नवयुवतियों को तैयार करना है, जिन्हें ग्राम विकास के समस्त आयामों की अच्छी समझ हो और जो प्रदेश शासन की कल्याणकारी योजनाओं की पूरी जानकारी रखते हों। गॉव में परिवर्तन के दूत के रूप में इन स्वयंसेवकों द्वारा सु–पात्र व्यक्तियों को विविध शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाकर प्रदेश को विकास के सूचकांकों में निरन्तर उन्नत स्थान दिलाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

नैसर्गिक नेतृत्व विकास

समाज में ऐसे बहुत से लोग है, जो सामाजिक कार्य के लिए योग्यता रखने के साथ ही बिना किसी इनाम की आकांक्षा के

समुदायों और अभियान में स्वयं अपनी सेवाओं को समर्पित करने के लिए तत्पर रहते हैं। सच्चे अर्थों में वे ही नैसर्गिक सामुदायिक नेता है, जो समाज में योगदान देकर स्वयं तृप्त होते हैं और संतोष का अनुभव करते हैं। उचित मंच या अवसर के अभाव में उनकी यह सकारात्मक ऊर्जा या तो अप्रयुक्त रह जाती है या कम महत्व के कार्यों में खर्च हो जाती है। इस पाठ्यक्रम की परिकल्पना है कि ऐसे लोगों का चयन करके, उनमें नेतृत्व के गुणों का विकास किया जा सके, जिससे वे प्रभावी समुदायिक नेता बनकर राज्य एवं समुदाय के विकास कार्यक्रमों के बीच सेतु के रूप में कार्य कर सकें।

वर्चुअल कक्षाएं

ग्रामीण समाज के कई लोग गरीबी व अन्य कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं तथा अपने जीवन यापन के लिए अपने निवास स्थान के पास ही सरकारी या गैरसरकारी योजनाओं / परियोजनाओं में कार्यरत होते हैं। उनमें नैसर्गिक नेतृत्व गुण तो हैं पर इस हेतु प्रोफेशनल शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए हैं और पारिवारिक उत्तरदायित्व के कारण उच्च शिक्षण संस्थानों का रुख नहीं कर पाते हैं। विश्वविद्यालय ने ऐसे लोगों को ही ध्यान में रखकर इस पाठ्यक्रम की शुरुआत की है तथा वर्चुअल कक्षाओं के माध्यम से उनके स्थान पर ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। योग्य प्राध्यापकों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी की तकनीक का प्रयोग कर चित्रकूट से एक साथ मध्य प्रदेश के विभिन्न विकास खंडों में जन अभियान परिषद व आदिम जाति विकार विभाग में कार्यरत लोगों को बी एस डब्ल्यू की शिक्षा प्रदान कर रहा है। छात्र अपने स्थान से ही शिक्षकों से संवाद कर सकते हैं व किसी विषय से संबंधित प्रश्न कर उसका उत्तर प्राप्त कर सकते हैं।

वंचित वर्गों का सशक्तीकरण

इस पाठ्यक्रम के संचालन से अपेक्षा है कि वंचित वर्गों का सशक्तीकरण हो। समाज में विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी अनेक महिलायें हैं जिन्होंने इण्टरमीडिएट स्तर तक शिक्षा प्राप्त की किन्तु अनेक सामाजिक–आर्थिक कारणों से आगे शिक्षा प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकीं, जिससे क्षमता के बावजूद

भविष्य के अवसर से वे वंचित रह गयी हैं। पाठ्यक्रम ऐसी महिलाओं को उनके द्वार पर ही उच्च शिक्षा की उपलब्धता से सशक्तीकरण प्रदान करना चाहता है।

मार्गदर्शकों (मेंटर) की व्यवस्था

इस पाठ्यक्रम में छात्रों को उनके कार्य की जगह पर अनुभवी और योग्य मार्गदर्शकों (मेंटर) का साथ मिलता है जिससे वे अच्छी तरह तैयारी कर सकें। मेंटर की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। प्रत्येक छात्र किसी न किसी मेंटर से जुड़ा है जो उसे कक्षा व फील्ड दोंनो जगह मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सप्ताह में एक दिन वर्चुअल क्लास के अलावा नियमित कक्षाओं की व्यवस्था मेंटरों के अधीन है।

व्यवहारगत परिवर्तन

परम्परागत समाज या पूर्वाग्रहग्रस्त समाज में युगानुकूल परिवर्तन लाये बिना विकास सम्भव नहीं है। विकास के लिए समाज में अनुकूल वातावरण तैयार करना युग की आवश्यकता है। इसके लिए आवश्यकतानुसार परम्पराओं, रीति–रिवाजों और मान्यताओं में परिवर्तन किया जाना आवश्यक है। यह शिक्षा द्वारा ही सृजित किया जा सकता है। मुख्यधारा की शैक्षणिक व्यवस्थाओं की सीमाओं के कारण सभी वर्ग विशेषकर किसी संस्थान या विभाग में कार्यरत लोग पूरा लाभ

नहीं उठा पाते। पाठ्यक्रम ऐसे लोगों को लोचशीलता के साथ गुणात्मक सैद्धान्तिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण देने का एक रचनात्मक उपागम है। वर्तमान में प्रचलित पाठ्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता को उसी परिवेश में पुष्पित पल्लवित करने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि उनमें सैद्धान्तिक विषय–वस्तु अधिक है और जमीनी स्तर पर व्यावहारिक कार्यान्वयन के अवसर कम। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से यह अपेक्षा है कि इसके प्रभावी कार्यान्वयन से लोगों की मनःस्थिति और समाज की परिस्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आयेगी।

वांछित मानव शक्ति का विकास

समय की आवश्यकतानुसार विकास परियोजना के वाहक शासकीय एवं गैरशासकीय मानव कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। ऐसे कार्यक्रम प्रायः एक उद्देश्य विशेष पर केन्द्रित और अल्पावधि के होते हैं, जिससे दीर्घकालिक रणनीति बनाना सम्भव नहीं होता है। कभी–कभी सामाजिक समस्याओं का स्वरूप इतना जटिल और बहुआयामी होता है कि किसी एक आयाम पर किये गये प्रयास तब तक फलीभूत नहीं होते जबतक कि समग्रता से चिंतन और प्रयास न हों। यह पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न आवश्यक आयामों के संयोजन से परिपूर्ण है, जिससे दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों के निर्धारण और उन्हें प्राप्त करने की योजनाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक मदद मिलेगी।

विकास हेतु जन–अभियान

विकास की योजनायें शासन केन्द्रित होने के कारण सक्रिय जनसहभागिताा जुटाने में प्रायः उतनी सफल नहीं होती। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र में ऐसा नेतृत्व विकसित हो जो स्थानीय संसाधनों एवं स्थानीय लोगों की मदद से स्थानीय समस्याओं के समाधान की पहल कर सके।

इस हेतु लोगों को जोड़कर एक अभियान का रूप देना और उसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। विकास के लिए प्रचलित अनेक सामुदायिक, प्रशासनिक संगठन हैं, किन्तु विकास हेतु स्वःस्फूर्त ऊर्जा से प्रचालित और प्रभावी सामुदायिक जन–अभियान विकसित करना इस पाठ्यक्रम का एक दूरगामी लक्ष्य है। मध्यप्रदेश शासन की जन–अभियान परिषद विकास परियोजनाओं में जनसहभागिताा को

जन–अभियान के रूप में लोकप्रिय बनाने में गैर सरकारी संगठनों को प्रेरित करके इस पाठ्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान कर सकेगी।

पाठ्यक्रम हेतु अभिनव स्व–निर्देशित सामग्री का निर्माण

पाठ्यक्रम संचालन हेतु विद्यार्थियों को उद्देश्य के अनुरूप उच्च स्तरीय स्व–निर्देशित अध्ययन सामग्री का निर्माण विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण चुनौती था। इसे विश्वविद्यालय ने सहर्ष स्वीकार किया। राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों के मार्गदर्शन में उनके अनुभवों का लाभ लेकर सामग्री तैयार कराया जाना सुनिश्चित किया गया। इस हेतु विद्वानों की कार्यशालायें विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गईं और विशेषज्ञों के योगदान से विभिन्न विषयों के स्तरीय मॉड्यूल तैयार किये गये।

प्रथम वर्ष की सामग्री हेतु कार्यशालायें :

प्रथम वर्ष की स्व–निर्देशित अध्ययन सामग्री के निर्माण के लिए समस्त कार्यशालायें भोपाल स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग की इकाई एकीकृत बाल विकास योजना के राज्य स्तरीय कार्यालाय वात्सल्य भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल में सम्पन्न हुईं। सामग्री निर्माण के लिए विशेषज्ञों की अनेक कार्यशालायें सम्पन्न हुईं।

द्वितीय वर्ष की सामग्री हेतु कार्यशालायें :

द्वितीय वर्ष की अध्ययन सामग्री के निर्माण हेतु निम्नानुसार कार्यशालायें आयोजित की गईं–

- प्रथम कार्यशाला : 25–28 फरवरी 2016, राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल।
- द्वितीय कार्यशाला : 18–25 मई, 2016,
- तृतीय कार्यशाला : 27–30 मई, 2016, अरेरा हिल्स, भोपाल।
- चतुर्थ कार्यशाला : 08–10 जुलाई, 2016, भोपाल।
- वेटिंग कार्यशाला : 25–31 अक्टूबर, 2016, चित्रकूट।

तृतीय वर्ष की सामग्री हेतु कार्यशालायें

स्व–निर्देशित अध्ययन सामग्री निर्माण कार्यशालाओं में विशेषज्ञों द्वारा विचार–विमर्श

तृतीय वर्ष की अध्ययन सामग्री के निर्माण हेतु निम्नानुसार कार्यशालायें आयोजित की गईं–

- प्रथम कार्यशाला– 21–24 नवम्बर, 2016, पर्यावास भवन, भोपाल।
- द्वितीय कार्यशाला – 04–06 दिसम्बर, 2016, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, (उ.प्र.)।
- तृतीय कार्यशाला – 20–25 जनवरी, 2017, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट।
- चतुर्थ कार्यशाला – 04–06 मार्च, 2017, पर्यावास भवन, भोपाल।

परामर्शदाता प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए पूरे मध्यप्रदेश में 364 अध्ययन केन्द्रों पर छात्रों को दो हजार से अधिक परामर्शदाताओं **(Mentors)** के माध्यम से अनुभवी एवं विद्वत मार्गदर्शन प्राप्त होता है। परामर्शदाताओं को विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षित परामर्शदाता सैद्धान्तिक विषयों में मार्गदर्शन देने के साथ ही प्रायोगिक कार्य के नियोजन एवं क्रियान्वयन में मित्र, चिंतक एवं मार्गदर्शक की भूमिका का सफलता–पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

मेटर्स की संख्या – एक दृष्टि में :

1.	महिला बाल विकास विभाग के मेंटर्स	306
2.	आदिम जाति कल्याण विभाग के मेंटर्स	515
3.	मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मेंटर्स	1,341
	पंजीकृत कुल छात्र	34,938
	कुल मेंटर्स	2,162

संपर्क कक्षायें

दूरवर्ती पद्धति से संचालित इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक रविवार को संपर्क कक्षायें संचालित होती हैं। संपर्क कक्षाओं के लिए जिले और विकासखण्ड स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालयों / डायट केन्द्रों को अध्ययन केन्द्र के रूप में मान्य किया गया

है। परामर्शदाताओं के सुयोग्य मार्गदर्शन में इन संपर्क कक्षाओं में संबंधित माड्यूल्स से निर्धारित विषय रखा जाता है और परामर्श, परिचर्चा और अनुभव साझा कर विद्यार्थी अभिनव पद्धति से सीखते हैं। प्रायोगिक कार्यों में आने वाली कठिनाइयाँ और उनका सम्यक समाधान संपर्क कक्षाओं को और रूचिकर तथा उपयोगी बनाते हैं।

वर्चुअल कक्षायें एवं ई–कन्टेन्ट प्रोडक्शन :

ई–लर्निंग सेंटर कंट्रोल एवं ब्राडकास्ट कक्ष

ई–लर्निंग सेंटर रिकार्डिंग कक्ष

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से वर्चुअल कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु चित्रकूट स्थित मुख्यालय में ई–लर्निंग सेंटर के अंतर्गत ई–लर्निंग कट्रोल एवं ब्राडकास्टिंग कक्ष एवं रिकार्डिंग स्टूडियो बनाया गया है, जो दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। चित्रकूट में विश्वविद्यालय परिससर से छात्रों की वर्चुअल कक्षाओं का संचालन शीघ्र प्रारम्भ किया जा रहा है। पूर्व में एन.के.एन. (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) के माध्यम से छात्रों को विख्यात विद्वानों का मार्गदर्शन वर्चुअल क्लास के माध्यम से किया जाता था। वर्चुवल कक्षा प्रति रविवार आयोजित की जाती है। इसके लिये विश्वविद्यालय में एक ई–लर्निंग सेन्टर की स्थापना विश्वविद्यालय में की गई है। इस केन्द्र के द्वारा छात्रों को ई–बुक्स एवं प्रसिद्ध विद्वानों के सैद्धांतिक एवं प्रयोगिक विषयों से संबंधित ज्ञान को रिकार्ड करके रखा दिया जाता है।

प्रायोगिक कार्य : असाइनमेंट, फील्ड वर्क एवं इन्टर्नशिप

व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क, इंटर्नशिप) पाठ्यक्रम का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मेंटर्स या विशेषज्ञों के द्वारा दिये गये परामर्श से अभ्यर्थी को पूरा करना होता है। प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम के अनुसार विद्यार्थी को व्यावहारिक अभ्यास कार्य पुस्तिका/प्रेक्टिकल मैनुअल भी प्रदान किया गया है। वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क, इंटर्नशिप) में सफल होना आवश्यक है। व्यावहारिक अभ्यास कार्य पर निर्धारित क्रेडिट सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के कुल क्रेडिट के बराबर हैं। अर्थात् प्रश्नपत्र का 50 प्रतिशत व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क, इंटर्नशिप) पर है।

व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क, इंटर्नशिप) का आयोजन पूर्व में घोषित निर्धारित रविवार को आयोजित होने वाली सम्पर्क कक्षाओं के अलावा कभी भी किया जा सकता है। व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क, इंटर्नशिप) के लिये अभ्यर्थी ग्राम/क्षेत्र विषय एवं कार्यों/गतिविधियों का चयन संबंधित मेंटर के परामर्श से अपनी सुविधानुसार करते हैं। इसके लिए प्रत्येक वर्ष के लिए तीन–तीन कार्यक्षेत्र आयाम तय किये गये हैं, जिनकी सूची निम्नांकित है–

वर्ष	कार्यक्षेत्र
प्रथम	1. बच्चों के अधिकार, कानून, योजनायें व व्यवस्थायें 2. अनुसूचित जाति, जनजाति और उपेक्षित तबकों के अधिकार कानून योजनायें 3. महत्वपूर्ण श्रम कानून और मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल एवं विभिन्न विभागों की योजनाएं
द्वितीय	1. महिला सशक्तिकरण कानून, अधिकार और व्यवस्थाएं 2. ग्रामीण विकास के कार्यक्रम एवं पंचायत राज व्यवस्था 3. जवाबदेह तंत्र– सी.एम. हेल्प लाईन, सूचना का अधिकार, लोकसेवा गारंटी
तृतीय	1. जमीन के हक और उससे जुड़े कानून 2. पर्यावरण, जैव–विविधता, जलवायु परिवर्तन से जुड़े कानून और कार्यक्रम 3. मध्य प्रदेश में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित योजनाएं

व्यावहारिक अभ्यास कार्य (एसाइनमेंट, फील्ड वर्क) 100 अंकों का होता है, जिसमें से क्षेत्रीय कार्य के लिए 30–30=60 अंक एवं एसाइनमेंट के लिए 20–20=40 अंक निर्धारित किये गये हैं। 100 अंकों में से आधे अर्थात् 50 अंक आंतरिक एवं 50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन के आधार पर दिए जायेंगे। आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक के 50 अंकों में से फील्ड वर्क़ इंटर्नशिप के लिए 30 अंक एवं एसाइनमेंट के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में क्षेत्रीय कार्य (थ्पमसक ॅवता) के विषय के रूप में समस्त अभ्यर्थियों को ''स्वच्छ भारत अभियान'' से संबंधित कार्यो को करना है। इसी प्रकार द्वितीय वर्ष में क्षेत्रीय कार्य (थ्पमसक ॅवता) के विषय के रूप में समस्त अभ्यर्थियों को ''साक्षर भारत अभियान'' से संबंधित कार्यो को करना है। तृतीय वर्ष में क्षेत्रीय कार्य (थ्पमसक ॅवता) के विषय के रूप में समस्त अभ्यर्थियों को ''स्वच्छ भारत अभियान'' एवं ''साक्षर भारत अभियान'' की पूर्व में चयनित गतिविधियों में शेष कार्यो को पूरा करना है।

कार्यों का प्रति माह प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होता है, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अंत में निर्धारित तिथि को बाह्य परीक्षक के द्वारा किया जाता है। चयनित ग्राम में सामुदायिक सहभागिताा के द्वारा उपरोक्त गतिविधियों को संचालित करना तथा कार्य प्रतिवेदन तैयार किया जाता है। एसाइनमेंट (प्रदत्त कार्य) करने हेतु प्रत्येक माह के लिए एक प्रदत्त कार्य तथा पूरे वर्ष के लिए 10 प्रदत्त कार्य के विषय/गतिविधियाँ निर्धारित की

जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक माह में किसी एक विषय पर केन्द्रित प्रदत्त कार्य संबंधित मेंटर द्वारा प्रदान किया जायेगा जिसे पूर्ण कर अभिलेखीकरण सहित अध्ययन केन्द्र में जमा करना अभ्यर्थी का दायित्व होगा। प्रदत्त कार्य के लिए प्रतिमाह के कार्य के लिए आंतरिक मूल्यांकन के लिये 02 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार वर्ष भर के 10 माह के लिये 10 प्रदत्त कार्य किये जाने होंगे, जिन पर अधिकतम 20 अंक होंगे। प्रदत्त कार्यों के लिये कार्य/थीम का चयन विश्वविद्यालय द्वारा किया जायेगा। इन 20 अंकों में से ही कार्य के अनुरूप अंक प्रदान किए जायेंगे। व्यावहारिक कार्य गतिविधियों का तीसरा और अनिवार्य अंग है– इंटर्नशिप। इंटर्नशिप छात्र को दूसरे और तीसरे वर्ष में करनी होती है, जहाँ वह किसी संस्थान में निर्देशित कार्यों को निरंतरता के साथ पूर्ण कर संस्थागत वातावरण में सीखे हुए सैद्धांतिक ज्ञान को परीक्षित करने का महत्वपूर्ण अवसर पाता है।

पाठ्यक्रम संचालन

पाठयक्रम प्रदेश के 51 जिला मुख्यालयों में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से, 89 आदिमजाति बाहुल्य विकासखण्डों में आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग से और 224 गैर–अनुसूचित जाति विकासखण्डों में मध्यप्रदेश जन–अभियान परिषद के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

क्र.	गतिविधि	स्थान	पंजीकृत छात्र
1.	महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से	51 जिला मुख्यालय पर	5,155
2.	आदिम जाति कल्याण विभाग	89 आदिम जाति विकासखण्डों में	8,459
3.	मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद	224 गैर आदिमजाति विकासखण्डों में	21,324

छात्र पंजीकरण सत्र 2017–18 – एक दृष्टि में:

Details	I Yr			II Yr			III Yr			Total
Total Student	1900	2568	8995	1770	3137	6909	1485	2754	5420	33356
Genral	534	144	2040	513	61	2164	475	67	1595	7593
OBC	700	270	4242	775	250	3575	596	218	3118	13744
SC	295	92	1019	276	75	832	248	90	504	3431
ST	102	1979	455	198	2730	383	132	2358	232	8569
Other	0	2	6	8	21	51	34	21	29	172
Male	397	1289	5646	411	1416	4166	7	1380	3847	17758
Female	1503	1324	3349	1359	1721	2569	1478	1374	1593	15444
Total	13463			11816			9659			33356

वर्तमान में यह पाठ्यक्रम सम्पूर्ण प्रदेश के सभी 51 जिला मुख्यालयों और सभी 313 विकासखण्डों इस प्रकार कुल 364 केन्द्रों में संचालित है। इस पाठ्यक्रम में लगभग तीस हजार छात्र ग्रामीण क्षेत्रों में विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये आवश्यक सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह पाठ्यक्रम निम्नलिखित लक्ष्यों पर केन्द्रित है:

- प्रदेश में विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप वांछित मानव संसाधन का विकास।

- वंचित वर्गों विशेषकर महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास।
- ग्रामीण क्षेत्रों में शासन पर निर्भरता कम कर स्वयं के साधनों से समस्याओं के समाधान की पहल की प्रवृत्ति का विकास।
- विकास कार्यकर्ताओं को क्षमता संवर्धन के लिए एक उचित अवसर।
- विकास को जन–अभियान बनाने की दृष्टि से मनःस्थिति और परिस्थिति में परिवर्तन।
- कार्यशील मानव कार्यबल की क्षमता वृद्धि।
- गैर–सरकारी विकास संगठनों में क्षमता संवर्धन से अपेक्षित परिणाम की प्राप्ति।
- पाठ्यक्रम के व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक कार्य के द्वारा प्रदेश के 313 विकासखण्डों के 30 हजार से अधिक गांवों में सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जारी है।

1. जय अक्षर जय साक्षर :

2. स्वच्छता में ईश्वर का वास

प्रथम वर्ष के समस्त छात्रों ने अपनी सुविधानुसार किसी एक ग्राम का चयन करके वहाँ स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत निम्नांकित कार्य किया–

- शौचालय विहीन परिवारों की पहचान
- शौचालय निर्माण हेतु प्रेरणा गोष्ठियों का आयोजन
- शासन से उन्हें अनुदान उपलब्ध कराने में सहयोग
- शौचालय के प्रयोग हेतु प्रेरित करना
- वाह्य शौच मुक्त ग्रामों का निर्माण

स्वच्छ भारत अभियान के लिए जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों के अथक परिश्रम से अनेक ग्राम, ग्राम पंचायतें और विकासखण्ड ओ.डी.एफ. श्रेणी के घोषित किये गये। इससे समग्र स्वच्छता अभियान को एक नई ऊर्जा और पहचान मिली ग्राम पाली विकासखण्ड, जैतहारी, जिला अनूपपुर में सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्र श्री भगवत पनिका द्वारा 263 शौचालयों के निर्माण हेतु प्रेरित करने पर कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री स्वच्छता सम्मान प्रदान किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए मा. मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान ग्राम पंचायत भांडवा को ओडीएफ किये जाने हेतु बीएसडब्ल्यू छात्र श्री शंकरलाल चौहान को 26 जनवरी 2017 को पुरूस्कार प्राप्त करते हुए।

खुले मे शौच मुक्त करने हेतु ग्रामीणों को ट्रिगर विधि द्वारा समझाईस देते बीएसडब्ल्यू छात्र शंकरलाल चौहान, सुखनंदन उइके एवं मेंटर श्री लवकेश मोर्से

छात्रों के प्रयासों से शौचालय विहिन परिवारों में से आधे से अधिक परिवारों ने अपने घरों में शौचालय का निर्माण कराया है।

3. जल ही जीवन है

व्यावहारिक कार्य के अंतर्गत छात्रों ने अनेक स्थानों पर जल संरचनाओं के निर्माण एवं जल स्रोतों की सफाई का महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न किया। छात्रों ने अपने प्रयासों से जीवन में जल के महत्व को न केवल ग्रामीणजनों को समझाया बल्कि परंपरागत जल संरचनाओं को जीवित करने और जल संचयन के लोकव्यापीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

4. हम बदलेंगे युग बदलेगा

प्रभावी संचार के द्वारा और सक्रिय सामूहिक सहभागिताा के साथ व्यवहारगत परिवर्तन लाना पाठ्यक्रम के मूलभूत उद्देश्यों में एक है। इस हेतु अनेक गतिविधियों का संचालन प्रायोगिक कार्य के रूप में पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा किया गया।

5. श्रमेव जयते

पाठ्यक्रम के छात्रों को कम्प्यूटर (टेबलेट) प्रदान कर श्रमगारों के पंजीयन का कार्य सर्वेक्षण के आधार पर कराया जा रहा है। इस कार्य में छात्र बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं और लम्बे समय में पूर्ण होने वाले श्रमिकों के ई–रजिस्ट्रेशन का कार्य शीघ्रता से सम्पन्न हो रहा है।

6. नमामि देवि नर्मदे

प्रदेश शासन के द्वारा जल संरक्षण के एक अभूतपूर्व अभियान के रूप में नर्मदा सेवा यात्रा आयोजन हुआ, जिसमें नर्मदा परिक्रमा के द्वारा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा को पुनर्जीवित करने की दृष्टि से अविकल नर्मदा अभियान के तहत एक विराट अभियान सम्पन्न हुआ। स्वयं मुख्यमंत्री श्रीयुत् शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता के कार्यों एवं योगदान की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि ये छात्र हमारे ग्रामों को एक सफल और रचनात्मक नेतृत्व प्रदान करने में सफल होंगे।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

पृष्ठभूमि : ग्रामोदय के लिए कौशल शिक्षा

'विश्व ग्रामे प्रतिष्ठितम' विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य है। सम्पूर्ण राष्ट्र में कोई भी परिवर्तन तभी सार्थक हो सकता है, जब ग्रामीण क्षेत्रों में उसका सफल क्रियान्वयन किया जाये। शिक्षा में कौशल शिक्षा का समावेश ही विकास की गति बढ़ा सकता है। दशकों पूर्व हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने इसकी आवश्यकता समझी थी तथा बुनियादी शिक्षा या नई तालीम पर जोर दिया था जिसके अन्तर्गत छात्र प्राथमिक शिक्षा से ही कौशल या हुनर की शिक्षा पाने लगते हैं। राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने चित्रकूट में महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना करते समय इस बातके महत्व को समझा था और इसी को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामोदय

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में कौशल शिक्षा को प्रमुखता से शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के साथ साथ उन लोगों के लिए भी हैं जो पढ़ाई से वंचित रहे हैं अथवा जिन्हें किसी कारणवश पढ़ाई को बीच में ही छोड़ना पड़ा है।

पाठ्यक्रम :

ग्रामोदय विश्वविद्यालय भारत का पहला विश्वविद्यालय है जिसने स्थापना काल से ही स्नातक स्तर पर अनिवार्य रूप से व्यावसायिक शिक्षा को शामिल किया। साथ ही विश्वविद्यालय ने ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे तबके की ओर भी ध्यान दिया है जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे हैं अथवा शिक्षा छोड़ चुके हैं।

सन् 1991 से अभी तक विश्वविद्यालय ने अपने कैम्पस व कैम्पस के बाहर 30 से ज्यादा ट्रेडों में 50,000 से ज्यादा नागरिकों को कौशल व कुशल शिक्षा प्रदान की है। इनमें खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, कार्यशाला, ऑटोमोबाइल, गृह विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यटन, ग्रामोद्योग आदि कई मुख्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है तथा इन मुख्य क्षेत्रों में 1 माह से 3 वर्ष तक की अलग–अलग अवधियों के पाठ्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षित व प्रशिक्षित कई व्यक्ति निजी उद्यम लगाकर खुद तो रोजगार

प्राप्त कर ही रहे हैं तथा कई अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों तथा पहले से स्थापित निजी उद्यमों में भी हमारे द्वारा प्रशिक्षित छात्र काम कर रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा हेतु कौशल केन्द्र की स्थापना

तीन वर्ष पूर्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारत के 100 विश्वविद्यालयो व अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में सामुदायिक महाविद्यालय व दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्रों के माध्यम से स्नातक स्तरपर कौशल शिक्षा की शुरूआत की है। प्रारंभ में सन् 2016 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय परियोजना स्वीकृत हुई तथा इस हेतु 48 लाख 60 हजार की स्वीकृति प्राप्त हुई। सन् 2015 में बी.टेक. के दो पाठ्यक्रमों– खुदरा प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा नवीकृत ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन की स्वीकृति प्राप्त हुई तथा इस हेतु 01 करोड़ 85 लाख रूपये स्वीकृत किया गया।

विश्वविद्यालय के योगदान को दृष्टिगत रखते हुए हमें पांच विषयों में वी.वोक. व एम.वोक पाठ्यक्रमों को चलाने की स्वीकृति प्राप्त हुई है तथा इस हेतु 04 करोड़ 90 लाख रूपये स्वीकृत किए गए हैं। जिन विषयों की अनुमति प्राप्त हुई है, वे हैं–

(1) खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी
(2) खुदरा व्यापार प्रबंधन
(3) कृषि प्रक्रिया एवं प्रबंधन
(4) नवीकरणीय उर्जा प्रौद्योगिकी
(5) भवन निर्माण प्रौद्योगिकी

सभी पांचो विषयों में बी.वोक. पाठ्यक्रमों की शुरूआत हो चुकी है तथा खुदरा प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी के प्रथम बैच के 11 छात्र पाठ्यक्रम पूर्ण भी कर चुके हैं। इस पाठ्यक्रम में एम.वोक. पाठ्यक्रम की भी शुरूआत हो चुकी है।

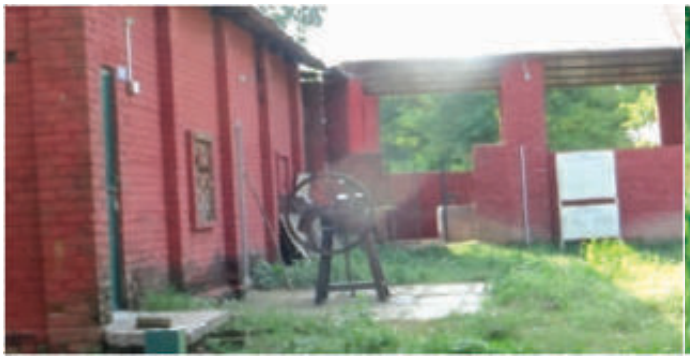

पाठ्यक्रमों से संबंधित विषयों की सूची एवं क्रेडिट विभाजन संलग्नक–1 से 5 तक दी गई है।

आवश्यकता एवं संभाव्यता आधारित पाठ्यक्रम

कौशल केन्द्र द्वारा समयानुकूल व अवसर की मांग के आधार पर भी पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में वहाँ के युवक/युवतियों के रूझान व उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के आधार पर अल्प कालिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इसके अंतर्गत पिछले 02 वर्षों में ग्राम छीर, पालदेव एवं जुगलपुर में 04 ट्रेडों में लगभग 150 महिलाओं एवं पुरुषों का कौशल उन्नयन किया गया।

आज की जरूरत को देखते हुए जी.एस.टी. पर 06 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम एवं 01 वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम आगामी जनवरी 2018 से संचालित किया जायेगा। इन पाठ्यक्रमों में नामांकन जारी है और पाठ्यक्रमों के प्रति काफी रूचि दृष्टिगत हो रही है।

एड ऑन कोर्स

विश्वविद्यालय अपने सभी छात्रों के लिये एड ऑन कोर्सेस के माध्यम से छात्रों को अपने मुख्य पाठ्यक्रम के साथ–साथ उन्हें एक–दो ट्रेडों में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा व उच्च डिप्लोमा प्राप्त करने का विकल्प भी उपलब्ध करा रहा है। जिसके अन्तर्गत उनकी सुविधा के अनुसार कौशल विद्या के कालांश प्रातः या सायंकाल के साथ– साथ अवकाश के दिनों हेतु निर्धारित किये गये है। इसका उद्देश्य छात्रों को शिक्षा काल में ही उद्यमिता विकास का व्यावहारिक अध्ययन कराकर, उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना है। इसके माध्यम से छात्र बेकरी, फल संस्करण, खुदरा व्यापार प्रबंधन, कृषि, सौर उर्जा, विद्युत,

इलेक्ट्रॉनिक्स, डीजल इंजन, सिलाई, कारपेंट्ररी, एल.ई.डी., टी.वी., कम्प्यूटर, आलमारी निर्माण, फेरो सीमेण्ट, जाली निर्माण, बेल्डिंग जैसे पाठ्यक्रमो के साथ–साथ संगीत, चित्रकारी व फोटोग्राफी जैसे पाठ्यक्रमों में भी प्रवीणता हासिल कर रहे हैं।

उद्योगों के साथ अनुबंध

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने कई औद्यौगिक प्रतिष्ठानों/उद्योगोंके साथ एम.ओ.यू. (अनुबंध) किया है। जिसके अन्तर्गत हमारे छात्र विभिन्न औद्यौगिक इकाईयों का भ्रमण/अध्ययन व वहाँ जाकर औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अलावा अपने नियमित अध्ययन काल में इन प्रतिष्ठित इकाईयों के वरिष्ठ व्यक्तियों के सेमिनार/कार्यशाला व विशेष तौर पर आयोजित व्याख्यान से लाभान्वित होते हैं। इससे छात्रों को स्व–रोजगार लगाने की प्रेरणा तो प्राप्त होती ही है, साथ ही साथ औद्योगिक इकाईयों को भी कुशल कामगार प्राप्त होते है। अभी तक डेयरी उद्योग, बिस्कुट उद्योग, दाल मिल, होटल व्यवसाय, खुदरा व्यापार, सौर उर्जा आदि से जुडे औद्योगिक प्रतिष्ठानों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किये जा चुके हैं। कौशल केन्द्र के प्राध्यापकों के साथ उद्योग प्रतिनिधियों का संवाद निरंतर जारी है। जिन औद्योगिक प्रतिष्ठानों से समझौता किया जा चुका है, उनमें प्रमुख हैं–

1. श्याम डेरी, इलाहाबाद
2. पारस डेयरी, लखनऊ
3. पीपीपी इंटरप्राइजेज, गाजियाबाद
4. ए.एस.पी.आई., मिर्जापुर
5. सतना सीमेण्ट वर्क्स, सतना
6. विन्ध्या इंडस्ट्रियल एण्ड टेक्निकल कंसल्टैंसी आर्गनाइजेशन, सतना
7. डायमण्ड बेकरी, सतना
8. यूरो स्टार एण्ड ट्रेवल्स, खुराहो

हमारे सभी पाठ्यक्रम इस प्रकार से तैयार किये गये हैं कि छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात किसी उद्योग में कार्य करने अथवा स्वयं का उद्योग लगाने में कोई कठिनाई न हो। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रीय कौशल परिषदों के मानकों का पालन किया गया है तथा उनके द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इससे संबंधित जानकारी संलग्नक–6 में दी गई है।

एस.एस.सी. (सेक्टर स्किल कांउसिल) द्वारा सत्यापन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नीति के अनुपालन में वी.वोक. के छात्रों के कौशल स्तर का प्रमाणन भ ारत सरकार द्वारा स्थापित विभिन्न क्षेत्रीय कौशल परिषदों (सेक्टर स्किल कांउसिल) द्वारा कराया जा रहा है, जिससे अध्ययन के बाद छात्रों की बेरोजगारी की समस्या न रहे व या तो वे स्वरोजगाररत हों अथवा किसी औद्योगिक इकाई में कार्यरत हों।

वी.वोक. कृषि प्रक्रिया एवं प्रबंधन के छात्रों का कौशल स्तर–4 का प्रमाणन अक्टूबर 2017 में कराया गया है, जिसमें 26 छात्रों ने परीक्षा दी और सभी छात्रों का प्रदर्शन शानदान रहा है। सभी को

'ओ' ग्रेड, जो आउट स्टैण्डिंग (सर्वोच्च ग्रेड) के लिए दिया जाता है, प्राप्त हुआ है। वी.वोक. खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी के छात्रों के कौशल स्तर–4 व 5 का प्रमाणन सितम्बर–अक्टूबर 2017 में कराया गया, जिसमें 19 छात्रों ने क्राफ्ट बेकर, 16 छात्रों ने फूड प्रोडक्ट्स पैकेजिंग टेक्नीशियन, 8 छात्रों ने जैम–जेली व कैचप प्रोसेसिंग टेक्नीशियन, 16 छात्रों ने प्लाण्ट बेकर, 11 छात्रों

ने अचार निर्माण टेक्नीशियन की परीक्षा शानदार तरीके से उत्तीर्ण किया है व विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

इण्टर कालेजों के प्राचार्यों का सम्मेलन

कौशल केन्द्र द्वारा क्षेत्र के विभिन्न इण्टर स्तरीय विद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मेलन दो बार आयोजित किया जा चुका है। जिसमें विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के बारे में प्राचार्यों को बताया गया, जिससे वे अपने विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को इन अभिनव पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दे सकें। इसका बहुत ही अच्छा प्रभाव दृष्टिगत हुआ है तथा वी.वोक. एवं एम.वोक. पाठ्यक्रमों के प्रति छात्रों का रूझान बढ़ा है। वर्तमान में 200 से अधिक छात्र इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् हैं।

दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख जन्मशती आयोजन

एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं ग्रामीण विकास को एक नई व व्यावहारिक दृष्टि प्रदान करने वाले राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जन्मशती के उपलक्ष मे वी. वोक. एवं एम.वोक. के छात्र/छात्राओं द्वारा 21–27 सितम्बर 2017 में मध्य एक सप्ताह का सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत डिवेट, खेल–कूद, एकांकी, नृत्य आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रमों की विशेषतायें

कौशल केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम की कई विशेषतायें हैं, जिनमें मुख्य हैं–

- छात्रों को स्व–रूचि आधारित क्रेडिट विभाजन एवं विषयों को चुनने की स्वतंत्रता (यू.जी.सी. के सी.बी.सी.एस. पैटर्न पर आधारित)।
- सभी पाठ्यक्रमों में जनरल कम्पोनेंट के विषयों को 40 प्रतिशत स्थान तथा कौशल विषयों को 60 प्रतिशत स्थान दिया गया है, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।
- पढ़ाई के साथ–साथ छात्रों को आय–अर्जन का मौका भी विभिन्न उत्पादों के निर्माण एवं विपणन के द्वारा दिया जाता है।

- छात्रों के लिए क्षैतिज व उदग दोनों स्तरों पर विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे वे सामान्य धारा से कौशल धारा व कौशल धारा से सामान्य धारा की ओर जा सकते हैं।
- माड्यूलर कॅरिकुलम हर पाठ्यक्रम में लागू है, जिससे छात्र पूरे पाठ्यक्रम की बजाए कुछ हिस्से को भी यदि पूरा कर लेता है तो वह किसी न किसी स्तर का कौशल प्राप्त कर लेता है।
- बहु–स्तरीय प्रवेश व निर्गम की सुविधा, जिससे छात्र अपनी सुविधानुसार पाठ्यक्रम को पूरा कर सके।
- पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक कार्यों को अधिक स्थान दिया गया है, जिससे छात्र अपने हुनर को अधिक से अधिक बढ़ा सकें।
- छात्रों द्वारा पहले से अध्ययन किये गये किसी विषय या हुनर से संबंधित किसी स्तर की परीक्षा पहले से उत्तीर्ण होने पर संबंधित विषयों के क्रेडिट का आनुपातिक रूप से स्थानांतरण छात्र द्वारा प्रवेशित पाठ्यक्रम में किया जाता है, जिससे छात्र को दुबारा वही पाठ्यक्रम न पढ़ना पड़े।

बंदियों के लिये विशेष योजना

मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में निरूद्ध बंदियों के लिये यह विश्वविद्यालय शीघ्र ही कई रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रारम्भ करने जा रहा है– जिसमें बंदियों को साक्षरता के साथ–साथ हुनर ज्ञान भी कराया जायेगा, साथ ही पहले से शिक्षित बंदियों के लिये उच्च स्तर के पाठ्यक्रम भी कराये जायेंगे इससे दो तरह के फायदे होंगे– एक तो बंदियों के पुनर्वास में कोई समस्या नहीं आयेगी तथा दूसरे रोजगार प्राप्त होने बाद उनके पुनः अपराध की दुनिया मे लौटने की जरूरत नहीं होगी। यह विश्वविद्यालय का अभिनव प्रयास है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास मिशन परियोजना

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा मध्यप्रदेश में बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए विशेष तौर से स्थापित मुख्यमंत्री कौशल विकास मिशन की दो योजनाओं– मुख्यमंत्री कौशल संवर्द्धन योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल्या योजना के लिए अनुबंध (एम.ओ.यू.) किया गया है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा 37 ट्रेडों में लगभग 4 हजार युवक/युवतियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिससे वे संबंधित उद्योगों में अपनी सेवा दे सकें अथवा स्वयं का उद्योग लगा सकें तथा प्रदेश व देश के औद्योगिक विकास में अपना योगदान दे सकें। जिन क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाना है उनमें खाद्य प्रसंस्करण, आटोमोबाइल, रिटेल, पर्यटन, सौन्दर्य एवं स्वास्थ्य, कृषि, सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर के क्षेत्र प्रमुख हैं। यह परियोजना लगभग 3 करोड़ रूपये प्रतिवर्ष की है।

मूल्य–परक एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की शिक्षा

कोई भी शिक्षा तब तक एकांगी रहती है, जबतक उसमें मूल्यपरक शिक्षा को भी शामिल न किया जाये। इसी को दृष्टिगत रखते हुये ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व विषय को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। कौशल केन्द्र द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों में भी यह अनिवार्य रूप से लागू है।

इसके अन्तर्गत छात्रों को उनके सामाजिक व पारिवारिक उत्तरदायित्व का ज्ञान कराया जाता है, साथ ही सर्वधर्म समभाव, पर्यावरण अध्ययन, मानवीय मूल्यों, श्रमदान आदि का व्यवहारिक ज्ञान कराया जाता है जिससे यहाँ से निकलने के बाद छात्र अपनी कमाई का सार्थक उापयोग कर सकें। मूल्यों के अभाव में कोई भी शिक्षा एकांगी कहलाएगी। शिक्षा का व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट के विकास में सार्थक उपयोग हो, इस दिशा में विश्वविद्यालय के इस प्रयास से छात्रों को एक सार्थक दिशा मिल रही है।

ANNUAL RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 2017-18

PART I- REVENUE ACCOUNT 2017-18

SN	HEAD OF ACCOUNT (RECEIPT)	AMOUNT	SN	HEAD OF ACCOUNT(EXP.)	AMOUNT
A	OPENING BALANCE		A	ESTABLISHMENT EXPENSES	
	ALLAHABAD BANK	999607.65	1	SALARY AND ALLOWANCES	227787500.00
	ALLAHABAD BANK FEES A/C	40784576.00	2	EXGRATIA	100000.00
	ALLAHABAD BANK EXAM A/C	57849.00	3	CPF	25165944.00
	POST OFFICE ACCOUNT	1240.00	4	GRATUITY	365314.00
	ALLAHABAD BANK ENTRANCE A/C	2090153.63		SUB TOTALS	253418758.00
	SUB TOTAL	43933426.28	B	RECURRING EXPENDITURE	
B	GRANT FROM M.P.GOVT.	35000000.00	1	WAGES	162735.00
C	FEES EDUCATIONAL	93142514.00	2	POSTAGES	28000.00
	FEES ENTRANCE EXAM A/C	756425.00	3	TELEPHONE	465852.00
	SUB TOTALS	93898939.00	4	RENT RATES AND TAXES	3442747.00
D	OTHERS INCOME		5	PRINTING AND STATIONARY	904565.00
1	HRR	134138.00	6	ADVERTIESMENT	215181.00
2	AGRICULTURE RECEIPT	185889.00	7	MAINT. OF EQUIPMENT	172128.00
3	DAIRY RECEIPT	17745.00	8	CONVOCATION	1364089.00
4	HOSPITAL RECEIPT	6309.00	9	LEGAL	117688.00
5	LIBRARY RECEIPT	66052.00	10	UNIFORM	37722.00
6	INTEREST FROM BANK	1705720.00	11	HOSPITALITY	97413.00
7	SEMINAR/WORKSHOP	98000.00	12	CAMPUS LAND SCAPING WORK	137871.00
8	RENT RATES AND TAXES ALL. BANK	91693.00	13	MAINT. OF BUILDING	1209482.00
9	RENT RATES AND TAXES POST. OFFICE BANK	3280.00	14	VISITING PROF./GUEST FACULITY	3390060.00
10	CANTEEN	12244.00	15	SEMINAR	135350.00
11	GUEST HOUSE	54000.00	16	MEETING EXPENSES	445472.00
12	RTI	2030.00	17	FUNCTION ,FESTIVAL AND MELA	122022.00
13	MISC.	268871.00	18	HOSPITAL EXPENSES	4034.00
14	CMCLDP.	35000000.00	19	MAGZINE AND NEWS PAPERS	19699.00
15	AGRICULTURE GUEST HOUSE	227000.00	20	LABOROTARY EXPENSES	189127.00
16	CONVOCATION.	153450.00	21	AUDIT FEES	4842057.00
	SUB TOTAL	38026421.00	22	PARTICIPATION OF UNIVERSITY	74552.00
			23	MAINT. OF VEHICLE	118651.00
1	OTHERS DEPOSIT AND CREDIT ACCOUNT		24	PETROL, OIL AND LUBRICANT	172170.00
2	PF/VPF/ARPF ACCOUNT	26657926.00	25	ROAD TAX AND INSURANCE	197908.00
3	SSS A/C	2731965.00	26	TYRE ,TUBE AND BATTERY	5500.00
4	GIS A/C	674830.00	27	MAINT. OF GENERATOR	168766.00
5	PF LOAN A/C	2743795.00	28	LUBRICANT ON GENERATOR	288716.00
6	LIC CLAIM	869655.00	29	EXAM A/C	1680672.00

7	INOCME TAX SALARY	20696794.00	30	FEED OF ANIMALS	39837.00
8	P.TAX	1353650.00	31	MAINT. OF ELECTRICITY	640994.00
9	EWF ACCOUNT	213104.00	32	GUEST HOUSE EXPENDITURE	174163.00
10	ADVANCE ACCOUNT	6126207.00	33	HOSTEL MAINT.	4430.00
11	EARNEST MONEY	281189.00	34	EDUCATIONAL TOUR	10820.00
12	CAUTION MONEY	4022500.00	35	CONSULTANCY FEES	149935.00
13	INCOME TAX-OTHERS	424860.00	36	RESEARCH AND DEVELOPMENT	85005.00
14	COMMERCIAL TAX/VAT/GST	244853.00	37	CONTRIBUTION TO MEMBERSHIP	30000.00
15	LWF ACCOUNT	79796.00	38	TRAVELLING ALLOWANCES	317985.00
16	DISTANCE TRANSFER	101525271.00	39	MEDICAL REIMBURSMENT	204440.00
17	SELF FINANCE. TR.	1150102.00	40	DECORATION	6050.00
18	FEES A/C TR.	0.00	41	MAINT. OF FARM	957817.00
19	ROYALITY A/C	256475.00	42	HONORARIUM	583404.00
20	FD	20000000.00	43	MISC EXPENSES	282041.00
21	UNCERTIFIED GRANT	27000.00	44	SUB TOTAL	23697150.00
	SUB TOTAL	190079972.00			
			C	NON RECURRING EXPENDITURE	
	UCA A/C	4675.00	1	OFFICE EQUIPMENT	1474377.00
	UCA A/C	1585000.00	2	LAB EQUIPMENT	-1716.00
	UCA A/C	1150102.00	3	FURN. OF OFFICE/CLASSROOM	3162109.00
	SUB TOAL	2739777.00	4	FURNITURE FIXTURE AND FITTINGS	1044182.00
			5	CONSTRUCTION WORK	13298026.00
			6	PURCHASE OF BOOKS	55260.00
			7	VIP GUEST HOUSE EXP.	143060.00
				SUB TOTAL	19175298.00
			D	OTHER DEPOSIT AND DR. ACCOUNT	
			1	PF/VPF/ARPF A/C	26881095.00
			2	SSS ACCOUNT	2738526.00
			3	GI ACCOUNT	686400.00
			4	PF LOAN ACCOUNT	2749395.00
			5	LIC ACCOUNT	0.00
			6	INCOME TAX SALARY	20690369.00
			7	PROFESSIONAL TAX	1349150.00
			8	EWF ACCOUNT	210172.00
			9	ADVANCE ACCOUNT	1983913.00
			10	EARNEST MONEY	649196.00
			11	CAUTION MONEY	2695200.00
			12	INCOME TAX CONTRACTOR	374692.00
			13	COMMERCIAL AX/VAT/GST	202466.00
			14	LWF ACCOUNT	126506.00
			15	SCHOLARSHIP ACCOUNT	192000.00
			16	ROYALITY ACCOUNT	966970.00
			17	BAMBOO PROJECT	100.00

			18	BIODEVERSITY PROJECT	100.00
			19	NSS ACCOUNT	100.00
			20	NEW PROJECT	100.00
			21	UGC. TRANSFER	8701.00
			22	TRC ACOUNT	4646.00
			23	DDUK TRANSFER	845782.00
			24	FARM PROJECT	850000.00
			25	CHIEF MINISTER MEDHAVI SCHOLARSHIP	1000.00
			26	FD	10000000.00
			27	TR. TO HINDI BHAWAN	339870.00
			28	TR. TO TECHNOLOGY	150000.00
			29	TR. TOFICSI NEW DELHI	56000.00
			30	DISSEMINATION TO FARMER A/C	248000.00
			31	TR. TO GRATUITY A/C	11819858.00
			32	TR. TO UGC	2287723.00
			33	KAUSHAL KENDRA	311628.00
				SUB TOTAL	89419658.00
				CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK	825409.65
				EXAM A/C	6822.00
				ENTRANC EXAM	2947121.63
				FEES A/C	14187078.00
				POST OFFICE	1240.00
				SUB TOTAL	17967671.28
	TOTAL	403678535.28		TOTAL	403678535.28

PART II - U.G.C. ACCOUNT 2017-18

SN	HEAD OF ACCOUNT (RECEIPT)	AMOUNT	SN	HEAD OF ACCOUNT(EXP.)	AMOUNT
	OPENING BALANCE			AMC	405711.00
	ALLAHABAD BANK	15395535.00		SEMINAR	143864.00
	CANARA BANK	576053.00		TRAVELLING EXP	23731.00
	SUB TOTAL	15971588.00		GENERAL T.A	280.00
	MISC	42900.00		STUDENT AMENTIES	545330.00
	WATER CHARGES	39076.00		INNOVATIVE RESEARCH	26384.00
	ELECTRICTY CHARGES	3000.00		REMEDIAL COACHING	63700.00
	JRF	774522.00		CARRIER AND COUNSELLING	209149.00
	INTEREST	42901.00		HEALTH CARE	156318.00
	TECHINCAL FEES	12000.00		DEV. OF ICT.	4838256.00
	SUB TOTAL	914399.00		SPORTS AND GAMES	31962.00
	S.D	214432.00		BOOKS	2520075.00
	I TAX	29553.00		WOMEN FACILITY	2174588.00
	C.TAX	2626.00		CULTURE ACTIVITIES	121996.00
	ADVANCE	31909492.00		INDUSTRIAL LINKEGE	27083.00
	CT. 27 A/C	8701.00		JRF	527723.00

	FEES A/C TR.	2287723.00		MISC	690.00
	SUB TOTAL	34452527.00		SUB TOTAL	11816840.00
				LAB EQUIPMENT	4708696.00
				BUILDING	33261419.00
				SUB TOTAL	37970115.00
				ADVANCE	539000.00
				S.D RETURN	270337.00
				SUB TOTAL	809337.00
				CLOSING BALANCE	742222.00
	TOTAL	51338514.00		TOTAL	51338514.00

PART III- PROJECT ACCOUNT 2017-18

SN	HEAD OF ACCOUNT (RECEIPT)	AMOUNT	SN	HEAD OF ACCOUNT(EXP.)	AMOUNT
1	BIODIVERSITY ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	3410.00		CLOSING BALANCE	3410.00
	SUB TOTAL	3410.00		SUB TOTAL	3410.00
2	DEC ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	1067917.00		CLOSING BALANCE	1109209.00
	INTEREST	41292.00		ALL. BANK - 22470490073	
	SUB TOTAL	1109209.00		SUB TOTAL	1109209.00
3	MPCST CELL ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	57988.00		CLOSING BALANCE	116884.00
	GRANT	46497.00			
	INTERREST	12399.00			
	SUB TOTAL	116884.00		SUB TOTAL	116884.00
4	NSS ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	48988.00		A/C CLOSED BY TR. IN CT 27 A/C	49582.00
	CT 27 A/C	100.00		BALANCE ALLD BANK A/C NO.	
	INTEREST	494.00		50170418419	0.00
	SUB TOTAL	49582.00		SUB TOTAL	49582.00
5	FCRA ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	3200.00		CLOSING BALANCE	3200.00
	SUB TOTAL	3200.00		SUB TOTAL	3200.00
6	CHITRAKOOT NIRMATI KENDRA				
	OPENING BALANCE	20224.00		CLOSING BALANCE	20224.00
	SUB TOTAL	20224.00		SUB TOTAL	20224.00
7	MANDI SAMITI				
	OPENING BALANCE	12935.00		BUILDING	1530638.00
	GRANT	1625146.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST	25059.00		ALLD. BANK 50066085034	209034.00
	S.D.	76532.00			
	SUB TOTAL	1739672.00		SUB TOTAL	1739672.00
8	SAGI PROJECT				

	OPENING BALANCE	34275.00		EXP.	0.00
	INTEREST	1320.00		CLOSING BALANCE	
		0.00		ALLD. BANK 50069715101	35595.00
	SUB TOTAL	35595.00		SUB TOTALS	35595.00
9	MAPCET PROJECT				
	OPENING BALANCE	3364983.00		TRAINING CENTRE	312042.00
	INTEREST	123121.00		EXAM	91902.00
	TRAINING CENTRE	3150.00		ADVERTIESMENT	4675.00
	ADVANCE	76387.00		AUDIT FEES	70614.00
	INCOME TAX	39958.00		MISC.	3000.00
				ADVANCE	3000.00
				WITHELD PAYMENT	25810.00
				CLOSING BALANCE	3096556.00
	SUB TOTAL	3607599.00		SUB TOTAL	3607599.00
10	U.G.C.COMMUNITY COLLEDGE				
	OPENING BALANCE	1604748.00		CLOSING BALANCE TR. TO DDUK A/C	1623432.00
	INTEREST	18684.00			
	SUB TOTAL	1623432.00		SUB TOTAL	1623432.00
11	B.VOCATIONAL				
	OPENING BALANCE	2572227.00		CLOSING BALANCE TO DDUK A/C	2609838.00
	INTEREST	37611.00			
	SUB TOTAL	2609838.00		SUB TOTAL	2609838.00
12	CMCLDP PROJECT				
	OPENING BALANCE	11389513.00		SALARY	574615.00
	FEES 106091549-103950	105987599.00		EXAM	5424119.00
	INTEREST	2570264.00		CONTINGENCIES	994930.45
	S.D.	209878.00		STUDY MATERIALS	14773247.00
	INCOME TAX	38050.00		MEETING	916062.00
	EWF A/C	8992.00		TRAINING EXP.	4237867.00
	ROYALITY	159712.00		WEBSITE MAINT.	59116.00
	ADVANCE	2874157.00		SIM WRITING	20000.00
				T.A	44816.00
				AUDIT FEES	1006107.00
				OFFICE MAINT.	4700.00
				SUB TOTALS	28055579.45
				TOOL/LAB EQUIPMENT	7810572.00
				OFFICE FURNITURE	205905.00
				BUILDING	4347092.00
				OFFICE EQUIPMENT	196206.00
				SUB TOTALS	12559775.00
				TR. TO ,CT/27 A/C	35000000.00

				LWF	8992.00
				INCOME TAX	38050.00
				ADVANCE	7123950.00
				S.D RELEASE	877873.00
				TDS BY BANK	80669.00
				SUB TOTALS	43129534.00
				CLOSING BALANCE	
				SBI 34470972397	39493276.55
	TOTAL	123238165.00		TOTAL	123238165.00
13	DIFFUSE CHEMICALS				
	OPENING BALANCE	42208.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST	927.00		ALLD. 50118478755	43135.00
I	SUB TOTAL	43135.00		SUB TOTAL	43135.00
14	NAGARJUNPROJECT				
	OPENING BALANCE	2933.00		CLOSING BALANCE	3046.00
	INTEREST	113.00		ALLD. BANK 50123779641	
	SUB TOTAL	3046.00		SUB TOTAL	3046.00
15	ICSSR PROJECT				
	OPENING BALANCE	5704.00		BALANCE TR. TO CT-27 A/C AND	5771.00
	INTEREST	67.00		CLOSEDA/C NO 50134114866 A.BANK	
	SUB TOTAL	5771.00		SUB TOTAL	5771.00
16	ICAR(NEW DELHI) MAIZE				
	OPENING BALANCE	35769.00		EXPENDITURE	78179.00
	GRANT	79000.00		ADVANCE	18700.00
	INTEREST	1066.00		MULLARP EXPENSES	10000.00
	ADVANCE	38700.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD BANK 50305158288	47656.00
	SUB TOTAL	154535.00		SUB TOTAL	154535.00
17	CHEMICAL AND BIOCHEMICALS				
	OPENING BALANCE	220085.00		CONTINGENCIES	109882.00
	INTEREST	16319.00		JRF ACCOUNT	114800.00
				CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50294555396	11722.00
	SUB TOTAL	236404.00		SUB TOTAL	236404.00
18	TRC ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	108326.00		TRC EXP	112038.00
	TRC INCOME	211395.00		ADVANCE	221500.00
	INTEREST	2750.00		CLOSING BALANCE	
	ADVANCE	105077.00		ALLD BANK. 50313893292	94010.00
	SUB TOTAL	427548.00		SUB TOTAL	427548.00
19	HINDI PROJECT				

	OPENING BALANCE	758635.00		BUILDING	339329.00
	FEES	339870.00		MISC	200.00
	INTEREST	16694.00		SEMINAR	53633.00
	SD	11356.00		AUDIT FEES	41406.00
	ROYALTY	114269.00		S.D	475730.00
				CLOSING BALANCE	330526.00
	SUB TOTAL	1240824.00		SUB TOTAL	1240824.00
20	SESMA NIGER (NEW DELHI)				
	OPENING BALANCE	56125.00		EXPENDITURE	66062.00
	INTEREST	22004.00		ADVANCE	12000.00
	ADVANCE	1253.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50303784546	1320.00
	SUB TOTAL	79382.00		SUB TOTAL	79382.00
21	DDUK (NEW Delhi)				
	OPENING BALANCE	5145305.00		LAB/WORKSHOP	3785184.00
	INTEREST	852065.00		OPERATING COST	295423.00
	B. VOC TRANSFER	2609838.00		GUEST FACULITY	1033179.00
	COMMUNITY COLLEGE TR.U.G.C	1623432.00		SALARY	4680236.00
	FEES A/C	311628.00		SEMINAR	146085.00
	MISC.SEMINAR	2000.00		MEETING	4480.00
	WATER CHARGES	9623.00		AUDIT FEES	12600.00
	CT 27 TRANSFER	845782.00		EXAM A/C	25200.00
	ADVANCE	222802.00		MISC.	1120.00
	S.D	63680.00		OFFICE EQUIPMENT	87990.00
				BUILDING	1282005.00
				ADVANCE	143800.00
				CHIEF MINISTER A/C	1500.00
				S. TOTAL	11498802.00
				CLOSING BALANCE	187353.00
	SUB TOTAL	11686155.00		SUB TOTAL	11686155.00
22	TATA PROJECT				
	OPENING BALANCE	438284.00		FELLOWSHIP	396880.00
	INTEREST	45855.00		LOGESTIC & KIT	296450.00
	FD	1000000.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD. 50194789168	790809.00
	SUB TOTAL	1484139.00		SUB TOTAL	1484139.00
23	RUSA PROJECT				
	OPENING BALANCE	253200.00		OFFICE EQUIPMENT	252218.00
	INTEREST	13524.00		CONTINGENCIES	200.00
				ADVANCE	13000.00
				CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50315444711	1306.00

	SUB TOTAL	266724.00		SUB TOTAL	266724.00
24	SOIL TESTING PROJECT				
	OPENING BALANCE	2002402.00		BANK CHARGES	400.00
	GRANT	4152543.00		AUDIT FEE (TR. SECURITY A/C)	1037.00
	INTEREST	196730.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50291602125	6350238.00
	SUB TOTAL	6351675.00		SUB TOTALS	6351675.00
25	AICRP ON PIGEONPEA				
	OPENING BALANCE	21596.00		LABOUR EXPENSES	19852.00
	INTEREST	312.00		STATIONARY	710.00
				CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50366546698	1346.00
	SUB TOTAL	21908.00		SUB TOTAL	21908.00
26	DEVELOPMENT OF SOLAR CITIES				
	OPENING BALANCE	250000.00		EXP.	0.00
	INTEREST	9619.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD BANK 50331104150	259619.00
	SUB TOTAL	259619.00		SUB TOTAL	259619.00
27	AICRP ON MULLARP				
	OPENING BALANCE	45000.00		LABOUR EXPENSES	39900.00
	INTEREST	265.00		STATIONARY	760.00
				ADVANCE	4000.00
				BANK CHARGES	129.00
				CLOSING BALANCE	
				ALLD BANK 50368285065	476.00
	SUB TOTAL	45265.00		SUB TOTAL	45265.00
28	KAUSHAL KENDRA				
	OPENING BALANCE	9800.00		CONTINGENCIES 2016-17	1480.00
	INTEREST 2016-17	450.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST 2017-18	261.00		ALLD BANK 50309658083	9031.00
	SUB TOTAL	10511.00		SUB TOTAL	10511.00
29	TECHNOLODGY DISSEMINTION TO FARMA ER				
	OPENING BALANCE	0.00		BUILDING CONSTRUCTION	2369911.00
	PROJECT GRANT	2000000.00		IT	53086.00
	UNIVERSITY CONTRIBUTION 10%	248000.00		LABOUR WELFARE	23699.00
	DISTANCE CONTRIBUTION	530000.00		GST	47399.00
	LOAN OF UNIVERSITY	850000.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST	22712.00		ALLD.BANK-50388964891	1399296.00
	IT	53086.00			
	LABOUR WELFARE	23699.00			
	GST	47399.00			
	SD	118495.00			

	SUB TOTAL	3893391.00		SUB TOTAL	3893391.00
30	INTEGRETED APPROACH FOR G. WATER				
	OPENING BALANCE	0.00		EXP.	0.00
	GRANT	1149000.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST	11028.00		ALLD.BANK 50291766651	1160028.00
	SUB TOTALS	1160028.00		SUB TOTALS	1160028.00
31	ARID LEGUMES				
	OPENING BALANCE	0.00		CLOSING BALANCE	0.00
				ALLD BANK 50410266167	
	SUB TOTALS	0.00		SUB TOTAL	0.00
32	CM MEDHAVI SCHOLARSHIP AG A/C				
	OPENING BALANCE	0.00			
	FROM CT 27 A/C	1000.00		CLOSING BALANCE	
	INTEREST	7.00		ALLD. BANK 50423847943	1007.00
	SUB TOTAL	1007.00		SUB TOTALS	1007.00
33	GRATUITY ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	0.00		FIXED DEPOSIT	10000000.00
	INVESTMENT BY UNIVERSITY FROM			BANK CHARGES	36.00
	FEES A/C	11819858.00		CLOSING BALANCE	
	DISTANCE EDUCATION	1000000.00		CANARA BANK 4596101002181	2847087.00
	INTEREST	27265.00			
	SUB TOTAL	12847123.00		SUB TOTAL	12847123.00
34	CAUTION MONEY				
	OPENING BALANCE	0.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD BANK 50369753044	0.00
	SUB TOTAL	0.00		SUB TOTAL	0.00
35	SECURITY MONEY ACCOUNT				
	OPENING BALANCE	0.00		AUDIT FEES	2522272.00
	RECEIPT	3562288.00		BANK CHARGES	625.00
				TOTAL EXP.	2522897.00
				BALANCE	
				ALLD BANK 50369752824	1039391.00
	SUB TOTAL	3562288.00		SUB TOTAL	3562288.00
36	EMPLOYEE WELFARE FUND A/C				
	OPENING BALANCE	0.00		BANK CHARGES	219.00
	RECEIPT	262991.00		CLOSING BALANCE	
				ALLD. BANK 50369752187	262772.00
	SUB TOTAL	262991.00		SUB TOTAL	262991.00
	TOTAL	178200279.00		TOTAL	178200279.00

*****